हिन्दी सांध्य दैनिक

# प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 288, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 अप्रैल, 2022 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

## भाजपा एक भारत-श्रेष्ठ भारत के मंत्र पर चल रही है : पीएम मोदी

### स्थापना दिवस पर पीएम ने कहा-बिजेपी ने वोटबैंक राजनीति को टक्कर दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी के 42वें स्थापना दिवस के मौके पर बुधवार को कार्यकताओं, मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को संबोधित किया। इससे पहले पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि तीन-चार पीढ़ियों ने खुद को खपाकर भाजपा को यशस्वी पार्टी बनाया है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के मंत्र पर चल रही है। 4 राज्यों में बीजेपी की डबल इंजन सरकार लौटी है। उन्होंने कहा कि इस बार का बीजेपी स्थापना दिवस तीन कारणों से अहम है। पहला कारण इस समय हम देश की आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। दूसरा कारण तेजी से बदलती हुई वैश्विक परिस्थितियां भी हैं। तीसरा भारत के लिए नए अवसर लगातार आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनकल्याण योजनाएं लाभार्थी तक पहुंच रही हैं। कोरोना काल में देश ने बड़ा लक्ष्य हासिल किया है। पीएम ने कहा कि दशकों तक कुछ राजनीतिक दलों ने वोटबैंक की राजनीति की। ज्यादातर लोगों को तरसाकर रखा गया। बीजपी ने वोटबैंक की राजनीति को टक्कर दी है। बीजेपी वोट बैंक की राजनीति के नुकसान भी देश के लोगों को समझाने में सफल रही है।

उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन आसान बनाना ही हमारी प्राथमिकता है। हम देश के विकास के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। सबका साथ, सबका विकास के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि परिवारवादियों ने देश को आगे नहीं बढ़ने दिया। परिवारवादी दल लोकतंत्र की बड़ी दुश्मन हैं। परिवारवाद के खिलाफ बीजेपी अकेले बोलती है। देश भी परिवारवादी पार्टियों को समझ रहा है। बीजेपी का महासंघर्ष चलता रहेगा। परिवारवादी पार्टियों ने युवाओं को आगे नहीं बढ़ने दिया। उनके साथ विश्वासघात किया है। बीजेपी अपने स्थापना दिवस से लेकर 14 दिनों तक सामाजिक न्याय पखवाड़ा मना रही है। पार्टी ने इस दौरान कई कार्यक्रमों के आयोजन का फैसला किया है। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने जानकारी दी है कि बीजेपी सात अप्रैल से 20 अप्रैल तक देश भर में सामाजिक न्याय के मुद्दे पर कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस अभियान के दौरान पार्टी कार्यकर्ता मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाएंगे। सिंह ने कहा कि 14 अप्रैल को बीआर आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अभियान के दौरान भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के स्थापना दिवस से एक दिन पहले मंगलवार को पार्टी के सांसदों से आग्रह किया कि वह सेवा व समर्पण भाव के साथ जनता के बीच जाकर काम करें और केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण व महत्वाकांक्षी योजनाओं का प्रचार प्रसार करें। बीजेपी 6 अप्रैल, 1980 को अस्तित्व में आई थी।

गृह मंत्री अमित शाह ने बीजेपी के स्थापना दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ह्यभाजपा के 42वें स्थापना दिवस पर खुद को तिल-तिल जलाकर भाजपा को वटवृक्ष बनाने वाले सभी महापुरुषों को नमन। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और जेपी नड्डा जी की अध्यक्षता में भाजपा निरंतर सेवाभाव से राष्ट्रकल्याण की ओर अग्रसर है। सभी कार्यकताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देता हूं।

### नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद देश की एक इंच जमीन नहीं हड़पी गईः किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया है कि नरेंद्र मोदी के देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की एक इंच जमीन नहीं हड़पी गई है। सदन में यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए बसपा के एक सांसद की टिप्पणी को लेकर उन्होंने यह बात कही। बसपा सांसद के आरोप पर पलटवार करते हुए रिजिजू ने यह बयान दिया और उन्होंने बसपा सांसद की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई। दरअसल, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने यह बात तब कही जब जौनपुर से बसपा सांसद श्याम सिंह यादव ने आरोप लगाया कि भारतीय क्षेत्र 'चीन को धीरे-धीरे' दिया जा रहा था। मंत्री ने कहा कि एक सीमावर्ती राज्य होते हुए भी अरुणाचल प्रदेश 100 प्रतिशत सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि एक विदेशी वेबसाइट से तस्वीरें लेते हुए यह आरोप लगाया गया कि चीन ने अरुणाचल के अंदर एक गांव बसा लिया है जो झूठा है, क्योंकि उस गांव पर 1959 में चीन ने कब्जा कर लिया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हर कोई जानता है कि चीन और पाकिस्तान के नियंत्रण में हमारा दावा किया गया क्षेत्र पहले के समय का है। मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता। लेकिन जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, एक इंच भी जमीन नहीं दी गई है। रिजिजू ने यह भी कहा कि 2013 में जब एके एंटनी रक्षा मंत्री थे तब उन्होंने सदन में कहा था कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं करने की भारत की नीति गलत थी।

## विधवा मां की मंजूरी के बिना विवाहित बेटी को नहीं दी जा सकती अनुकंपा नियुक्ति : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। विवाहित बेटी को अनुकंपा नियुक्ति देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने साफ कहा है कि विधवा मां की मंजूरी के बगैर विवाहित बेटी को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती है। इस तरह, कोर्ट ने विवाहित बेटी की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने जीवित मां की मंजूरी के बिना अपने मृत पिता के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति की मांग की थी। बेटी का अपनी मां और भाई के साथ संपत्ति विवाद चल रहा है। मां ने बेटे को अनुकंपा नियुक्ति देने के लिए अपनी स्वीकृति दी थी, लेकिन वह अनफिट पाया गया। इसके बाद बेटी ने आवेदन कर दिया।

हालांकि, अधिकारियों ने उसके आवेदन को यह कहकर ठुकरा दिया क्योंकि मां ने उसके नाम पर मंजूरी नहीं दी थी। विवाहित बेटी की तरफ से पेश वकील दुष्यंत पाराशर ने कहा कि 2021 में शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि विवाहित बेटियां भी अनुकंपा नियुक्ति पाने की हकदार हैं। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति सीटी रवि कुमार की पीठ ने कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस (अराजपत्रित) सेवा नियम 1997 का नियम 2.2 स्पष्ट रूप से कहता है कि नौकरी पाने वाले शख्स को मृतक सरकारी कर्मचारी या उत्तरजीवी माता-पिता की अनुमति आवश्यक है। इस मामले में याचिकाकर्ता का नाम उसकी मां की ओर से मंजूर नहीं किया गया है और इसका कारण वही बेहतर जानती हैं। याचिकाकर्ता के प्रश्न का उत्तर नियम 2.2 में दिया गया है, इस पर न्यायालय की ओर से और विचार करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता दुष्यंत पाराशर की इस दलील पर गौर किया कि वह मृतक सरकारी कर्मचारी की विवाहित बेटी है, हालांकि विधवा (याचिकाकर्ता की मां) की मंजूरी नहीं है, फिर भी, उसे स्वतंत्र तौर पर अधिकार है कि नियमों की मौजूदा योजना के तहत अनुकंपा नियुक्ति के लिए उसके नाम पर विचार किया जाए। पाराशर ने कहा कि शीर्ष अदालत के पहले के फैसले में कानून तय हो गया है कि विवाहित बेटियां अनुकंपा नियुक्ति की हकदार हैं। पीठ ने कहा कि यह ठीक है, लेकिन इस मामले में नियम 2.2 याचिकाकर्ता का समर्थन नहीं करता है।

### कर्नाटक हिजाब विवाद में अल-कायदा की एंट्री

नई दिल्ली। कर्नाटक सहित भारत के अलग-अलग हिस्सों में हिजाब को लेकर हुए विवाद के बीच अब वैश्विक आतंकवादी समूह अल कायदा ने भी एंट्री कर ली है। मंगलवार को अल कायदा के नेता अयमान अल-जवाहिरी ने भारतीय मुसलमानों को "इस उत्पीड़न" पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित किया। अल कायदा के आधिकारिक शबाब मीडिया द्वारा जारी और इंटेलिजेंस ग्रुप द्वारा वेरीफाइड नौ मिनट के एक वीडियो में, जवाहिरी ने कर्नाटक के कॉलेज की छात्रा मुस्कान खान की जमकर तारीफ की।

## योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 की बड़ी पहल, 100 दिन में गांवों में बनेंगे एक लाख प्रधानमंत्री आवास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर ग्राम्य विकास विभाग ने बड़ी पहल करते हुए आगामी 100 दिनों का लक्ष्य तय कर दिया है। ग्राम्य विकास विभाग प्रदेश में

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत एक लाख आवास बनाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत इतने ही दिनों में 8200 घरों को निर्माण पूरा होगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि वर्ष 2022-23 के लिए स्वीकृत होने वाले सभी प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का पंजीकरण भी कराया जाएगा। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 50 हजार नए स्वयं सहायता समूहों का गठन होगा, 80 हजार स्वयं सहायता समूह को 400 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही 100 प्रोड्यूसर ग्रुप के गठन का भी लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 200 पुष्टाहार मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों की स्थापना की कार्यवाही पूरी की जाएगी, जिससे 600 विकासखंडों में पुष्टाहार की आपूर्ति हो सकेगी।

**आधी दुनिया को मिलेगा लाभ :** केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि इसी अवधि में 58000 बीसी सखी के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। महिला सामर्थ्य योजना के अंतर्गत पांच कलस्टरों में योजना की शुरूआत होगी। मनरेगा के तहत 15 हजार महिला मेटों को चयनित व प्रशिक्षित करके मनरेगा कार्यों से ही संबद्ध किया जाएगा।

**पांच हजार किलोमीटर सड़कें बनेंगी :** प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-तीन के तहत स्वीकृत 19 हजार किलोमीटर सड़कें बननी हैं। इस पर 15 हजार करोड़ रुपये खर्च होने हैं। इसके सापेक्ष पांच हजार किलोमीटर मार्गों का निर्माण पूरा किया जाएगा। इसी अवधि में 2800 किलोमीटर सड़कों का रखरखाव होगा। इस पर 12 सौ करोड़ रुपए खर्च किया जाएगा।

## महाविकास अघाड़ी गठबंधन में फूट उद्धव सरकार से अलग हुई स्वाभिमानी पक्ष

नई दिल्ली। स्वाभिमानी पक्ष पार्टी ने महाविकास अघाड़ी के साथ नाता तोड़ लिया है। इसके नेता राजू शेट्टी ने पार्टी के पदाधिकारियों के साथ दिन भर के विचार-विमर्श के बाद इसकी घोषणा की। शेट्टी ने कहा कि अब से स्वाभिमानी पक्ष और एमवीए के बीच किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं है। शेट्टी ने हाल ही में अपनी पार्टी के एकमात्र विधायक देवेंद्र भुयार को संगठन से निष्कासित कर दिया था। उन्होंने कहा था कि 2019 के चुनावों के परिणाम के बाद से, भुयार राकांपा नेताओं के साथ मिल रहे थे और उन्हें स्वाभिमानी पक्ष के मंच पर कभी नहीं देखा गया था। पार्टी अधिवेशन में बोलते हुए शेट्टी ने कहा, "किसानों का हित एमवीए द्वारा तय किए गए न्यूनतम साझा कार्यक्रम का केंद्र बिंदु था। मेरी पार्टी भी इसका हिस्सा थी। हालांकि, पिछले ढाई वर्षों में, हमें बाढ़ के नुकसान के लिए उचित मुआवजे की मांग के लिए राज्य सरकार के खिलाफ विरोध करना पड़ा। हमें किसानों को भूमि अधिग्रहण मुआवजे को कम करने के सरकार के फैसले का विरोध करना पड़ा।" उन्होंने दावा किया कि हर मुद्दे पर एमवीए सरकार ने किसानों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा, "इसलिए, मैं एमवीए के साथ सभी संबंधों को तोड़ने की घोषणा करता हूं। इसके बाद, हम खेतों का दौरा करेंगे, किसानों से मिलेंगे और उन्हें अपनी स्थिति बताएंगे। शेट्टी ने हाल ही में अपनी पार्टी के एकमात्र विधायक देवेंद्र भुयार को संगठन से निष्कासित कर दिया था। उन्होंने कहा था कि 2019 के चुनावों के परिणाम के बाद से, भुयार राकांपा नेताओं के साथ मिल रहे थे और उन्हें स्वाभिमानी पक्ष के मंच पर कभी नहीं देखा गया था। पार्टी अधिवेशन में बोलते हुए शेट्टी ने कहा, "किसानों का हित एमवीए द्वारा तय किए गए न्यूनतम साझा कार्यक्रम का केंद्र बिंदु था। मेरी पार्टी भी इसका हिस्सा थी।

## संसद में बोली केंद्र सरकार, बीते पांच सालों में 22 आईपीएस अधिकारियों पर दर्ज हुए केस

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने संसद में बताया है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान 22 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के चलते विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। दरअसल, राज्यसभा में सवाल पूछा गया था कि बीते पांच सालों के दौरान कितने आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है? इसके जवाब में गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा, 'साल 2017 से 30 मार्च 2022 तक 22 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामलों में केस दर्ज किया गया है।'

**यूपी में एक आईपीएस भगोड़ा घोषित-** वहीं, उत्तर प्रदेश में भगोड़े घोषित आईपीएस अधिकारियों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एक आईपीएस अधिकारी को भगोड़ा घोषित किया गया है।

यह भी पूछा गया कि क्या यह सच है कि देश में पुलिस बल में आपराधिकता में संलिप्तता के मामले बढ़ रहे हैं और क्या इस तरह की बढ़ती प्रवृत्ति के कारणों का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन किया गया है। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची- II (राज्य सूची) के तहत पुलिस राज्य का विषय है। यह प्राथमिक रूप से राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी है कि वे पुलिस बल में अपराध में शामिल होने के मामले दर्ज करें।' हालांकि, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 2018 से 2020 की अवधि के दौरान चार्जशीट किए गए मामलों की संख्या में गिरावट आई है।

## रूस पर एक्शन नहीं ले सकते तो खुद को बंद कर दे संयुक्त राष्ट्र

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर वे रूस पर एक्शन नहीं ले सकते हैं तो फिर उन्हें इस संस्था को बंद कर देना चाहिए। इस दौरान जेलेंस्की ने से कहा कि रूसी बलों द्वारा की गई ज्यादतियां इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों के कृत्यों से अलग नहीं हैं। उन्होंने रूसी बलों को युद्ध अपराध करने के मामले में न्याय के दायरे में लाने की खातिर तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग की। यूक्रेन में रूसी युद्ध अपराधों की इस्लामिक स्टेट (दाएश) से तुलना करते हुए, और नूर्नबर्ग की तर्ज पर एक न्यायाधिकरण के माध्यम से पूर्ण जवाबदेही की मांग करते हुए, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से एक वर्चुअल संबोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र को या तो बंद कर देना चाहिए और खुद को भंग कर देना चाहिए या कठोर सुधार करना चाहिए और रूस को परिषद से बाहर कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर यूएन बातों से ज्यादा कुछ करना चाहता है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने जनादेश को पूरा करना चाहता है तो उस यह करना चाहिए। जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने पहले संबोधन में कहा, मैं रूसी बलों के कब्जे से हाल में मुक्त कराए गए एवं कीव के पास स्थित बूचा शहर से कल लौटा। वहां एक भी ऐसा अपराध नहीं है, जो हुआ नहीं हो। रूसी बलों ने हमारे देश की सेवा करने वाले हर व्यक्ति की चुन-चुन कर और जानबूझकर हत्या की। उन्होंने रूसी बलों की बर्बरता की जानकारी देते हुए कहा, यह कुछ इलाकों पर कब्जा करने वाले दाएश जैसे आतंकवादी संगठनों से अलग नहीं है। यह काम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक सदस्य द्वारा किया जा रहा है, जो आंतरिक एकता, सीमाओं और देशों को नष्ट कर रहा है।

## सैन्य बलों में नए तरीके से सैनिकों की बहाली की प्रक्रिया शुरू होगी

नई दिल्ली। सैन्य बलों में नए तरीके से सैनिकों की बहाली की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। इसे टूर ऑफ ड्यूटी नाम दिया गया है। इसे कम बजट में युवाओं को रोजगार देने के इरादे से जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। इसके लिए करीब दो साल से तैयारी चल रही है। इस अभियान के तहत कम सरकारी खर्चे में एक निश्चित अल्पकालिक अनुबंध पर सैन्य बलों में अफसरों और सैनिकों की बहाली की जानी है। इसके तहत नौकरी का समय करीब तीन साल हो सकता है। कोरोना महामारी के कारण पिछले दो वर्षों में सशस्त्र बलों में सैनिकों की भर्ती में भारी कटौती की गई है। आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, वर्तमान में सेना, वायु सेना और नौसेना में 1,25,364 पद खाली हैं।

शीर्ष नेतृत्व से प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। इस सप्ताह रक्षा मंत्रालय में 'टूर ऑप ड्यूटी' पर ब्रीफिंग दी गई है। इस योजना को 2020 में सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे द्वारा लाया गया। हाल के महीनों में सरकार के शीर्ष स्तरों पर इसके आकार और दायरे पर विचार-विमर्श किया गया। इस योजना की अंतिम रूपरेखा अभी तक सामने नहीं आई है। इसका मकसद तीन साल की निश्चित अवधि के लिए सामान्य और विशेष कर्तव्यों दोनों के लिए सैनिकों की बहाली की थी। इससे सशस्त्र बलों में स्थाई भर्ती की अवधारणा में बदलाव की उम्मीद है।

नई प्रक्रिया में तीन साल के अंत में अधिकांश सैनिकों को ड्यूटी से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्हें आगे के रोजगार के अवसरों के लिए सशस्त्र बलों से सहायता मिलेगी। माना जाता है कि कॉरपोरेट इंडिया ऐसे प्रशिक्षित युवाओं के लिए नौकरी आरक्षित करने में रुचि रखता है, जिन्होंने अपने देश की सेवा की है। यदि सैनिकों की एक बड़ी संख्या को 'टूर ऑफ ड्यूटी' के तहत लिया जाता है तो वेतन, भत्तों और पेंशन में हजारों करोड़ की बचत हो सकती है। भर्ती किए गए युवाओं में से सर्वश्रेष्ठ को जगह होने पर अपनी सेवा जारी रखने का अवसर मिल सकता है। इस अभियान का मकसद सरकार की लागत को कम करने के साथ-साथ हर साल हजारों प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार देना है। आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित कॉलेजों के छात्र जो सशस्त्र बलों में उच्च प्रौद्योगिकी अभियान के विस्तार में योगदान दे सकते हैं, उन्हें एक छोटे कार्यकाल के लिए सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। जिसके बाद वे नागरिक दुनिया में करियर बना सकते हैं।

## पाकिस्तान से आ रही धूलभरी हवा से दिल्ली-एनसीआर में बढ़ रहा प्रदूषणः मौसम विज्ञानी

नई दिल्ली। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि पाकिस्तान की धूलभरी हवा से दिल्ली-एनसीआर की हवा में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। इस स्थिति में बारिश से ही कुछ सुधार संभव है, लेकिन अभी अगले एक सप्ताह तक इसकी कोई संभावना नहीं है। पर्यावरणविदें और मौसम विज्ञानियों के अनुसार सर्दी खत्म होने के बाद वातावरण से नमी खत्म हो जाती है। आसमान साफ हो जाता है। हवा भी चलती रहती है। इससे प्रदूषक तत्व छंट जाते हैं, लेकिन इस साल मार्च की शुरूआत से ही सेंट्रल पाकिस्तान से जो गर्म हवा चल रही है, वह वाया राजस्थान दिल्ली तक आ रही है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार चूंकि बारिश न होने से सतही मिट्टी पूरी तरह सूखी हुई है, इसलिए हवा के साथ वह भी उड़ रही है। यही धूल कण प्रदूषण के स्तर में इजाफा किए हुए है। फरवरी खत्म होते-होते दिल्ली एनसीआर की हवा सुधरने लगती है। इसीलिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) भी 15 अक्टूबर से 15 मार्च तक ही रहता है। डीजल जेनरेटर पर लगी रोक भी हटा ली जाती है, लेकिन इस वर्ष पहले मार्च और अब अप्रैल में भी हवा का हाल सुधरा नहीं है। द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों पर गौर करें तो मार्च में न एक भी दिन हवा अच्छी रही, न ही संतोषजनक। 12 दिन मध्यम, 17 दिन खराब, जबकि एक दिन बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। इसी तरह अप्रैल के पांच दिनों पर गौर करें तो हर दिन हवा का स्तर खराब ही रहा है। मालूम हो कि मार्च में औसत बारिश 15.9 मिमी जबकि अप्रैल में 8.8 मिमी है, जबकि अभी तक एक बूंद भी नहीं गिरी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बारिश होने से मिट्टी और धूल कण दबे रहते हैं, लेकिन इस बार यह बिल्कुल सूखे होने के कारण हवा के साथ उड़ रहे हैं। इससे भी अबकी बार प्रदूषण का स्तर ऊंचा बना हुआ है और लोगों को परेशान कर रहा है।

## चिंतन मनन

# महंगाई की मार

पेट्रोल और डीजल के दाम में लगातार हो रही बढ़ोतरी से ट्रांसपोर्टर्स और व्यापारी से लेकर आम लोग तक सभी प्रभावित हुए हैं। जिस रफ्तार से ईंधन के दाम बढ़ रहे हैं उसका सीधा असर बाजार पर हो रहा है। पिछले 15 दिन में ही पेट्रोल और डीजल 9 रुपए 16 पैसे महंगे हो गए हैं। बाजार मामलों से जुड़े जानकार और व्यापारी कहते हैं कि इसका सीधा असर माल भाड़े पर पड़ेगा और इसमें 16 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो इससे आम आदमी पर भी महंगाई का बोझ पड़ेगा। जहां एक ओर कोरोना महामारी के कारण आम आदमी की आमदनी घटी है तो वहीं दूसरी ओर सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर खूब कमाई की है। बीते 3 सालों में जहां एक ओर प्रति व्यक्ति सालाना आय 1.26 लाख रुपए से घटकर 99,155 रुपए सालाना पर आ गई है, वहीं सरकार की एक्साइज ड्यूटी से कमाई 2,10,282 करोड़ रुपए से बढ़कर 3,71,908 करोड़ पर पहुंच गई है। यानी बीते 3 साल में पेट्रोल-डीजल पर टैक्स (एक्साइज ड्यूटी) लगाकर सरकार ने 8 लाख करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। महंगाई को लेकर विपक्ष हमलावर है, सरकार इस पर काबू पाने के उपाय तलाश रही है। रोज डीजल और पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है, रसोई गैस और वाहनों में इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक गैस यानी सीएनजी की कीमतें भी थोड़े-थोड़े अंतराल पर बढ़ जा रही हैं। कहा जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते तेल आपूर्ति में रुकावट आने की वजह से यह स्थिति पैदा हुई है। आरोप लगते हैं कि पांच राज्यों में विधानसभाओं के चुनाव के मद्देनजर सरकार ने करीब तीन महीने ईंधन की कीमतों की समीक्षा रोके रखी। उनमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। यहां तक कि उस दौरान केंद्र ने उत्पाद शुल्क में कटौती कर तेल की कीमत घटाई थी। जबकि उस दौरान भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊपर थीं। तब स्वाभाविक ही पूछा जा रहा था कि अगर सरकार चुनाव के समय तेल की कीमतों पर नियंत्रण कर सकती है, तो बाद में क्यों नहीं। विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद से डीजल और पेट्रोल की कीमतें अब तक थोड़ा-थोड़ा करके सात रुपए से अधिक बढ़ चुकी हैं। इसी तरह प्राकृतिक गैस यानी सीएनजी की कीमतों में दो बार बढ़ोतरी हो चुकी है। महीना भी नहीं हुआ कि सीएनजी की कीमत में एक रुपए तीस पैसे प्रति किलो की बढ़ोतरी हो चुकी है। ईंधन के दाम में बढ़ोतरी की मार सबसे अधिक गरीब, मध्यवर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ती है। घरेलू गैस का सिलेंडर एक हजार रुपए से पार पहुंच गया है। व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत पिछले एक महीने में दो बार बढ़ चुकी है। ताजा बढ़ोतरी ढाई सौ रुपए की हुई है। इसी तरह पाइप के जरिए घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस यानी पीएनजी की कीमत पांच रुपए प्रति घन मीटर बढ़ा दी गई है। खुदरा और थोक महंगाई इस समय अपने शिखर पर है। उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगी हैं, जिसे लेकर आम लोग परेशान हैं। तिस पर तेल और गैस की कीमतें बढ़ने से उन पर अतिरिक्त मार पड़नी शुरू हो गई है। तेल की कीमतें बढ़ने से केवल उन लोगों की जेब पर असर नहीं पड़ता, जो बड़ी गाडियों में चलते हैं, बल्कि दुपहिया, तिपहिया और सार्वजनिक वाहनों से चलने वालों पर भी इसका असर पड़ता है। माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, तो उसकी मार हर वर्ग पर पड़ती है। उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं। पिछले कार्यकाल में केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना को बड़ी उपलब्धि के तौर पर गिनाया। मगर हालत यह है कि पिछले सात सालों में घरेलू गैस की कीमतें करीब ढाई गुना बढ़ चुकी हैं। लोगों को मुफ्त के सिलेंडर तो मिल गए, मगर उनमें गैस भराने के पैसे उनके पास नहीं हैं। अब बहुत सारे लोगों के सामने यह विकल्प भी नहीं बचा है कि पुराने तरीके से रसोई पका सकें। इसी तरह व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत बढ़ने से छोटे स्तर के बहुत सारे कारोबारियों पर मार पड़ी है। खानपान की दुकानें चलाने वालों के सामने संकट है कि अगर वे अपनी वस्तुओं की कीमत बढ़ाते हैं, तो ग्राहक घटने की आशंका रहती है और न बढ़ाएं तो घाटा उठाना पड़ता है। इस समय तेल पर करीब 27 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क वसूला जाता है। अगर सरकार केवल उसमें कटौती कर दे, तो कीमत नियंत्रण में आ जाएगी। मगर उसका ऐसा इरादा दिख नहीं रहा।

# है फैलाना पंख!

फतह अभी है बाकी ।
बढ़ रही है भूख ।।
करना अब उपयोग ।
थोड़ा जो रसूख ।।
है फैलाना पंख ।
उड़ने की अब बारी ।।
कदम है बढ़ाया ।
आगे की तैयारी ।।
दौड़-भाग का खेल ।
लंबा चलने वाला ।।
है हमने अब ठान लिया ।
करने को उजाला ।।
कर ली है प्रतिज्ञा ।
है लाना बदलाव ।।
दवा हम लगाएंगे ।
जो बना है घाव ।।

-कृष्णेन्द्र राय

# शारदा नगरी मैहर वासा, तीन लोक महुं करहीं प्रकाशा

शारदा नगरी मैहर वासा, तीन लोक महुं करहीं प्रकाशा। शारदा सत ना जानहिं कोई, प्रेम भगत जप तप नहिं होई। शारद मध्यप्रदेश महुं राखा, देवि प्रसाद निज अनुभव भाखा।। शारदा चालीसा की ये पंक्तियां अकाट्य सत्य हैं। मां शारदा जो न केवल मैहर नगरी में विराजमान हैं, बल्कि तीनों लोक में उनका प्रकाश पैष्ठला हुआ है। वे जगत जननी, जगत की तारिणी और अपने भक्तों की रक्षा करने वाली करूणामयी, ममतामयी मां हैं। प्रेम और भक्ति की आस श्रद्धालुओं को उन तक खींचकर ले जाती है। शारदा नगरी में जहां कलयुग में आल्हा ने वीर अमरता पाई। वहीं मां के मंदिर के दक्षिण ओर वीरान वीर जंगल में दादा नीलवंष्ठठ जैसे तपस्वी संत ने घोर तपस्या की। जिन्हें गुफा में बैठे देखकर मां सिंहवाहिनी की सवारी शेर भी देखकर चुपचाप लौट जाता था। ऐसे महान तपस्वी संत का सान्निध्य मैहर धाम के प्रधान पुजारी श्री १०८ देवी प्रसाद जी को मिला। स्वामी जी बताते हैं कि एक दिन पूर्व ही दादा नीलवंष्ठठ ने अपनी देह त्यागने की घोषणा कर दी थी और जब उन्हें यह खबर एक साधु ने आकर सुनाई तो वे गुस्से में आग बबूला हो गये और साधु को डांट डपटकर भगाया। लेकिन दूसरे दिन ही उन्हें खबर मिली कि दादा नीलकण्ठ ने देह त्याग दी है। तब उन्हें बहुत अफसोस हुआ। स्वामी जी बताते हैं कि उन्होंने अपने हाथ से दादा जी को समाधि दी। मैहर के राजा से नाराज होने के बाद आज से २० वर्ष पूर्व वहां उन्होंने कोहिला गांव में एक भव्य राधा कृष्ण का मंदिर बनवाया और वहीं पर उन्होंने समाधि ली। दादा नीलकण्ठ मैहर नगरी में अपनी पुरानी कुटी छोड़कर नागौद रामपुर चले गये थे।

ऐसे तपस्वी संत की तपोस्थली मैहर धाम में विराजी शारदा माई की महिमा निराली है। उन्हीं की महिमा से एक से एक तपस्वी त्यागी और सिद्ध पुरूषों ने मैहर में अपना जगत प्रकाश अलौकिक किया। शारदेय नवरात्र हो वासंतेय नवरात्र या फिर हों आम दिन। हजारों-हजारों श्रद्धालु मैहर वाली शारदा माता के दर्शन करने जाते हैं। लेकिन जब बात नवरात्र की हो तो यहां मातारानी का जलवा ही कुछ खास रहता

है। देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु भागे-भागे चले आते हैं। पूरे नौ दिन तक मैहर में पैर रखने की जगह नहीं होती है।

शारदा भक्त पंडित मुन्ना तिवारी, पंडित राहुल तिवारी जो स्वामी देवी प्रसाद जी के भी अनन्य भक्त हैं, ने बताया कि लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन मां भगवती शारदा मैया के दर्शन करने और प्रधान पुजारी श्री १०८ शारदा पीठाधीश्वर महाराज देवी प्रसाद जी से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचते हैं। नवरात्र की प्रथम दिन से ही मैहर मेला की रौनक बढ़ जाती है। यहां आने जाने के लिये ट्रेनों में ठसाठस यात्री भरे हुये होते हैं। रेल्वे प्रशासन द्वारा कई स्पेशल ट्रेने भी चलाई जाती हैं, इसके बावजूद तमाम साधन कम पड़ जाते हैं। बहुत से ऐसे श्रद्धालु हैं, जिन्होंने मैहर जाने के लिये महीनों पहले रेल्वे की टिकिट और मैहर की होटलें अपने नाम एडवांस बुविंष्ठग करा ली है। यहां की होटलें और धर्मशालाएं और बाजार पूरे नौ दिनों तक शवाब पर चलता है। अभी से लोगों ने होटलों में ठहरने के लिये कमरे बुक करा लिये हैं।

ऐसा ही एक अवसर गुरू पूर्णिमा के दिन भी आता है, जब मैहर धाम के प्रमुख पुजारी पंडित देवी प्रसाद जी महाराज के अनन्य शिष्य और भक्तगण गुरू पूर्णिमा पर मैहर में एकत्रित होते हैं। गुरूजी की भी महिमा निराली है। इतने ऊंचे धाम और इतनी ख्यातिलब्ध तीर्थ स्थल में बैठे गुरूजी को सिवा मैया की भक्ति के और कुछ रास नहीं आता। हर आने-जाने वाले भक्तों को वे माई-माई बोलकर आशीर्वाद देते हैं और जिस पर मन ही मन प्रसन्न हो जाएं, समझ लो उस पर साक्षात शारदा माई की कृपा हो जाती है। पुजारी जी को किसी भी चढ़ावे, प्रसाद, दक्षिणा से कोई सरोकार नहीं होता। माई और माई की भक्ति ही उनकी पूंजी और प्रसाद है। जबलपुर निवासी माई के अनन्य भक्त और गुरू जी के अनन्य शिष्य पंडित मुन्ना तिवारी, राहुल तिवारी व सुनील साहू, राजेश शर्मा, वर्षा तिवारी, बबलू कोष्टा, पूनम तिवारी बताते हैं कि गुरूजी पूरी तन्मयता के साथ भक्तिभाव में विभोर होकर शारदा माई की पूजा और आरती करते हैं। बारहों महीने उनका एक सा नियम है। नवरात्र में तो महाराज जी उस गुफा में निवास करते हैं, जिसे माई का गर्भगृह कहा जाता है। रात के एकांत में इतनी ऊंचाई पर जहां आज भी आल्हा ऊदल और शेर व अन्य खतरनाक जीव-जंतु माई का पेष्ठरा लगाने आते हैं, उनके बीच महाराज जी बिल्कुल विचलित नहीं होते। लेकिन महाराज जी इन बातों का जिक्र कभी किसी से नहीं किया करते। जिन लोगों ने अपनी आंखों से देखा, उन लोगों ने इसे किसी आश्चर्य से कम नहीं समझा। जिस तरह माई शारदा अपने भक्तों पर कृपा बरसाती हैं, ठीक उसी तरह गुरूजी भी माई की छत्रछाया में भक्ति में लीन रहा करते हैं।

मैहर शारदा पीठाधीश्वर श्री १०८ स्वामी प्रसाद जी की लीला भी निराली है। सर्वधर्म समभाव के पोषक कहे जाने वाले स्वामी के पास जात पात और धर्म सम्प्रदाय का कोई भेदभाव नहीं होता। वे सभी को एक समान दृष्टि से देखते हैं। सभी धर्मों के लोग उन्हें अपना गुरू भी मानते हैं। मुझे स्मरण आ रहा है कि इंडिया में स्वामी जी के सर्वाधिक भक्त उत्तर प्रदेश में निवास करते हैं। सादगी, सहजता और सरलता के साथ धर्म ध्वजा पैष्ठलाने वाले स्वामी निश्चित तौर पर मिलने और दूर से ही प्रणाम करने वालों को खुले दिल से आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जिस तरह माई शारदा सभी को अपने बच्चों की तरह प्यार दुलार और आशीर्वाद प्रदान करती हैं, ठीक उसी प्रकार गुरू भी अपने शिष्यों के कल्याण के लिये रात दिन माई से प्रार्थना करते रहते हैं।

# वह करें तो तुष्टीकरण और यह करें तो सद्भाव ?

भारतीय जनता पार्टी के लोग हमेशा ही पिछली गैर भाजपाई सरकारों पर अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिमों का तुष्टीकरण करने का आरोप लगाते रहे हैं। और इसी दुष्प्रचार की बदौलत देश के बहुसंख्य हिन्दू समाज को अपने पक्ष में गोलबंद करने का काम भाजपा दशकों से करती रही है। मिसाल के तौर यदि यू पी ए सरकार के दौर में हज पर जाने वाले यात्रियों को सब्सिडी दी जाती थी तो उसे यह तुष्टिकरण बताते थे। कोई राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री यदि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की अजमेर शरीफ स्थित दरगाह अथवा किसी अन्य पीर फकीर की दरगाह पर सद्भावना के तहत अपनी ओर से मजार पर चढ़ाने के लिये चादर भेजता था तो वह भी इनकी 'परिभाषा ' के अनुसार तुष्टीकरण था। मदरसों को प्रोत्साहित करने हेतु बनने वाली योजनाएं 'तुष्टीकरण' यहाँ तक कि रमजान के दिनों में यदि कहीं राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री या कोई मंत्री रोजा इफ़्तार का आयोजन करता था तो उसे भी 'तुष्टीकरण ' ही बताया जाता था। यह और बात है कि इसी 'तथाकथित तुष्टीकरण काल ' के दौरान ही जस्टिस राजेंद्र सच्चर की अल्पसंख्यकों की स्थिति के बारे में आई रिपोर्ट भारतीय मुसलमानों की आर्थिक,सामाजिक व शैक्षिक स्थिति का जो खुलासा करती है वह मुस्लिम 'तुष्टीकरण ' जैसे आरोपों से बिलकुल विपरीत थी।

बहरहाल 'तुष्टीकरण' के आरोपों की इसी नाव पर सवार होकर भाजपा ने 2014 में केंद्र की सत्ता संभाली। बहुसंख्यकवाद की राजनीति कर देश के बहुसंख्यक हिन्दुओं को यह जताने का प्रयास किया कि मोदी सरकार हिन्दू हितों का सम्मान व ध्यान रखने वाली एक ऐसी सरकार है जिसमें अब 'मुस्लिम तुष्टीकरण ' की कोई गुंजाइश नहीं है। केंद्र की मोदी सरकार का ऐसा ही एक निर्णय था जनवरी 2018 में मुसलमानों को हज यात्रा के लिए दी जाने वाली सब्सिडी खत्म करने का फैसला लिया जाना। हालांकि सरकार द्वारा हज के अतिरिक्त दूसरी धार्मिक यात्राओं जैसे कैलाश मानसरोवर व ननकाना साहिब गुरुद्वारा की यात्रा के लिए भी सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती रही है। जबकि मुसलमानों की ओर से किसी भी नेता,दल अथवा संगठन ने हज यात्रा के लिये सब्सिडी दिये जाने की मांग कभी नहीं की। बल्कि ठीक इसके विपरीत मुसलमानों का एक बड़ा तबका, अनेक मुस्लिम धार्मिक संस्थाएं तथा मुस्लिम हितों की बात करने वाले असदुद्दीन ओवैसी जैसे सांसद भी हज सब्सिडी को खत्म करने की मांग करते रहे। इन्हीं हालात में साल 2012 में ही सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र को वर्ष 2022 तक चरणबद्ध तरीके से हज सब्सिडी खत्म करने का निर्देश भी दिया था। परन्तु मोदी सरकार ने 2018 में ही हज सब्सिडी समाप्त कर इसे मुस्लिम अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण समाप्त करने के अपने एजेंडे के रूप में दशार्या। उस समय सरकार की ओर से यह भी बताया गया कि हज सब्सिडी समाप्त करने के सरकार के फैसले से 700 करोड़ रुपये बचेंगे और ये पैसे अल्पसंख्यकों की शिक्षा विशेषकर मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर खर्च किये जायेंगे।

इसी तरह देश में रमजान महीने में नेताओं द्वारा इफ़्तार पार्टी दिये जाने की काफी पुरानी परंपरा है। देश में हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई भाईचारे तहत यह सिलसिला प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बंटवारे के कुछ समय बाद ही शुरू किया था। उस समय कांग्रेस के तत्कालीन पार्टी कार्यालय 7 जंतर मंतर पर पंडित नेहरू इफ़्तार पार्टी दिया करते थे। हालांकि 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद इफ़्तार पार्टी का यह सिलसिला कुछ वर्षों तक थम गया था । परन्तु 1971 के भारत-पाकिस्तान-बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान की ऐतिहासिक पराजय के पश्चात तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1972 में दिल्ली में एक बहुत बड़ा ईद मिलन समारोह आयोजित किया था। इसमें जयप्रकाश नारायण सहित पूरे देश के पक्ष विपक्ष के अनेक बड़े नेता व राजदूत शरीक हुए थे। इंदिरा गाँधी के शासनकाल में इफ़्तार पार्टी ही नहीं बल्कि होली-दीवाली मिलन, गुरु पर्व मिलन, क्रिसमस मिलन भी आयोजित होता रहा। देश में साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने गरज से पूरे राष्ट्रपति भवन व प्रधानमंत्री निवास से लेकर देश के अनेक केंद्रीय मंत्री,मुख्यमंत्री के आवास व अनेक पार्टी मुख्यालयों पर इफ़्तार पार्टियां हुआ करती थीं। परन्तु 25 जुलाई, 2017 को जब रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली उसी समय उन्होंने यह निर्णय लिया कि -'राष्ट्रपति भवन एक सार्वजनिक इमारत है, यहां सरकार या कर दाताओं के पैसों से किसी भी धार्मिक त्योहार का आयोजन नहीं होगा। और राष्ट्रपति के इस फैसले के साथ ही राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता के बाद से चली आ रही इफ़्तार पार्टी की परंपरा समाप्त हो गयी।

# वाराणसी में कश्मीरी हिन्दुओं पर हुए अत्याचार दशार्नेवाली फॅक्ट प्रदर्शनी का आयोजन !

प्रखर वाराणसी। वर्ष 1990 में स्वतंत्र भारत में ही पाकिस्तान पुरस्कृत जिहादी आतंकवादियों द्वारा सहस्त्रों हिन्दुओं की हत्या की गई, सहस्त्रों महिलाओं पर बलात्कार किए गए । इस घटना को अब 32 वर्ष हो रहे हैं परंतु विस्थापित हिन्दुओं का अभीतक पुनर्वसन नहीं हुआ है और वे न्याय से वंचित हैं । 19 जनवरी 1990 के दिन उपेक्षित कश्मीरी हिन्दुओं के नरसंहार की भीषण वास्तविकता दशार्ने के लिए यहां के कचहरी परिसर में दी बनारस बार एसोसिएशन सभागृह में कश्मीरी हिन्दुओं पर हुए अत्याचार दशार्नेवाली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । इस प्रदर्शनी का लाभ सैकडों अधिवक्ताओं ने उठाया।

**कश्मीरी हिन्दुओं के सुरक्षित पुनर्वसन करने के लिए कश्मीर में स्वतंत्र रूप से पनून कश्मीर नाम से स्वतंत्र प्रदेश निर्माण करें ! - हिन्दू जनजागृति समिति**

प्रदर्शनी का उद्घाटन दी बनारस बार एसोसिएशन के महामंत्री अधिवक्ता रत्नेश्वर कुमार पांडे जी के हाथों किया गया । इस समय कश्मीरी हिन्दुओं के सुरक्षित पुनर्वसन करने की दृष्टि से एक ज्ञापन पर व्यापक हस्ताक्षर अभियान भी किया गया । इस ज्ञापन के माध्यम से निम्न मांगे की गयी :

१. कश्मीरी हिन्दुओं पर हुए अत्याचार वंशसंहार के अंतर्गत आने चाहिए ।

२. कश्मीरी हिन्दुओं के सुरक्षित पुनर्वसन करने के लिए कश्मीर में स्वतंत्र रूप से पनून कश्मीर नाम से स्वतंत्र प्रदेश निर्माण करें, तथा उसे केंद्रशासित प्रदेश के रूप में केंद्र सरकार मान्यता दें ।

३. कश्मीरी हिन्दुओं पर अनगिनत अत्याचार करनेवालों पर अपराध प्रविष्ट कर उनपर कानूनी कार्यवाही करने के लिए न्यायिक पंच की नियुक्ति की जाए ।

४. कश्मीरी हिन्दुओं की पुनर्वसन योजना भी कालबद्ध समयसीमा रखकर चलाई जाए, इसहेतु विशेष विभाग की स्थापना कर उस विभाग को इस संदर्भ में सभी निर्णय लेने के अधिकार दिए जाए ।

५. पिछले अनेक वर्ष यह हिन्दू पलायन स्थिति में रहने से यहां के हिन्दू युवकों को स्थायी रूप से रोजगार अथवा शासकीय नौकरी उपलब्ध करवाएं ।

# सिंचाई के संसाधनों में नहरों की बड़ी भूमिका आज भी सिंचाई के सबसे अच्छे साधनों में शुमार

प्रखर गाजीपुर। फसलों की सिंचाई के संसाधनों में नहरों से सिंचाई को सबसे अच्छा साधन माना गया है। नहरों का पानी भूमि से नहीं लिया जाता, बल्कि वर्षा के पानी को बांध बनाकर रोका जाता है और फसली सीजन में आवश्यकतानुसार बांध से पानी छोड़कर नहरों के माध्यम से किसानों के खेतों तक पहुंचाया जाता है। नहर प्रणाली से कई लाभ होते हैं। नहरों के पानी से धरती में वाटर रिचार्ज होता रहता है। पशु-पक्षियों, वन्य जीवों को पीने का पानी मिलता रहता है। नहरों के किनारे वृक्षारोपण कर वनाच्छादन बढ़ाया जाता है। मछली व अन्य जलीय जीवों की संख्या में वृद्धि होती है। तालाब, पोखरों में पानी भरा जाता है। किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलता है। इसीलिए विभिन्न लाभों को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने नहरों के सुधार, निर्माण सहित वांछित जल भण्डारण हेतु बांधों के निर्माण पर विशेष बल दिया है। उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड व पठारी क्षेत्र सिंचाई साधनों के परम्परागत तरीके वर्षा, तालाब, कुओं के जल पर ही निर्भर रहा। इससे वर्षा कम होने पर किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलता था। किसान ज्यादातर कम पानी वाली मोटे अनाज तिलहन, दलहन की फसलें ही उगाते थे। देश का बाणसागर बांध मध्य प्रदेश राज्य के शहडोल जिले के देवलोंद नामक स्थान पर निर्मित अन्तर्राज्यीय बहुउद्देशीय वृहद नदी घाटी परियोजना है। यह बांध मध्य प्रदेश के सोन नदी पर बनाया गया है। इस बांध से उत्तर प्रदेश को सिंचाई के लिए नहर के माध्यम से पानी मिलना था। बाणसागर नहर परियोजना उत्तर प्रदेश में वर्ष 1989-90 में प्रारम्भ हुई। प्रदेश की पठारी क्षेत्र में बनाई जा रही यह नहर परियोजना काफी मुश्किल भरा रहा, क्योंकि पत्थरों व मिट्टी को काटकर नहर बनाना एक चुनौती भरा कार्य रहा। बाणसागर नहर परियोजना जंगलों/वन क्षेत्र से होकर गुजरती है। इसलिए वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार से अनुमोदन प्राप्त करना भी जरूरी था। वन क्षेत्र से नहर निकलने के लिए जब समय से अनापत्ति/अनुमोदन वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से प्राप्त नहीं हुआ तो वर्ष 2002 में नहर निर्माण का कार्य रूक गया।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की लम्बित परियोजनाओं का परीक्षण कराते हुए उत्तर प्रदेश की बाणसागर नहर परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में सम्मिलित किया। भारत सरकार ने 2014 में सिंचाई परियोजना के अनुमोदन/स्वीकृति के लिए वन एवं पर्यावरण नीति में आवश्यक संशोधन करते हुए अक्टूबर 2014 में स्वीकृति प्रदान कर दी। इसके बाद नहर निर्माण कार्य तेजी से शुरू हुआ। विन्ध्य रेंज एवं प्रयागराज के असिंचित क्षेत्रों के किसानों के फसलोत्पादन के लिए किसानों के हितैषी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बाणसागर नहर परियोजना को शीघ्र पूर्ण करने के लिए सिंचाई विभाग के दायित्व में तेजी लाई। सिंचाई विभाग के इंजीनियरों ने दिन-रात मेहनत कर 3420.24 करोड़ रू0 की वास्तविक लागत के इस परियोजना को वर्ष 2018 में पूर्ण कर दिया। नहर परियोजना पूर्ण होने पर भारत के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जुलाई, 2018 को बाणसागर नहर परियोजना का लोकार्पण कर किसानों की सदियों की इच्छा पूर्ण करते हुए उन्हें सिंचाई की सौगात दी।

वर्षों से लम्बित किसानों के कल्याण एवं राष्ट्र के विकास में सहभागी बाणसागर नहर परियोजना को पूर्ण कराने का जो साहस व दृढ़ता पूर्व की किसी सरकार ने नहीं दिखाया, वह प्रदेश के किसानों के हितैषी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कर दिखाया। बाणसागर नहर परियोजना के पूर्ण होने पर जनपद मिजार्पुर के 75309 हेक्टेयर भूमि के किसानों को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा मिली। उसी तरह जनपद प्रयागराज के 74823 हेक्टेयर भूमि में किसानों को फसलोत्पादन हेतु सिंचाई की सुविधा मिली है। इस तरह कुल 150132 हेक्टेयर भूमि के किसानों को अतिरिक्त सिंचाई की व्यवस्था प्रदेश सरकार ने किया है। उत्तर प्रदेश के यह ऐसे क्षेत्र हैं, जहां अक्सर वर्षा की अनिश्चितता रहने के कारण पीने के पानी व सूखे की समस्या आती रहती थी। किन्तु अब हर स्थिति से निपटने के लिए यह परियोजना सक्षम हो गई है। इस क्षेत्र के किसानों और जनता में उत्साह और उमंग जागृत हो गई है। अब किसान हर तरह की फसल उगा रहे हैं और उनका जीवन खुशहाल है। बाण सागर नहर परियोजना के पूर्ण हो जाने पर 1.70 लाख से अधिक किसानों को मिली सिंचाई सुविधा से अन्नदाता किसान अब दोगुनी से अधिक फसल उत्पादन कर रहे हैं। राज्य सरकार सिंचाई प्रणालियों को अधिक से अधिक संसाधन उपलब्ध कराकर निरन्तर क्रियाशील कर रही है। इससे प्रदेश की सिंचन क्षमता में बढ़ोत्तरी के साथ फसल उत्पादन बढ़ना स्वाभाविक है। इस प्रकार किसानों की आय बढ़ाने में उत्तर प्रदेश सरकार की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है। पहले उत्पादित फसलों की अपेक्षा अब सिंचाई सुविधा होने से लगभग 5.50 लाख टन से अधिक अतिरिक्त फसल उत्पादन होने का अनुमान है। इससे किसानों की आय में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है और वे राष्ट्र निर्माण में सहभागी बन रहे हैं।

# भक्तों की आस्था माता रमई पाट में

छत्तीसगढ़, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की ननिहाल, जो अतीत में दक्षिण कोसल के नाम से जाना जाता था। यहां भगवान श्रीराम से जुड़ी अनेक घटनाएं घटित हुई है। यह पुण्य धरा भगवान श्रीराम से जुड़ी अनेक घटनाओं का साक्षी रही है। कदम कदम पर बिखरी लोकगाथाओं में रामायण से जुड़े कथानकों का उल्लेख मिल जाता है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के प्रयागराज राजिम से लगभग 25 किमी की दूरी पर सोरिद ग्राम के मुख्य मार्ग से लगभग एक किमी की दूरी पर माता रमईपाट खदर की कुटिया में वास करती हैं जो फिंगेश्वर जमींदारी की आराध्य देवी हैं। फिंगेश्वर में आयोजित होने वाले भव्य शाही दशहरे के दिन फिंगेश्वर के जमींदार माता के पूजन अर्चन के लिए पहुंचते हैं।

माता रमईपाट पर क्षेत्र के लोगों में अगाध श्रद्धा है। मान्यता है कि माता रमईपाट निसंतान दंपति के गोद भरती है। लोग यहां संतान प्राप्ति के लिए माता से मनौती मांगते हैं और पूर्ण होने पर लोहे की सांकल चढ़ाते हैं। लोगों की मनौती और उसके फलित होने के साक्ष्य के रुप में माता के प्रांगण में एक स्थान पर चढ़ाई गई लोहे की सांकल का अंबार इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। लोक मान्यता है कि अयोध्या त्यागने के बाद माता सीता ने सर्वप्रथम यहीं आश्रय लिया। भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी के साथ यहां माता सीता की गर्भवती स्वरूप वाली प्राचीन मूर्ति स्थापित हैं। ऐसी अद्भुत प्रतिमा कहीं और प्राप्त नहीं हुई है।

### प्राकृतिक जल कुंड

इस स्थान पर आम वृक्ष के जड़ के पास से निरंतर जल प्रवाहित होते रहता है। कहते हैं जब माता सीता यहां पहुंची, तब प्यास से व्याकुल हो गई तो उन्होंने माता गंगा को पुकारा। तब माता गंगा यहां प्रकट हुईं। मान्यता है कि तब से प्राकृतिक जल यहां प्रवाहित हो रहा है। यहां का नैसर्गिक सौंदर्य और भगवान श्रीराम और रामायण से जुड़ी कहानियां मन को तृप्त कर देती है।श्रद्धालुओं द्वारा यहां भोजन शाला निर्माण भी किया गया है, जहां नवरात्रि के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया जाता है। नवरात्रि के अतिरिक्त यहां चैत्र पूर्णिमा के दिन भी भक्तों की भीड़ उमड़ती है और मेला लगता है।

### अन्य मूर्तियां

यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य और प्राचीन मूर्तियों से भरपूर है। यहां कालभैरव, नरसिंहनाथ, विष्णुजी, बरमपाट, गरुड़ देव की प्राचीन मूर्तियां स्थापित है। यहां हनुमान जी की विराजित एक अद्भुत प्रतिमा के भी दर्शन होते हैं, जिसने एक पैर में अहिरावण को दबा रखा है। कहते हैं जब भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी को अहिरावण मूर्छित करके पाताल लोक में बलि देने के लिए ले गए थे, तब हनुमानजी ने अहिरावण की कैद से श्रीराम जी और लक्ष्मण को छुड़ाया था। यहां स्थापित कुछ प्राचीन मूर्तियां खंडित हैं। यहां अनेक मंदिर श्रद्धालुओं द्वारा निर्मित किए गए हैं, जिसमें माता गंगा, शिवजी, लक्ष्मीनारायण, श्रीराम-जानकी, हनुमान मंदिर और दुर्गा माता के मंदिर प्रमुख हैं।

## पुस्तक समीक्षा

कृति का नाम-मल्हारगढ़ की कहानी भाग-2
कृतिकार-राजेश पांडेय
प्रकाशक-नगर पंचायत बिलासपुर
समीक्षक-डा. मुक्ति बैस
मूल्य तीन सौ रूपए

व्यक्ति का जीवन तभी सफल माना जाता है जब वह अपने माता पिता घर परिवार के लोगों के साथ जहां वह रहा है उस माटी की कीमत को पहचाने और उसे आत्मसात करे। ऐसे कार्यों को महत्व देने वाले व्यक्ति ही अपने जीवन को सफल कर पाते हैं। ऐसे ही कार्यों में संलग्न हैं राजेश पांडे। आपने अपने निवास क्षेत्र मल्हार में रहकर इस स्थान की उपलब्धियों को धरोहर के रूप में संरक्षित करने के प्रयास में लगे रहते हैं। इसी कड़ी का परिणाम है कृति-मल्हारगढ़ की कहानी भाग-2। इस कृति में आपने तांत्रिक धरा मल्हारगढ़, मल्हारगढ़ की दुर्लभ प्रतिमाएं,चार धाम यात्रा, विभिन्न प्राचीन मूर्तियां, मल्हारगढ़ की प्रथम 120 जानकारियां, मल्हारगढ़ का परिचय के अलावा यहां के उल्लेखनीय और दर्शनीय स्थलों में सहस्त्र शिवलिंग, विष्णु प्रतिमा, नंदमहल, कनकन कुआं, भगवान कुरू भाठ, ठाकुर देव, सिद्धबाबा, बूढ़ा देव, देऊर मंदिर, परघनिया बाबा की जानकारियां, मल्हार वासिनी मां डिडिनेश्वरी देवी की महिमा और यहां मूर्ति चोरी होने के बाद मिली ख्याति को विस्तार से बताया है। पाठक इस पुस्तक को पढ़कर मल्हार और उसके आसपास की पुरातात्विक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं।

# प्रकृति से जुड़े कार्यों को महत्व देते हैं खड़िया जाति

खड़िया जनजाति के लोग छत्तीसगढ़ में रायगढ़, फरसाबहार, जशपुर और महासमुन्द जिले में निवास करते हैं। इस जाति के लोग घने जंगलों एवं नदियों की घाटी के समतल भूभाग में रहना पसंद करते हैं, जीविकोपार्जन के लिए कोदो, खेड़ी, उड़द, मड़िया, व धान की फसल बोते हैं, इसके साथ ही जंगली कन्द-मूल, फल-फूल, लासा संग्रहण करते हैं। यह जनजातियां मिट्टी खोदाई की कला में दक्ष होने के साथ ही, शिकार करने तथा बिल के अंदर रहने वाले प्राणियों का शिकार करने में माहिर होते हैं, इसलिए इन्हें मटकोडवा नाम से भी जाना जाता है।

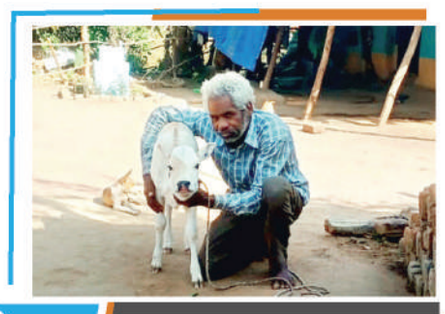

छत्तीसगढ़ में जनगणना के अनुसार खड़िया जनजातियों की संख्या लगभग पचास हजार के आसपास है। रायगढ़, फरसाबहार, जशपुर के बाद महासमुन्द जिले में इनकी आबादी अधिक है। बागबाहरा के जंगल क्षेत्र व बसना विकास खण्ड में भी इनकी बसाहट है। खड़िया जाति के लोग घने जंगलों एवं नदियों की घाटी के समतल भूभाग में रहना पसंद करते हैं, जीविकोपार्जन के लिए कोदो, खेड़ी, उड़द, मड़िया, व धान की फसल बोते हैं, इसके साथ ही जंगली कन्द-मूल, फल-फूल, लासा संग्रहण करते हैं। किंतु अब आधुनिकता के चलते इनकी खेती बाड़ी करने के तरीके भी बदल रहे हैं। इनके जीवन में मिट्टी का बड़ा महत्व है। यह जनजातियां मिट्टी खोदाई की कला में दक्ष होने के साथ ही, शिकार करने तथा बिल के अंदर रहने वाले प्राणियों का शिकार करने में माहिर होते हैं, इसलिए इन्हें मटकोडवा नाम से भी जाना जाता है। इनके समुदाय में जल, जंगल और जमीन को देवता माना जाता है, पेड़ पौधे व वन्य प्राणियों की देव रूप में पूजा करते हैं। खड़िया जाति की जीवनशैली अन्य जनजातियों से भिन्न होती हैं। तीन प्रकार के खड़िया जातियों में पहला सबर खड़िया या पहाड़ी खड़िया जाति जंगल झाड़ी में घूमते फिरते अपना जीवन बसर करते हैं। दूसरा डेलकी या ढेलकी खड़िया जाति खेती किसानी कर जीवन निर्वाह करते है। तीसरे समूह को दूध खड़िया नाम से जाना जाता है।

### तीज-त्योहार

**खड़िया जनजाति का प्रमुख त्योहार** सरहुल जिसे जंकोर भी कहा जाता है, दिमतड़ पूजा या गौशाला कोठा पूजा, बीड़ या धान बनी याने धान बोआई, बंधाई, पूजमन, माघे परब, माघ महीने में मनाया जाने वाला पर्व है, इसे झंडा पूजा भी कहते हैं, इस त्योहार को साल फूल गिरने से पहले मनाया जाता है। त्योहार में कृषि कार्य करने वाले कमिहा की सेवा और आने वाले वर्ष में और काम करने के न्योता के रूप में मनाया जाता है। अनुबंध के पश्चात कामगार के शरीर में तेल लगाकर महुआ रस व विविध भोजन भर पेट खिलाकर किसानी के औजार नागर, रापा, कुदारी, बसूला, बींधना झउहा, भेंट देकर किसानी का सांगा (जिम्मेदारी) दी जाती है। हर वर्ष चैत्र माह की तीज को चांद दर्शन के बाद पूर्णिमा तक अपने सहूलियत के हिसाब से मनाया जाता है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में कम से कम पांच साल के पेड़ में धरती माता का स्मरण करते हुए तीन दिन पूजा के पश्चात चौथे दिन सरहुल याने साल के फूल अर्पित कर रबी फसल की उपज से प्राप्त अन्न का प्रसाद चढ़ाया कर सामूहिक भोज करते हैं, जिन्हें नवा पानी या नवाखाई या जेओ डेमा कहा जाता है जो इनका बड़ा त्योहार होता है।

### धार्मिक मान्यताएं

खड़िया अपनी पहचान गोत्रों जैसे सामाट, साईरन, मुडु, हसड़ा, चरहट, बांगे, तोपनों, मोइली, बरलिहा से करते हैं। खड़िया जनजाति का जन जीवन सरल तथा प्रकृति से जुड़े होते हैं। सूर्य और चांद की पूजा करते हैं, सूर्य की शक्ति को पोनो मोसोर कहा जाता है, चांद को सूर्य की पत्नी बेडोडय के रूप में पूजा जाता है। यह जाति कर्म फल पर विश्वास नहीं करते अपितु पुर्नजन्म पर विश्वास करते हैं। मान्यता है कि दूसरे जन्म में भी उसी घर में जन्म लेकर अपने पूर्वजों का कर्ज अदा करेंगे। यह मानते हैं कि मनुष्य के अंदर दो शक्ति प्राण और छाया है। प्राण अर्थात जेल चइन एवं छाया अर्थात मनुष्य का प्राण जब तक शरीर में है तब तक जिंदा है। प्राण के रहते नाड़ी, सांस चलते रहता है प्राण के छूटते सब मिट्टी हो जाता है।

### संस्कार

खड़िया जातिरीतिरिवाज में क्रय विवाह करते हैं जिसमें माता पिता रूपिया देकर कन्या को बहूके रूप में घर लाते हैं। इस समाज में सब मिलकर मांडणा बना कर उत्सव मनाने की परम्परा है, अपने घर के आंगन में मड़वा बनाकर कोई भी शुभ कार्य करते हैं। पढ़ाई लिखाई के लिए शुभ मुहूर्त में गुरु के प्रतीक नारियल की स्थापना कर दवात कलम, खड़िया पट्टी की पूजा बच्चों से कराकर पढ़ाई प्रारंभ की जाती है। इनके जीवन में चित्रकारी और उनकी विविधता देखते बनती है। अपने घरों की दीवार पर देशी रंग जैसे सेंदुर, हरताल, काला केरवस (कोयला), चाक, गेरू, सफेद व पीली छूही (मिट्टी), पत्ते के रस से चित्रकारी करने में पारंगत होते हैं।

# बोरे बासी

रात भर के बोरे पिसान ले बने बोजर्रा दोसा काबर, कतेक अउ कइसे पुस्टई हो जथे। हमर सियान मन बासी खावत तरगे। उन्कर तीर कभू बड़का बीमारी बेलबेला नइ पाइस। हम परबुधिया रतिहा के बने-बाचे गहू के रोटी ल तको बासी हे कहिके नइ खावन। उही सेति आज के पीढ़ी पुलपुलहा-पिनपिनहा अउ पोंगा कस पगुरहा होगे हे। बीपी, सुगर, डाइबिटिज अउ नइ जाने अइसनेहे कतको बीमारी के फांदा म फंदाए, गोली-गाठा म लदाए जिनगी के बोझा ल हफर-हफर के डोहारत हे।

*बटकी म बासी अउ चुटकी म नून...*
*मैंहा गावथौं ददरिया तैं कान देके सुन रे, चना के दार...*
*चना के दार रानी, चना के दार राजा...*

येला सुनके कतकोन जहुरिया संगवारी मन ह तइहा के बालापन बेरा म लहुटगे होही अउ बटकी के बारा म नून रखे बासी बोजत सुरता के उलानबांटी खेले लगे होही। अभीन के परबुधिया मन बर तइहा के बात ल बइहा लेगे। नान्हे लइका खेलत-कूदत, देखत-सुनत, संगी-संगवारी अउ तीर-तखार के बोली-बतरस अउ रहन -सहन ल अपना-अंगोछ लेथे। मनखे के रहन-सहन, खान-पान, बोली-बतरस अउ पहिरावा-ओढ़ावा ह एक समाज ले दूसर समाज म अइसेने खेलत-कूदत, मेल-मिलाप ले संचरथे। संगत के असर, जादा नहीं ते थोरहे। पढ़त पइत संगी-जहुंरिया एक दूसर ल कुड़कावत कहन- अरे! तैं का जानबे रे बोरे-बासी खवइया। इही नान्हे-नान्हे लइकई गोठ ल लेके कुछ चुचरू-बुचरू सयाणा मन हमार सियान मन ल कुड़काए लगिन। सियान मन सहिथे तेकर लहिथे काहत लहा लिन। हमन परबुधिया भइगेन। होटल म हदर-हदर भजिया धड़के लगेन, अमटहा मैगी म मइन्ता भर मजा उड़ाए लगेन। ये मुड़पेलवा मैगी कोन जनी काके बने रिथे। कब के बने रिथे। सनपना म सकपकाए मुह लुकाए घुसरे रहिथे अउ बड़ा टेस मारथे। फेर आज ले मोला ये समझ नी आइस कि रतिहा के बासी ल गांव अउ गवार के जिनिस कहइया मन बर तीन चार दिन के फुलफुलहा खमीर उठे फफुदियाए बसियाहा ब्रेड (डबलरोटी) कइसे ताजा हो जथे। रात भर के बोरे पिसान ले बने बोजर्रा दोसा काबर, कतेक अउ कइसे पुस्टई हो जथे। हमर सियान मन बासी खावत तरगे। उन्कर तीर कभू बड़का बीमारी बेलबेला नइ पाइस। उन आठो काल बारो महीना बासी खाके सरीदिन टन्नक रिहिन। हम परबुधिया रतिहा के बने-बाचे गहू के रोटी ल तको बासी हे कहिके नइ खावन। उही सेति आज के पीढ़ी पुलपुलहा-पिनपिनहा अउ पोंगा कस पगुरहा होगे हे। थोरके म बहुते काखे लगथे। बीपी, सुगर, डाइबिटिज अउ नइ जाने अइसनेहे कतको बीमारी के फांदा म फंदाए, गोली-गाठा म लदाए जिनगी के बोझा ल हफर-हफर के डोहारत हे।

सही म देखे जाय त मैगी अउ ये किसम-किसम के खई-खजाना अनदेखना, कायर अउ जलनकुकड़ा बेवसाय के कीरहा चाल हरे। जऊन विग्यापन के दुस्टई देखावत, बासी के पुस्टई ल बंचक अउ बस्सावत धंधा

के बांगा म बोर दिस। गंदा होय के मंदा होय, धंधा, धंधा होथे। धंधा के ये उभरौनी म लालची मन दाहरा के भरोसा बाढ़ी खावत देस, दुनिया अउ समाज ल दफोड़त रहिथे। ये भकमुड़वा धंधा ह जयचंद ले कम नई होवय। जब देखथे अपन बढ़वार देखथे। देस, समाज अउ विकास ले येला कोनो मोह, मया अउ मतलब नइ होवय। इतिहास साखी हवय जयचंद मन के सेति ही कतकोन बड़का, हुड़का अउ मुड़का मन पोंगा-पगुरहा लहुटगे। बेरा कतकोन बंचक, पंचक अउ नवटप्पा बनके तप लेवय, सत सरीदिन पोठ अउ ठाहिल रहिथे। ये बात सिध होगे कि जऊन बासी ल गरीब, गंवार अउ घोंचू मन के खाए के जिनिस काहय उही बासी ले बड़का कोनो पोठहा नास्ता नइ हे। आज अमेरिका घलो मानगे, जानगे अउ तान तको गे। हमरो गरब-गुमान तनियागे। सुनके अबड़ खुसी होइस। बब्बा हो! तुहर जय बोलावव, हब्ब, हब्ब। तुहर नाक तो सरीदिन ऊच रिहिसे। नकटा, बैचकहा अउ परबुधिया हम भए रहेन। जऊन तुंहर बनाए रद्दा म चल सकेन न ओकर मान रख सकेन, विकसित, सुजानिक अउ वैग्यानिक कहावत हवन। तुंहर अबोला ग्यान-विग्यान अउ नेंग, नीत-नियम के आगू म हमर टिंगटिंगावत उड़न खटोला तकनीक तोला भर के बरोबर हे। रतिहा के भात, पानी डारके बोरे ले बिहिनिया बासी कहाथे। येला चिटिक नून डारके दही, गोंदली जउ चटनी संग खाए म बड़ मजा आथे। आमा के अथान अउ दही होगे त तो झन पूछ, बासी ह अटारीवासी मनके छप्पन भोग के तको राजकुंवर बन जथे। राजकुंवर तो हे फेर अतेक अप्पत, अटेलिहा अउ अहंकारी तको नइहे कि दही, गोंदली अउ अथान के सैनिक संग नइ रहिही त जिनगी के जंग म जोजवा पर जही। जुच्छा नून संग तको बासी सुवाद अउ सेहत बर सरस मथुरा-कासी हे। बासी म विटामिन 11 अउ 12 के तो नंगते पौ-बारा होथे। टरटर -टरटर ले बासी रटरट -रटरट ले देंह-पांव। एकर खाए ले पाचन क्रिया पोठ होथे अउ अचपचन नाम के बीमारी किरिया खाके दूरिहा जथे। सधारन भात ले 60 प्रतिशत जादा ताकत बासी ले मिलथे। बासी के ताकत के आगू म फल-मेवा मन मुंह ताकत अगल-बगल झांकत बइठे रहि जाथे। बीपी अउ हाइपरटेंसन के टेंसन पेंसन झोंके बर रेंग देथे। बासी खाए ले ओंट नइ फटय अउ शरीर के ठंडक नइ हटय। येमा बिटामिन, कैल्सियम, आयरन अउ पोटेसियम ठोमहा-ठोमहा टोम-टोम ले भराए रिथे। त चलव गुरू! बासी दमोरते हैं।

## कविता

### डूमर के फूल

डूमर-डूमर के फूल
डूमर के रुखवा के, महिमा बखानौं
मंगलकारी अउ सुखकारी
येला मैं हर मानौं। डूमर के...
कहीथे अंजीर अउ डूमर,
गस्ती बर अउ पीपरे
सब एकै जाति के आवै,
फूल बाहिर नजर नई आवै,
फल के भीतर फूल के रचना
देख के अचरज मानौं। डूमर के.....
बर बिहाव में डूमर
डारा के छाले मड़वा
बढ़ई बनाही मंगरोहन
ऊउ बनाई पिढ़वा
शुभ दायक ये डुमर होथे
अनुभव करके जानौं। डूमर के...
कहिथे कोई सन्त सियान,
बताथे बेद अउ पुराण
डूमर में सिद्धि गणेश,
येमा ब्रम्हा, विष्णु, महेश
देवता-धामी के सुमिरन के
प्रतीक हे पहचानौं। डूमर के...
डूमर पाना, फर अउ छाली,
बनथे दवाई दुख हरन वाले,
हृदय रोग अउ सुगर सुधारक
रक्त दोष अउ जहर निवारक
आयुर्वेद में बड़ा हे, दर्जा
पक्का मरम पावौं। डूमर के...

# कोलिहा अउ खुसरा चिरई के बिहाव

सुआसिन मन दमाद बने राहय तउन कोलिहा, पगरइत (कोलिहा के ददा) अउ बराती मन ला अइसन भड़ोनी गीत गा-गा के गारी दीन ते ओकर तीन पुरखा ला पानी पुरो दीन। ओ बिहाव के सुरता आथे ते संगवारी मन संग हांसत-हांसत कठल जाथन। तइहा के बात ला बइहा लेगे। आज के लइका मन तो अइसन खेलकूद, नाटक-लीला, ये सब ला भुलागे। मरगे सब टीवी, इंटरनेट अउ चैनल मन के चक्कर मं। ओकर मन के मति छरियागे। सोचे समझे के सबो शक्ति खतम होगे।

नानपन के बात हे, गली-खोर मं अइसने खेल-खेल मं जब कभू बदरी आ जाय, कभू घाम उजय (उगना) तब बादर कोती मुंह करके हाथ ल लमावत काहन- घाम (धूप) उजा, घाम उजा कोलिहा के बिहाव हो जा, काहत हो-हो, हा-हा चिल्लावन। तब देखन, हमर मन के केहे ले न घाम उवय अउ न कोलिहा के बिहाव होवय। कोलिहा राहय तब ना ओकर बिहाव होवय। तब का करन, झूठ-मूठ के ठट्ठा-मसखरी मं कोनो ला कोलिहा (सियार) अउ कोनो टूरी टानकी राहय तेला कोलहीन बना के पुतरी-पुतरा के जइसे बिहाव होय, तइसने बिहाव करन। अब बिहाव मं तो घराती अउ बराती होथे। ढेड़हा अउ ढेड़हीन होथे। पूरा सवांगा करे ले परथे। लुगरा, पोलखा, बहू बर जेवर, दमाद बर सबो सवांगा करे ले परथे। झांपी, पर्री, बिजना, मउर अउ दुनिया भर के जोखा करत ले घर के आड़ी पूंजी बेचा जथे। ये तो सगा-पहुना कस खेल-खेल मं लइकापन अलवा-जलवा मं कोलिहा के बिहाव के जोखा करेन। ओ समे सिरतोन म कहूं सहिच के बिहाव करे रहितेन, तब झन पूछ, कतेक खरचा लगे रहितिस। फेर निपटायेन ओ समे कोलिहा के बिहाव ला। बहुत नाचेन-कूदेन, गायेन। सुआसिन मन दमाद बने राहय तउन कोलिहा, पगरइत (कोलिहा के ददा) अउ बराती मन ला अइसन भड़ोनी गीत गा-गा के गारी दीन ते ओकर तीन पुरखा ला पानी पुरो दीन। ओ बिहाव के सुरता आथे ते संगवारी मन संग हांसत-हांसत कठल जाथन। तइहा के बात ला बइहा लेगे। आज के लइका मन तो अइसन खेलकूद, नाटक-लीला, ये सब ला भुलागे। मरगे सब टीवी, इंटरनेट अउ चैनल मन के चक्कर मं। ओकर मन के मति छरियागे। सोचे समझे के सबो शक्ति खतम होगे।

फेर सियान मन ओ समे गोठियावय, बतावय के वाजिब मं कोलिहा के बिहाव होथे, ओमन ओकर मन के बिहाव के

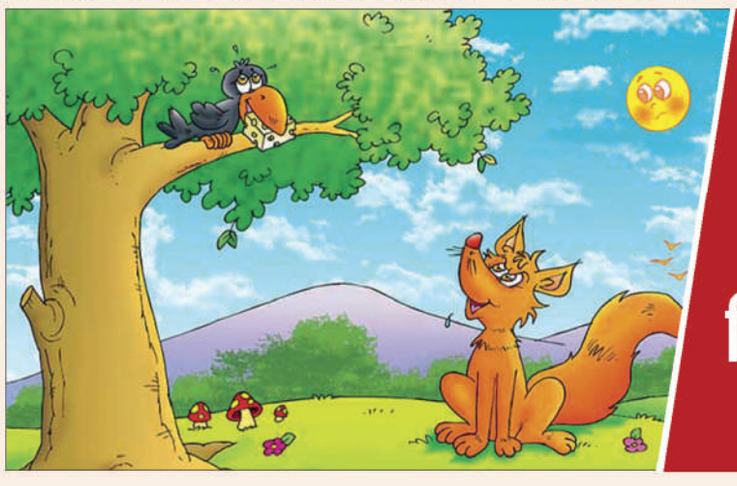

लाड़, बरा घला खाय हें। ये बात थोकन अलकरहा लगथे, मन गवाही नइ देवय के ये मन ओकर मन बिहाव के लाड़ बरा खाय होही। फेर सियान मनखे हे भई, लबारी तो नइ मारही, इही सोच के विश्वास कर लन। ओमन भरोसा के लइक अइसन कई ठन सबूत अउ उदाहरन देइन, तब भरोसा करे ले परिस। एक बखत के बात हे, पढ़त रेहेन तउन समे इसकूल मं एक पशु-पक्छी के परेमी आय रिहिस। ओहर ओकर मन के बोली-भाखा, रहन-सहन, आचार-विचार अउ बेवहार के गियाता (विशेषज्ञ) रिहिसे। ओहर कतको जानवर अउ पक्छी के बोली-भाखा ला बोल के देखइस। सब बक खागेन, अचरज लगिस। उकरे मेर ले सुने रेहेन खुसरा चिरई अउ कोलिहा के बिहाव के बारे मं। ओहर बतइस- ओकर बोली-भाखा मं बात करे के जरिये कोलिहा के बिहाव मं शामिल होय के मौका मिले रिहिसे।

ओहर बतइस- जइसे मनखे मन के बेटी-बेटा के बिहाव जउन रसम-रीति ले होथे वइसने उहू मन करथे। उहू मन सबो जोखा, सवांगा के तइयारी अपन हिसाब ले कइसे, कहां ले, कोन ढंग ले करथे, उकरो समझ मं नइ अइस, फेर करथे जरूर। नाचथे, कूदथे, गाथे, मटकथे, समधिन मन ला आंखी घला मारथे, टोनकथे, कोचकथे। मैं तो ये सब देख के अचरज खागेंव रे भई। बहुत सुंदर ढंग ले बिहाव होथे, सगा, बराती मन के सुवागत सत्कार करथे। खान-पान, लाड़ू, बरा के घला बेवस्था करथे। महूं ला खाय के मउका मिले हे। सिरिफ भासा अउ बेवहार भर के अंतर हे। जानवर ला, जानवर मत समझव, ओला परेम, बेवहार देवत वइसने बेवहार उकरो कोती ले मिलथे। सब बोली के भूखे हे, पियार के भूखे हे। भगवान ए संसार मं मनुज ला उबजारे हे तब अउ दूसर पशु-पक्छी अउ जीव-जुन्तु ला जनम दे हे। ककरो संग कोनो भेदभाव नइ करे हे। फेर जतका भेद करे हे अउ करथे मनखेच हर करथे। ककरो हिंसा मत करव, दुख झन दव, आपस मं एक-दूसर संग मिल-जुल के राहौ, पियार से राहौ, इही तो सब ले बड़े धरम हे। फेर का अइसन देखे ले मिलथे। काकर मन मं, नीयत मं खोट हे, कपट हे, एला समझे ले परही, आत्मनिरीक्षण करे ले परही। सब पता चल जही। इसकूल मं अपन परदशन देखाय के बाद गुरुजी मन ओ पशु-पक्षी परेमी के सुवागत करिन अउ भेंट स्वरूप कुछ राशि अउ प्रमाण-पत्र दीन। उही दिन गांव मं बाजार रिहिस हे तिहां ओहर वइसने अपन कला के परदशन करिस अउ पशु-पक्छी के बोली-भाखा, आचार-बिहचार, बेवहार अउ समाजिक रहन-सहन, बर-बिहाव के बारे मं बताइस। ओला देखे-सुने बर कटा-कट मनखे जुरियागे रिहिन। सब खुश होगे, ओकर ऊपर अउ जेकर ले जतका बनिस भेंट दीन। अउ किहिन- मोरो गांव आबे, मोरो गांव आबे।

# मसला खाली औरतों की शादी का

**गये** हफ्ते महाराष्ट्र के क्षेत्रीय दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद फौजिया खान ने लड़कियों की शादी की उम्र 21 किये जाने के विरोध में राज्यसभा में बोला। खान ने कहा, 21 साल की कम लड़कियां इसलिए शादी करना चाहती हैं, क्योंकि उनके पास कोई काम नहीं है। प्रश्नकाल में फौजिया ने सवाल किया कि जब किसी गांव में माता-पिता से बाल विवाह के मुद्दे पर चर्चा की जाती है तो वे कहते हैं कि अपनी बच्ची को 18 या 21 से होने तक अविवाहित नहीं रखना चाहते। वे कम उम्र की लड़की ब्याहने को खुद राजी होते हैं। सांसद ने कहा, यह कैसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि लड़कियों को किसी उत्पादक कार्य में व्यस्त रखा जाए, जैसे कौशल विकास, शिक्षा या और कुछ में...। लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 करने के लिए सरकार कानून बना रही है। अभी लड़कों की शादी की उम्र 21 है। यह कानून सभी वर्गों व धर्मों की लड़कियों के लिए समान होगा। अभी सबसे ज्यादा 21 वर्ष से कम उम्र की लड़कियां पश्चिम बंगाल में ब्याही जाती हैं। उसके बाद मध्य प्रदेश, बिहार व राजस्थान आते हैं। बंगाल में लगभग

**देश में हर साल 15 लाख लड़कियों की शादी 18 से कम उम्र में कर दी जाती है। लड़कियां अपने यहां सामाजिक रूप से असुरक्षित हैं। कितनी भी दलीलें दी जाती रहें पर अपनी लड़कियों को ब्याह कर परिवार उनकी चिन्ता से मुक्त हो जाते हैं। औरतें खाली नहीं हैं, मगर उन्हें खाली ही माना जाता है।**

आधी औरतें 21 से पहले ही ब्याह दी जाती हैं। केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने इस पर कहा, यह कहना कि देश में औरतें इसलिए शादी करती हैं, क्योंकि वे खाली हैं। मुझे लगता है कि यह असामान्य है। इसे ठीक करने की जरूरत है। खासकर युवा लड़कियां तो शादी करती हैं, क्योंकि उनके पास करने के लिए कुछ नहीं होता है।....मुझे उम्मीद है सदस्य उसे वापस लेंगे। फौजिया की दलील में दम है। अपने देश में हर साल तकरीबन एक करोड़ शादियां होती हैं। जाहिर है, इसमें नाबालिग लड़कियां भी ब्याही जा रही हैं प्रतिवर्ष। युनिसेफ के अनुसार, देश में हर साल 15 लाख लड़कियों की शादी 18 से कम उम्र में कर दी जाती है। लड़कियां अपने यहां सामाजिक रूप असुरक्षित हैं। कितनी भी दलीलें दी जाती रहें पर अपनी लड़कियों को ब्याह कर परिवार उनकी चिन्ता से मुक्त हो जाते हैं। औरतें खाली नहीं हैं, मगर उन्हें खाली ही माना जाता है। क्योंकि वे जो श्रम करती हैं, उसे किसी श्रम के कोष्ठक में ही नहीं रखा गया। वे सारा दिन जिस घरेलू काम में जुटी रहती हैं, उसे श्रम नहीं माना जाता। सरकार को सबसे पहले स्त्री के श्रम को बेगार से बाहर निकालना चाहिए।

2001 का जनसंख्या के अनुसार देश में 51 लाख से ज्यादा लोगों ने कभी शादी नहीं की। जिसमें 54.4 फीसदी तो औरतें ही हैं। अपनी मर्जी से शादी न करने वाली औरतों तो इनमें शामिल ही हैं। परंतु बड़ी संख्या उन कुवांरियों की भी है, जिनकी शादियां धन या योग्य वर के अभाव में नहीं हो पातीं। जो परिवार में अनचाही संतान सरीखा जीवन बिताती है। सांसद का यह कहना कि उनके पास कोई काम नहीं है। गलत नहीं है। नयी स्त्री कमा रही है। उच्चतर शिक्षा ले रही है। उसमें करियर के प्रति दीवानगी भी है। मगर इनमें अमूमन शहरी लड़कियों की भागीदारी ज्यादा है। लेबर फोर्स पारटीशिपेशन रेट्स के अनुसार दुनिया में सबसे कम औरतें भारत में कमाऊ हैं। सिर्फ 21 फीसदी कमा रही हैं। जान कर हैरत होगी कि 15 साल से ज्यादा वाली 79 फीसदी पैसों के लिए काम नहीं करती। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, स्वीडन, चीन, यूएस व इंडोनेशिया में क्रमशः 75, 65, 55 व 50 फीसदी से ज्यादा औरतें नौकरी करती हैं। यही डाटा बता रहा है कि भारत में औरतों के काम करने का आंकड़ा सिर्फ 21 फीसद है। दुनिया में कमाऊ औरतों का औसत 47 के करीब है। गरीब से लेकर अति समृद्ध देशों में 50 से 60 फीसदी औरतें कमाऊ हैं। यह सच है कि करोना महामारी ने इन काम करने वाली औरतों पर जबरदस्त गाज गिराई है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, 2005 से 2019 के दरम्यान 26 फीसद से गिर कर 20 पर आ गया। अपने यहां जो औरतें कमाऊ हैं, वे अप्रशिक्षित कामगर हैं। जो फैक्ट्रियों या कृषि कार्यों में लगी हैं। शहरों में ये बड़ी संख्या में घरेलू सहायिका का काम करती हैं। नौकरियां सीमित हैं और प्रतिस्पर्धा गजब की है। उस पर औरतों के लिए तमाम तरह की बन्दिशें भी हैं। जब तक औरत आर्थिक रूप से आश्रित रहेगी, उससे यह उम्मीद करना कि वह अपने दमखम पर निर्णय लेगी, हास्यास्पद है।

फौरी तौर पर यह कह कर निकल जाना कि स्त्री सबल है। स्त्री के पक्ष में नहीं है। औरतों को कमजोर सिर्फ परिवार, सामाजिक व्यवस्था और हालात नहीं करते। स्त्री के इर्द-गिर्द सब कुछ पीढ़ियों से इतना खोखला और बेबुनियादी गढ़ा गया है कि वह दृढ़ता से अकेली खड़ा होने का साहस भी नहीं कर सकती। वह आर्थिक रूप से समृद्ध हो तो भी उसे रहना इसी नागफनी भरी सामाजिक व्यवस्था में है। खैर, यहां बात तो सिर्फ शादी की हो रही है। कहने को हम कितने ही आधुनिक होते जा रहे हैं परंतु अभी भी अपने यहां पारिवारिक बन्धन ज्यों के त्यों। वक्ती लचीलापन उतना ही है, जिसमें रूढ़ियों और परंपराओं को साथ लपेटा जा सका है। शहरी और करियर की तरफ अग्रसर होने वाली नई स्त्री स्वयं विवाह बन्धन में बंधने से कतराती है। वह तसल्ली से शादी करना चाहती है। लेकिन ढेरों लड़कियां अभी भी ऐसी हैं, जिनकी ना तो तालीम ही पूरी की जाती है, ना ही उन्हें सपने देखने दिये जाते हैं। किशोरावस्था पार करते ही उन्हें ब्याह दिया जाता है। कम उम्र में ही वे गर्भवती हो जाती हैं और बालिग होने से पहले ही मां बन जाती हैं। यह सच है कि इन ढेरों औरतों को किसी तरह का कौशल, प्रशिक्षण आदि तरीके से मिल जाए तो ये अपने निर्णय लेने को आजाद हो पायेंगी।

परतु यहां मैं जिन लड़कियों की बात कर रही हू, जिन परिवारों की, वे आम लोग हैं। जिनकी आमदनी सीमित हैं और साधन ना के बराबर। वे कतरा-कतरा जोड़ कर लड़की की जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहते हैं। बीहड़ गांव, पिछड़े इलाकों व आर्थिक रूप से विपन्न परिवारों के लिए लड़कियों को सुरक्षित रखना खतरों से खेलना होता है। शहरों में ही काम पर जाने वाली मांएं अपने नन्हें नन्हें बच्चों को पीछे छोड़ कर जाने पर परेशान नहीं होतीं। बल्कि कस्बों, छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में मजदूरी करने वाली औरतों की भी यही समस्याएं हैं। अपनी किशोरियों ही नहीं, नन्हीं बच्चियों को स्कूल तक भेजने वाले परिवार निश्चित नहीं रह पाते। छोटी उम्र में शादी से बच्चियों को बचाने का बेहतरीन तरीका यही है कि उन्हें सुरक्षा दी जाए, सलीके से शिक्षा दी जाए और खुले आसमान में सांस लेने का माहौल तैयार किया जाए। बच्चियां सिर्फ ब्याहने और बच्चे जनने के लिए नहीं पैदा होतीं, यह समझने लायक परिपक्वता अभी भी आमजन को नहीं है। ■

# टैरो

ऋचा श्रीवास्तव
06अप्रैल-12अप्रैल)

**मेष (21मार्च -20अप्रैल)-** संतुलन की जरुरत है। परिवर्तन का समय है। कुछ नया करने में ऊर्जा लगाएं। कुछ चाहे, कुछ अनचाहे बड़े बदलाव हो सकते हैं। क्षमताओं से बढ़कर काम करना है और बड़ा दृष्टिकोण रखना जरूरी है। रिश्तों में मुश्किलें आ सकती हैं। रिश्तों को खुशहाल रखने की कोशिश करें।

**वृषभ (21अप्रैल-21मई)-** सुरक्षित और प्रसन्न महसूस करेंगे। हर पल का आनंद लें और सपनों को पूरा करने के लिए जुट जाएं। विचारों को सही जगह पर व्यक्त करें। इससे फायदा होगा। सफलता का जश्न मनाने का मौका मिलेगा। सोच को जितना विस्तार देंगे, उतना ही फायदे में रहेंगे। प्यार और रिश्ते सबसे अहम रहेंगे। करियर अच्छा रहेगा।

**मिथुन (22मई-21जून)-** भावनात्मक जीवन में स्थायित्व और स्थिरता पाएंगे। ध्यान करने और भावनाओं को लिखे और धीरे-धीरे इसके माध्यम से अपना काम करें। करियर के लिए आंखें खुली रखें और संभावनाओं के लिए दिमाग खुला रहे। समर्थन जल्दी ही पास आएगा। पिछले निवेश से वित्तीय लाभ की अपेक्षा कर सकते हैं।

**कर्क (22जून-22जुलाई)-** समय विशेष फलदाई रहेगा। मेहनती स्वभाव के कारण परिवार में विशेष स्थान बना पाएंगे। करियर सम्बंधित बातों में तुरत प्रगति देख पाना मुश्किल हो सकता है लेकिन प्रयत्न करके परिस्थिति पक्ष में भी होगी। व्यवसाय करने वालों को अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है। पहले किए गए निवेश का फायदा मिल सकता है, जिसके द्वारा आर्थिक चिंताएं दूर होंगी।

**सिंह (23जुलाई-21अगस्त)-** अभी तक जो आर्थिक अस्थिरता दिख रही थी, वो दूर होने लगेगी। नौकरी में बदलाव या मनचाही नौकरी मिलने की सम्भावना है। महिला अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। अविवाहित के विवाह का योग बन रहा है। खर्च के प्रति सतर्क रहें।

**कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)-** शुभ समाचार मिलने की सम्भावना है। आर्थिक लाभ में बढ़ोतरी होगी। रोजगार व्यापार में प्रगति होगी। सहयोग प्राप्त होगा। अपेक्षित लाभ मिल सकता है। उच्च अधिकारी योग्यता व प्रतिभा का परीक्षण कर सकते हैं। मनपसंद जीवनसाथी मिलने का योग है। मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे।

**तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)-** जीवन सम्बंधित कोई बड़ी सीख दे सकता है, इसीलिए नकारात्मक विचारों से दूर रहकर परिस्थिति से सीख को लेकर आगे बढ़ें। करियर में सकारात्मक बदलाव कठिनाइयों से गुजरने के बाद ही दिखेगा। काम से सम्बंधित जो भी कठिनाइयां आ रही हैं, उनका डटकर सामना करें। सभी को गुस्से पर काबू रखने की अत्यंत आवश्यकता होगी।

**वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवम्बर)-** परिस्थितियों का संतुलन बनाना आवश्यक रहेगा। किसी प्रकार से कोई ऐसा निर्णय न लें, जिससे नौकरी पर प्रभाव पड़े। नौकरी छोड़ना या आय के स्त्रोत को छोड़ना, परेशानी का कारण बन सकता है, ध्यान रखना होगा की कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। खर्च पर भी ध्यान रखना होगा।

**धनु (23नवम्बर-22दिसम्बर)-** वाद विवाद में पड़ने की कोशिश ना करें, यह सही समय नहीं है। नई योजनाएं कल्पना के अनुसार साथ नहीं आ रही हैं, हार मत मानो, हर चीज में समय लगता है। यदि कोई अनबन हो गई है तो दोस्तों या परिवार के बीच पुलों को सुधारने का समय अच्छा है। आगे कठिन संघर्ष है लेकिन सफलता निश्चित है।

**मकर (23दिसम्बर -20जनवरी)-** कोई नया कार्य आरम्भ हो सकता है, इच्छाशक्ति मजबूत करें सफलता मिलेगी। फालतू खर्चों से बचें। सेहत के प्रति सचेत रहें। महत्वपूर्ण मामलों पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ समय बिताए। खास काम प्रतिष्ठा और अच्छे प्रदर्शन का मौका देगा।

**कुम्भ (21जनवरी-19फरवरी)-** अवसरवादियों के लिए अच्छा होगा, क्योंकि उन्हें व्यवसायिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कई मौके मिलेंगे। आय बढ़ाने के लिए की गई कोई भी पहल बड़ी सफलता होगी।

**मीन (29 फरवरी -20मार्च)-** विचारों में असंतुलन पैदा हो सकता है, यह भ्रम पैदा करेगा। ऐसी स्थिति से बचने के लिए लक्ष्यों पर फिर से गौर करें, इससे सोचने-समझने की नई ताजगी मिलेगी। यदि खुद को थका हुआ महसूस करें तो बाहर निकलें। दोस्तों से मिलें, इससे बहुत राहत मिलेगी। बड़े निर्णय लेने से बचें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें। रिश्तों को समय दें। ■

# रसोई गैस की कीमतें और मेरे अनुभव

कमल प्रभा तिवारी

**देश** में लोग घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों पर तरह तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हम गृहणियों के दिमाग में तरह तरह की चीजों की कीमतों का ग्राफ बनता छपता रहता है। पिछले पचास-साठ वर्ष के कुछ मुख्य चीजों जैसे पति की तनख्वाह, रसोई के ईंधन का खर्च, सोने जेवर मुझे काफी अच्छे से याद है। सन1967 में मेरे सबसे बड़े भाईसाहब ने गैस कनेक्शन लिया था। उनके घर में मैंने पहली बार गैस देखी। वो लखनऊ की रेलवे कालोनी में रहते थे। उनका वेतन 350 रूपए था। उस समय सिलेंडर का दाम 19 रुपए 50 पैसा था। अगले वर्ष ही सिलेंडर का दाम बढ़कर 27 रुपए हो गया। उस दौरान सालाना आम बजट में सिलेंडर की कीमतें बढ़ती ही थी। मिट्टी का तेल एक रुपए पचास पैसे था।

मेरी मौसेरी बहन की शादी 1966 में सरकार के मंत्री के छोटे भाई से हुई थी। मैं उनके घर 1966 से 1970 के बीच कई बार गई पर उनके घर का सारा खाना चूल्हे पर ही बनता था। घर के लोग गैस पर बना खाना, नहीं खाना चाहते थे। 1961 में घर में काम करने वालों को 4-5 रुपए मिलते थे और कारखानों में मजदूरी

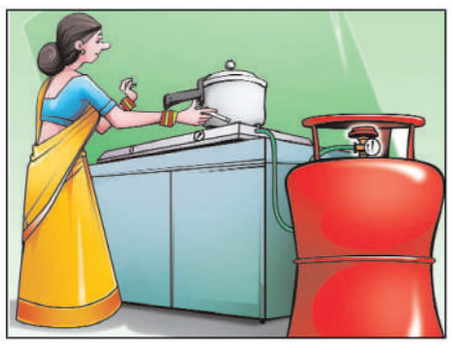

करने वालों को 6-8 रुपए मिलते थे। काम के वक्त उन्हें खाने के लिए गुड़ दिया जाता था, चाय का चलन नहीं था। 1967 में घर में बर्तन वाली को महीने का 5 रुपए दिए जाते थे। उस समय तो मजदूर वर्ग के लोग गैस लेने की सोच भी नहीं सकते थे।

1974 में मेरी शादी हुई। शुरू के कुछ सालों भोजन अंगीठी और लकड़ी के चूल्हे पर ही बनता था। मेरी गैस लेने की प्रबल इच्छा थी, पैसे जोड़-जोड़कर गैस के लिए रखे थे। 1982 में उनका वेतन 650 रुपए था। हम कानपुर रोड में किराए के मकान में रहते थे। मेरे देवर ने जुगाड़ करके अलीगंज से 1982 में कनेक्शन हमें दिलवा दिया था । कनेक्शन दूसरे के नाम पर था। हमें उसके लिए 1350 रुपए देने पड़े। उस समय ज्यादातर लोग ब्लैक में ही गैस कनेक्शन लेते थे। 1982 में ही अपने नाम से गैस के लिए अर्जी भी लगा दी। 1987- 88 में जब हमने अपना घर बनाया उस समय मजदूर, मिस्त्री एक दिन का 40 रुपए लेता था। पहला वाला कनेक्शन हमने छोड़ दिया। गैस इस्तेमाल करने वाले भी साथ में चूल्हा, अंगीठी और मिट्टी के तेल का स्टोव रखते थे। गैस ज्यादातर दिखाने के लिए ही होती थी। हर बजट में गैस के दाम बढ़ जाते थे।

उस समय सिलेंडर लेने के लिए जाना पड़ता था। सिलेंडर मिलने में 15 से 20 दिन तक लग जाते थे। कई बार तीज त्योहार के समय सिलेंडर भराना बहुत मुश्किल हो जाता था। 1990 आते-आते रसोई का काम पूरी तरह से गैस पर शिफ्ट कर दिया, दो सिलेंडर होने से भी बहुत सहूलियत हो गई। उस समय एक सिलेंडर की कीमत 65 से 70 रूपए के आस पास थी। सिलेंडर घर पहुंचने से पहले उसमें से गैस की चोरी की समस्या भी बहुत आम थी। उज्ज्वला से हर वर्ग की महिलाओं तक गैस पहुंच गई है। 2018 से मेरे घर में पाइप गैस लग गई है, सिलेंडर का झंझट ही खत्म हो गया है।

आजकल शहर में काम करने वाले मजदूरों को वेतन का 600 रुपए तक मिल जाता है । घर में काम करने वाली भी 10 हजार से 15 हजार तक कमा लेती है। ये महिलाएं तो खास तौर से गैस पसंद करती है। 1000 रुपए का सिलेंडर आमतौर पर सिलेंडर 1.5 महीने चलता है। सरकारी कर्मचारियों और प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों की आमदनी तो बहुत बढ़ गई है। उनके लिए तो गैस सिलेंडर का खर्च एक-दो दिन के जेब खर्च के बराबर हो गया है। गैस की कीमत अधिक है ऐसी प्रतिक्रिया देने वाले अक्सर इसी वर्ग के लोग होते हैं । ■

# शादी के करतब

**कुछ** माह पहले तमिलनाडु में एक दुल्हन ने शादी के मंडप में नाचते हुए प्रवेश किया। दूल्हे को यह बात इतनी नागवार गुजरी कि उसने दुल्हन को थप्पड़ जड़ दिया। बदले में दुल्हन ने भी जोरदार तमाचा रसीद किया। बात बढ़ी और शादी टूट गई। सवाल यह है कि दुल्हन के नाचने में ऐसी क्या बुरी बात थी कि दूल्हे को इतना गुस्सा आया। जबकि तमिलनाडु में बच्चियों को नाचना खूब सिखाया जाता है। एक अरसे तक उत्तर भारत में लड़कियों का नाचना अच्छा नहीं माना जाता था।

कई दशकों से यह बात देखने में आ रही है कि लड़के-लड़कियां अपनी शादी को यादगार बनाने के लिए कुछ नया करना चाहते है। इसीलिए कोई लड़की मोटरसाइकिल चलाते हुए विवाह के मंडप में पहुंचती है तो कोई घोड़े पर सवार होकर। पिछले दिनों दुल्हन विदा के बाद अपनी कार खुद ड्राइव करके ले गई थी। इसी तरह दूल्हे भी तरह-तरह के करतब दिखाते नजर आते हैं। बहुत बार माता-पिता भी इस दिखावे में शामिल हो जाते हैं। वे दूल्हे को हेलीकाप्टर में ले जाते हैं। विदा भी उसमें कराते हैं। शादी में भोजन के बारे में भी यही हाल है। इन दिनों विवाह में इतनी तरह के भोजन परोसे जाते हैं कि एक-एक चम्मच भी खाएं तो भी सबका स्वाद नहीं चख सकते।

इन सारी बातों पर ध्यान दें तो न केवल दूल्हा-दुल्हन बल्कि उनके माता-पिता का कहना भी यही होता है कि शादी में वे ऐसा कुछ करना चाहते हैं कि शादी हमेशा याद रखी जाए। जबकि सच यह है कि कोई भी शादी, जिसमें मेहमानों को खुश करने के लिए आप कुछ भी कर दें, शादी पांडाल से बाहर निकलते ही अकसर भुला दी जाती है। लोगों से जिन चीजों की तारीफ करने की उम्मीद

## यही है जिंदगी

की जा रही थी, अकसर ही उनमें चुन-चुनकर खोट निकाले जाते हैं। जैसे कि इतना पैसा खर्च किया लेकिन खाना तो दो कौड़ी का था। इससे तो अच्छी अपने घर की दाल-रोटी। या वेन्यू कितना खराब था कि ऐसी काम नहीं कर रहा था। खाना इतनी देर से शुरू हुआ। इतने पैसे खर्च किए और ऐसा दूल्हा ढूंढ़ा। हमसे ही कह देते। इससे लाख गुना अच्छा ढूंढ़ देते। शादी में मिठाई तो ऐसी दी है, न जाने कब की बनी-बासी-कूसी। हमसे तो किसी घर वाले ने आकर खाने की भी नहीं पूछी। इसलिए हम तो बिना खाए ही चले आए। होओगे तुम अपने घर के करोड़पति, जब जिन्हें बुलाया उनका सम्मान ही नहीं कर सकते तो हमारे लिए तो खाकपति ही हुए। वैसे भी हम पर किसी के पैसे का क्या रोब। घोड़े की पूंछ लम्बी होगी तो अपनी ही मक्खी मारेगी..आदि-आदि न जाने कितनी बातें हैं, जिन्हें कहकर आयोजन और आयोजकों का मजाक उड़ाया जाता है। एक तरफ विवाह में दिखावे और दहेज के खत्म होने की कसमें खाई जाती है मगर यह है कि बढ़ता ही जाता है।

विवाह के वक्त बहुत-सी अच्छी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां युवा और उनके परिवार के लोग, मित्र, परिजन, समाज के भले के बारे में सोचते हैं। कई ऐसे दूल्हा-दुल्हन भी होते हैं, जो विवाह के दिन या विवाह के मंडप से उठकर इम्तिहान देने चले आते हैं। वे विवाह के कारण अपनी परीक्षा नहीं छोड़ना चाहते। अपना साल बचाना चाहते है। कई युवा शादी पर होने वाला खर्चा बचाकर, उसे गरीब बच्चों को दान कर देते हैं। एक पिता ने अपनी लड़की की शादी पर होने वाले खर्च के पैसे से गरीबों के लिए घर बनवाए थे। कुछ लोग आठवां फेरा लेते हैं और शपथ खाते हैं, जीवन भर पेड़ बचाएंगे। एक युवा ने अपनी शादी के वक्त दिए जाने वाले दस लाख के चैक को फाड़ दिया था। ■

# कोरोना से ठीक होने वाले हार्ट का रखें खास ध्यान

**कोरोना की चौथी लहर अब लगभग खत्म हो गई है। लेकिन जो लोग इस खतरनाक वायरस का शिकार हुए हैं, उनके लिए खतरा अभी टला नहीं है। देश में अब तक कोविड से हुई कुल मौतों में से 70 फीसद मामलों में दिल का दौरा पड़ने के साथ ही मृत्यु की वजह अन्य गंभीर पुरानी बीमारियां भी रही हैं। इस रिपोर्ट्स ने अब नए सिरे से कोरोना के बाद मरीजों में होने वाली परेशानियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डिपार्टमेंट आफ कार्डियालाजी यूनिट के प्रो. डा. राकेश यादव से ज्ञानप्रकाश की बात के प्रमुख अंशः**

**कोरोना से स्वस्थ हुए मरीजों में दिल संबंधी विकृतियों के मामलों में इजाफा हुआ है? बचाव संबंधी क्या कदम उठाने की जरूरत है?**

डाक्टरों का कहना है कि कोरोना से उबरने के बाद लोगों को कम से कम तीन महीने तक ज्यादा एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए।

**हार्ट की दिक्कतें क्या हो सकती है?**

हाल के दिनों में कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों में हार्ट की दिक्कतें देखी गई हैं। ऐसे में ग्रास उम्र के बाद डाक्टर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में मैंने 40-50 वर्ष के आयु वर्ग के व्यक्तियों में हार्ट अटैक के कम से कम 7 मामले देखे हैं। इनमें से कामन फैक्टर थे कि ये सभी पुरुष थे और सभी कोरोना से ठीक होकर लौटे थे।

**क्या 40 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को सावधान रहने की जरूरत है?**

सभी 40 साल और उससे अधिक उम्र के मरीज, जो कोविड से ठीक हुए हैं, उन्हें हृदय संबंधी जांच करवानी चाहिए। ताकि किसी बीमारी का पता लगाया जा सके। इन मौतों को सभी के लिए वेकअप काल के रूप में देखना चाहिए। कोविड के बाद कई तरह की दिक्कतें आती हैं। जैसे ब्रेन फाग, धड़कन, फाइब्रोसिस, मनोविकृति, दिल के दौरे, गुर्दे की समस्याएं आदि हो सकती हैं। ऐसे में कोरोना से ठीक होने के बाद लोगों को दो-तीन महीनों तक डाक्टरों के संपर्क में रहना चाहिए।

**कोरोना और हार्ट अटैक के बीच क्या कनेक्शन है?**

ऐसा देखा गया है कि कोरोना को हराने के बाद भी कुछ लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। उनका ब्लड प्रेशर भी ऊपर-नीचे होते रहता है और दिल की धड़कन भी बढ़ जाती है। दुनिया भर में कोरोना महामारी ने लोगों को कई तरह से नुकसान पहुंचाया है। कोविड-19 वायरस की चपेट में आए लोग इससे काफी प्रभावित हुए हैं। वहीं, इसकी वजह से लोगों की लाइफस्टाइल में बड़ा बदलाव आया, जिसकी वजह से कुछ बीमारियां बढ़ी हैं। रिसर्च के मुताबिक, कोविड महामारी के दौरान रहन-सहन की बदली आदतों की वजह से लोगों में बड़े पैमाने पर ब्लड प्रेशर की बीमारी बढ़ी है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में से समस्या ज्यादा देखी गई है। सेंटर फार ब्लड प्रेशर डिसआर्डर की रिपोर्ट के अनुसार लाकडाउन के दौरान एक्सरसाइज न करने, मोटापा बढ़ने और ज्यादा शराब पीने से लोगों में ब्लड प्रेशर की शिकायत बढ़ी है। लोगों के ब्लड प्रेशन में औसतन 1.1 से 2.5 एमएमएचजी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, सर्कुलेशन ट्रस्टड सोर्स जनरल की रिपोर्ट कहती है कि कोविड महामारी का अप्रत्यक्ष तौर पर लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ा है। लोगों में ब्लड प्रेशर बढ़ने या हाइपरटेंशन की वजह से हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ा है।

**ब्लड प्रेशर बढ़ने या हाइपरटेंशन की वजह से?**

हाइपरटेंशन बढ़ने से लोगों की आंखों, लीवर और दिमाग पर भी बुरा असर पड़ता है। तकरीबन कोविड के बाद देश में लगभग 47 फीसद वयस्कों में हाइपरटेंशन की समस्या है। वहीं 2019 में अमेरिका में लगभग पांच लाख मौतों में हाइपरटेंशन को कारण माना गया है। ■

# साबूदाने के पकौड़े

अनिता घोष

**सामग्री-**साबूदाना आधा कप (5-6 घंटा) भिंगोया हुआ, दो बड़ा उबला आलू, 50 ग्राम कद्दूकस किया हुआ पनीर, हरी मिर्च बारीक कटी हुई 3-4, हरी धनिया बारीक कटी हुई 2 चम्मच, तलने के लिए तेल, सेंधा नमक स्वादानुसार, बेकिंग पाउडर आधा चम्मच।

**विधि-** साबूदाने को छान लें। उबले हुए आलू और कद्दूकस किया हुआ पनीर को साबूदाने के साथ मिलाएं। अब हरी मिर्च, धनिया पत्ती, नमक, बेकिंग पाउडर मिलाएं, साबूदाना ज्यादा गीला नहीं होना चाहिए। अब कढ़ाही में तेल डालकर गरम करें। गरम तेल में छोटी छोटी पकौड़ी डाल कर सुनहरा होने तक तलें। इसी तरह से जब सब पकौड़े तल जाए तो हरी चटनी के साथ सर्व करें।

# व्रत वाली पूरी

**सामग्री- दो कप सिंघाड़े का आटा, एक कप पनीर कद्दूकस किया हुआ, 2-3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, अजवाइन एक चुटकी, 1 चम्मच कटी हुई हरी धनिया, एक चुटकी हींग, स्वादानुसार सेंधा नमक, देसी घी आवश्यकतानुसार ।**

**विधि** सबसे पहले सिंघाड़े के आटे को छलनी से छान लें। अब उसमें दो चम्मच घी, नमक और अजवायन डाल कर अच्छे से गूंथ लें। अब कद्दूकस पनीर को मिलाकर मैश करें। इसमें सेंधा नमक, कटी हुई हरी मिर्च, धनिया पत्ती, लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। अब मीडियम आंच पर एक कढ़ाही में घी गरम करें। गूंथे हुए आटे की लोई बना लें। लोई को बेलकर इसमें थोड़ा सा पनीर के मिश्रण भरकर किनारों को चिपका दें और हल्के हाथों से बेल लें। गरम तेल में पूरी को सुनहरा होने तक तलें। कुरकुरी पनीर की स्टफ्ड पूरी को दही के साथ व्रत में खाएं और खिलाएं।

# उत्तर प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य बनाने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विकास और समृद्धि को गति देने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ 100 दिन की कार्ययोजना पर मंथन किया और कहा कि हमारे समक्ष उत्तर प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है। योगी की अध्यक्षता में मंगलवार की देर शाम लोक भवन में दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत मंत्रिमंडल के सहयोगियों के समक्ष शासन की 100 दिन की कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने किया। यहां जारी सरकारी बयान के अनुसार इस

मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन के सभी विभागों को 10 सेक्टर में विभाजित कर लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्ययोजना तैयार की जाए तथा एक सप्ताह बाद इनका प्रस्तुतीकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि लक्ष्यों को तय करते समय व्यावहारिक और आर्थिक पहलुओं का भी ध्यान रखा जाए। राज्य में विकास और समृद्धि की व्यापक संभावनाओं पर चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि सभी विभाग 100 दिन, छह माह एवं वार्षिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए विस्तृत एवं व्यवहारिक कार्य योजना बनाएं। उन्होंने कार्य योजना के माध्यम से लोक कल्याण संकल्प पत्र-2022 (विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र) के बिंदुओं एवं भारत सरकार की योजनाओं को भी आगे बढ़ाने पर बल दिया।

## महिला विद्यापीठ में बंटा स्मार्ट फोन, छात्राओ में खुशी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। ग्राम्यांचल महिला विद्यापीठ गंगापुर में बीएड की 84 छात्राओ को शासन द्वारा प्रदत्त स्मार्ट फोन का वितरण विद्यालय द्वारा बुधवार को किया गया। स्मार्ट फोन पाने के बाद छात्राओ में खुशी दिखी। इस दौरान प्रबन्ध समिति की सदस्य

श्रीमती सुमन सिंह, प्राचार्य डॉ अनुपमा तिवारी, शिक्षा संकाय प्रमुख डॉ आशा दुबे, डॉ प्रमिला राय, डॉ श्वेता सिंह,डॉ संगीता दीक्षित समेत अनेक शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

# महाविकास अघाड़ी गठबंधन में फूट उद्भव सरकार से अलग हुई स्वाभिमानी पक्ष

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बलिया में पेपर लीक की खबर छापने वाले पत्रकार पर हुई फर्जी कार्रवाई के विरोध में छात्रसंघ ने बलिया जिला प्रशासन के बुद्धि शुद्धि के लिए किया हवन। बतादें कि यू.पी. बोर्ड परीक्षा में बलिया जनपद में हुए पेपर लीक की खबर प्रमुखता से प्रकाशित कर नकल माफियाओं की बलिया जिला प्रशासन से सांठ-गांठ को उजागर करने वाले पत्रकार अजित ओझा, दिग्विजय सिंह व मनोज गुप्ता पर हुई बेबुनियाद कार्रवाई से जिले के छात्र संघ में भी बलिया जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश देखने को मिला। इस बेबुनियाद कार्रवाई से बौखलाए छात्र नेताओं ने सिटी रेलवे स्टेशन पर स्थित शिव-दुर्गा मंदिर में बलिया जिला प्रशासन को सद्बुद्धी देने के लिए हवन किया। इस दौरान जनपद के सभी छात्र नेताओ ने एक स्वर में मुख्यमंत्री से माँग किया कि तत्काल प्रभाव से बलिया के डीएम और इस मामले से जुड़े अन्य सरकारी कर्मचारियों को निलंबित कर इस

प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए ताकि यह मामला आने वाले समय में एक नजीर बन सके। बलिया जिला प्रशासन की बुद्धि शुद्धि के लिए हवन करने वालों में पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय, शशांक उपाध्याय, अभिषेक पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय, अभिषेक गौण, जितेंद्र विश्वकर्मा, अभिषेक राय, शशिप्रकाश शर्मा, रोहन यादव, दीपक कुमार, अभिषेक पाण्डेय, चन्द्रेश दूबे, विवेक कुमार, आलोक कुमार, गोलू तिवारी, निसार अहमद एवं सोनल वर्मा आदि छात्र नेता शामिल थे।

## विद्युत विभाग ने चलाया सघन चेकिंग अभियान, कइयों पर एफआईआर दर्ज

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्थानीय कोतवाली अंतर्गत आज दिन बुधवार की सुबह विद्युत विभाग द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह सघन चेकिंग अभियान सदर रोड पर हुआ। इसके अंतर्गत विद्युत विभाग के कर्मचारी और अधिकारियों द्वारा अवैध विद्युत कनेक्शन, अतिरिक्त भार तथा घरेलू कनेक्शन के नाम पर व्यापारिक कनेक्शन के विरुद्ध सघन जांच की कार्रवाई की गई। बताया जाता है कि आज सुबह मे विद्युत विभाग द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया। यह चेकिंग अभियान विद्युत वितरण उपखंड के एसडीओ सत्यम त्रिपाठी के नेतृत्व में चलाया गया। इसमें 30 उपभोक्ताओं का अवैध ढंग से विद्युत कनेक्शन पाए जाने पर एफआईआर दर्ज किया गया। लगभग 12 लोगों का कनेक्शन विद्युत बिल जमा न करने पर काट दिया गया। जांच के दौरान कुछ लोगों का विद्युत भार बढ़ाया गया, क्योंकि वह घरेलू विद्युत के नाम पर व्यापारिक कार्य कर रहे थे। चेकिंग अभियान के दौरान एसडीओ के अलावा जेई चित्रसेन प्रसाद, जेई गुड्डू चौहान, जेईरवि चौरसिया, सत्यम तथा साथ में क्षेत्रीय लाइनमैन भी उपस्थित थे। एसडीओ ने बताया कि कुछ नागरिकों के यहां नए मीटर भी लगाए गए हैं। विद्युत वितरण खंड के एसडीओ ने बताया कि अभियान को अलग-अलग स्थानों पर लगातार चलाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी अवैध ढंग से बिजली का कनेक्शन चलाते पाया गया तो उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

# हीरापुर मचहटी में जमकर गरजा बुलडोजर

प्रखर चंदवक जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के हीरापुर मचहटी में बुधवार की दोपहर वर्षो से जलखाते की जमीन पर हुए अवैध कब्जे पर

उपजिलाधिकारी राजेश चौरसिया व नायब तहसीलदार रामसुधार राम, राजस्व विभाग व पुलिस बल की मौजूदगी में धारा 67 के अनिधिनियम बुलडोजर चला कर कब्जा मुक्त कराया गया। गौरतलब हो कि लालबहुर व सुदर्शन पुत्र स्व.रामधनी आदि लोगो के द्वारा आराजी नंबर 564 तालाब खाते की जमीन पर जबरन कब्जा किया गया था ग्रामीणों के विरोध करने पर मारपीट और फौजदारी करने पर आमादा रहते थे।विनोद कुमार आदि लोगो ने बताया की जलखाते की जमीन पर विपक्षीगण अपना दीवाल बनाकर टीनशेड, मडहा शौचालय व हैण्डपम्प, नाद, एवं गहन बनाकर अनाधिकार रूप से कब्जा कर लिया था।तहसील दिवस थाना दिवस पर अनेकों बार पत्रक दिया गया यहां तक कि उपजिलाधिकारी के कार्यालय पर सौ की संख्या में जाकर प्रदर्शन कर पत्रक दिया गया पर किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, बार आयुक्त वाराणसी, उपजिलाधिकारी, जिलाधिकारी को पत्रक दिया गया। तत्पश्चात नोटिस जारी की गई की उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2008 की धारा 67 के अंतर्गत ग्रामसभा की जमीन सार्वजनिक उपयोग की भूमि है जिस पर किसी भी प्रकार की भूमिधरी का अधिकार प्राप्त नहीं हो सकता ऐसी स्थिति में विवादित भूमि से प्रतिवादीगण को क्षतिपूर्ण सहित बेदखल किया जाना उचित होता है।नोटिस जारी होते ही प्रशासन हरकत में आया और जलखाते की जमीन पर हुए अवैध कब्जे को मुक्त कराया। जलखाते की जमीन पर बुलडोजर चलते ही हर किसी की जुबान से बस यही निकल रहा था की वर्षो की मेहनत आज रंग लाई है।

## भाजपा मध्यमेश्वर मंडल वाराणसी महानगर ने मनाया भाजपा स्थापना दिवस

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को कई स्थानों पर मनाया गया जिसमे मध्यमेश्वर मंडल वाराणसी महानगर ने पातालपुरी मठ ईश्वरगंगी में हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पार्टी का ध्वज फहराया गया उसके पश्चात प्रभातफेरी निकाली गई एवं सभी ने प्रधानमंत्री का सामूहिक उद्बोधन सुना। इस कार्यक्रम में विधायक नीलकंठ तिवारी,संदीप चौरसिया, महामंडलेश्वर अध्यक्ष उषा अग्रहरी, उपाध्यक्ष पूजा गिरी, महामंत्री पूनम गुप्ता,मीडिया प्रभारी ज्योति प्रजापति तथा भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## फर्जी फर्मो से 137 करोड़ की जीएसटी चोरी में एक कारोबारी गिरफ्तार

नोएडा। गाजियाबाद में केंद्रीय जीएसटी विभाग ने 137 करोड़ की जीएसटी चोरी में एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। कारोबारी पर फर्जी फर्मो से 783 करोड़ के कागजी कारोबार कर आईटीसी क्लेम का लाभ लेने का आरोप है। केंद्रीय जीएसटी विभाग के आयुक्त आलोक झा एवं अपर आयुक्त राकेश गुप्ता ने बताया कि जीएसटी चोरी में गिरफ्तार कारोबारी राजीव शर्मा है। राजीव पर फर्जी फर्मो से कागजों में कारोबार कर 783 करोड़ से अधिक के कारोबार करने के साक्ष्य मिले हैं। इस पर करीब 137 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी की गई है। गिरफ्तार कारोबारी के दो साथी कारोबारी को जीएसटी चोरी के आरोप में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आयुक्त ने बताया कि मंगलवार को गिरफ्तार राजीव शर्मा को मेरठ की विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत ने जीएसटी चोरी अधिनियम के तहत आरोपी राजीव शर्मा को न्यायिक हिरासत में मेरठ जेल भेजने के आदेश दिए।

# चार थाना क्षेत्रों में बीएसएफ के जवानों के साथ थाना क्षेत्र पुलिस बल ने किया रूट मार्च

प्रखर ब्यूरो मुहम्मदाबाद/गाजीपुर। स्थानीय क्षेत्र में नवरात्रि तथा रमजान एवं एम.एल.सी. चुनाव के मद्देनजर आज दिन बुधवार को चार थाना क्षेत्रों में बीएसएफ के जवानों के साथ

थाना क्षेत्र के पुलिस बल ने रूट मार्च किया। बताया जाता है कि क्षेत्राधिकारी रविंद्र कुमार वर्मा के निर्देशन में आज दिन बुधवार की सुबह ही बीएसएफ के जवानों के साथ स्थानीय कोतवाली के अलावा थाना बरेसर, करीमुद्दीनपुर और भांवरकोल क्षेत्र में रूट मार्च किया गया। क्षेत्राधिकारी ने पत्र प्रतिनिधि को बताया कि एमएलसी का चुनाव होना है, जिसके लिए शांति व्यवस्था कायम करने व अपराधियों के विरुद्ध उठाए गए कदम को लेकर रूठ मार्च की कार्रवाई की गई है। कोतवाली परिसर से यह रूट मार्च आरंभ हुआ तथा स्थानीय क्षेत्र में यह यूसुफपुर बाजार, मंगल बाजार, दालमंडी, मछली बाजार, नवापुरा, तहसील गोलंबर, सदर रोड पर रूट मार्च किया गया।

रूट मार्च के दौरान उपजिलाधिकारी आशुतोष कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी रविंद्र कुमार वर्मा, कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार मिश्रा भी बीएसएफ के जवानों के साथ थे। साथ ही क्षेत्राधिकारी ने बताया कि नवरात्र और रमजान के मद्देनजर यह आवश्यक कार्रवाई होनी थी। ग्रामीण क्षेत्रों में आदिलाबाद, दाउदपुर, बालापुर में भी रूट मार्च हुआ। इसके अतिरिक्त स्थानीय क्षेत्र में रूट मार्च किए तथा संदिग्ध वाहनों की जांच भी की गई और संदिग्ध लोगों को पाए जाने पर उनसे पूछताछ की कार्रवाई की गई।

## राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन

प्रखर मीरजापुर। आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन करने पहुंचे राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने सभी के कल्याण, विश्व शांति की प्रार्थना मां से किए। कल राजस्थान में हुए घटना में महिला और उसके बच्चों के जीवन बचाने वाले पुलिस कर्मी के बहादुरी की प्रसंशा किए विंध्याचल में आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन करने पहुंचे राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने लोक कल्याण, सभी के सभी के लिए मां से आशीर्वाद मांगा मीडिया से बात करते हुए कहा कि जिस तरह से राजस्थान में घटना हुई वह अत्यंत दुखद है, सामूहिक रूप से पत्थर फेंकने और आग लगाने की घटना शर्मनाक है, इस घटना में एक पुलिसकर्मी की बहादुरी के चलते लोगों की जान बची, पुलिसकर्मी की इस बहादुरी का प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे लोगों की सोच होनी चाहिए, साथ ही आगामी रामनवमी पर निकलने वाली शोभा यात्रा के दौरान ऐसी कोई घटना न हो इसके लिए सचेत रहने की जरूरत है।

## कोटा गांव में हुई मारपीट में नामित सभी अपराधी चार दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर, नहीं हो रही गिरफ्तारी, गरीब की जिंदगी दाव पर

प्रखर तरवां आजमगढ़। बताते चलें कि आजकल जहां एक तरफ सरकार कानून व्यवस्था को लेकर कई दावे करती है कि इस शासन काल में अपराधी त्रस्त हैं।लेकिन यदि किसी लाचार ,असहाय,बेबस,और निहायत गरीब के साथ कई लोग मिलकर अत्याचार करें और अधमरा कर के छोड़ दें,फिर भी उसको न्याय न मिले तो यह विषय इस शासन काल में सोचनीय है। हुआ यह कि आजमगढ़ जिले के तरवां थाना अंतर्गत ग्राम कोटा में बीते रविवार 3 अप्रैल को दो पक्षों में पेड़ लगाने को लेकर मारपीट हुई।जिसमें एक पक्ष मुमताज शाह पुत्र नजीर ,और दूसरे पक्ष में धुक्कु शाह पुत्र जलील, फिरोज शाह उर्फ गप्पू, इम्तियाज शाह पुत्र शमशेर, कमरुद्दीन उर्फ भूत पुत्र धूक्कू थे। जिन लोगों में अर्थात मुमताज और धुक्कू में मारपीट हुई जिसमें मुमताज को अकेले और असहाय पाकर धुक्कू के परिवार वालों ने लाठी डंडे और घूसों से इतना पीटा की लोगों की मानें तो उनसे अधमरा कर के छोड़ दिया। उसी समय गांव के लोगों की नजर पड़ी तो उन्हें गांव के बीच लाकर डायल 112 और 108 दोनों को सूचना दी गई।फिर प्राथमिक उपचार के लिए पुलिस के अनुसार, सूत्रों की मानें तो तरवां सामुदायिक केंद्र ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने राजकीय मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर रेफर कर दिया, वहां से भी आजमगढ़ जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उनका इलाज चला। और कल जब वह घर आया तो कुछ लोग सुलह के लिए धावा मारने लगे।पुलिस ने कहा कि हमारी टीम गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है ,अभी अपराधी फरार हैं,गिरफ्तार करने की कोशिश जारी है। हालांकि मुमताज शाह पीड़ित पक्ष व गांव के लोगों की मानें तो अपराधी मारपीट करके स्वच्छंद घूम रहे हैं और उनकी गिरफ्तारी करने में आनाकानी की जा रही है। उसने कहा कि यदि उनकी गिरफ्तारी नहीं होती है तो हम बाध्य हो जायेंगे।ऐसे ही अपराधी अपराध करके घूमते रहें और असहाय व्यक्ति दर दर की ठोकरें खाए ये कैसा न्याय है,अगर कानून अपना काम करे तो अपराधी जरूर गिरफ्तार होंगे।

## ग्रेटर नोएडा में घर बनाना हुआ महंगा प्राधिकरण ने 17% तक बढ़ाई कीमतें

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में मकान बनवाना और उद्योग लगाना महंगा हो गया है। ग्रेनो प्राधिकरण ने जमीन की आवंटन दरों में इजाफा कर दिया। आवासीय संपत्तियों की दरें 17 तक बढ़ाई गई हैं। औद्योगिक, आईटी व संस्थागत श्रेणी में भी बढ़ोतरी की गई है। स्लैब में भी बदलाव किया गया है। अब प्राधिकरण 25 एकड़ से अधिक का भूखंड आवंटित नहीं करेगा। आवासीय सेक्टर को चार श्रेणी में बांटा गया है। ए श्रेणी के सेक्टर में आवंटन दर अभी 33,330 रुपये प्रति वर्ग मीटर है जो बढ़ाकर 39,000 रुपये प्रति वर्ग मीटर कर दी गई है। नई दरें नए वित्तीय वर्ष से प्रभावी होंगी। औद्योगिक भूखंडों के आकार के हिसाब से छह स्लैब को अब चार श्रेणी में कर दिया है। पुराने सेक्टर के लिए ए, बी व सी श्रेणी है, जबकि नए सेक्टर के लिए डी श्रेणी बनाई गई है। इसके दरों में भी बढ़ोतरी की गई है। संस्थागत व आईटी भूखंडों को आकार के हिसाब से छह श्रेणी के बजाय तीन श्रेणी बना दी गई हैं।

# पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न को लेकर पत्रकारों ने किया विरोध प्रदर्शन

घोसी, मऊ। घोसी तहसील मुख्यालय पर मंगलवार की दोपहर विभिन्न पत्रकार संगठनों से जुड़े दर्जनों पत्रकारों ने पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ नारेबाजी करते हुए

विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पत्रकारों ने महामहिम राज्यपाल के नाम सम्बोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी सुरेश कुमार को सौंपा। बताते चलें कि पड़ोसी जनपद बलिया में गत दिवस नकल की खबर चलाये जाने से खफा जिला प्रशासन ने खबर चलाने वाले पत्रकारों पर मुकदमा पंजीकृत कर उन्हें जेल भेज दिया। तबसे पूरे प्रदेश के पत्रकार इस घटना को लेकर आक्रोशित हैं और जगह जगह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन व यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न समाचार पत्रों से जुड़े दर्जनों पत्रकारों ने घोसी तहसील मुख्यालय पहुंचकर बलिया घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर ग्रापए तहसील अध्यक्ष सुदर्शन कुमार, उपजा तहसील अध्यक्ष शन्नू आजमी, अशोक श्रीवास्तव, दीनानाथ दुबे, वेदप्रकाश पांडेय, आफताब अहमद, अरुण कुमार पांडेय, प्रदीप कुमार राय, शफीकुर्रहमान चिश्ती, सत्यप्रकाश दुबे, रूपेंद्र भारती, संजय मिश्रा, अजहान आलम, संजय यादव, प्रेमचन्द गुप्ता, बन्ने खान, रूपेंद्र भारती आदि पत्रकारों के साथ अरविन्द कुमार पांडेय, रुआब खान आदि सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

## 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक बन्द रहेंगी जनपद की समस्त आबकारी दुकानें

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला मजिस्ट्रेट एम.पी. सिंह ने उ.प्र. आबकारी अधिनियम-1910 की धारा- 59 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम- 1951 की धारा-135(ग) में उपबन्धित प्राविधानों के अनुपालन मे लोक शान्ति बनाये रखने स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण मतदान कराये जाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2022 हेतु नियत

मतदान दिवस 9 अप्रैल 2022 को मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय सायं 4.00 बजे से 48 घण्टे पूर्व से अर्थात 7 अप्रैल 2022 को सायं 4.00 बजे से मतदान समाप्ति तक जनपद गाजीपुर की समस्त आबकारी दुकानों (देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर, माडलशॉप, भांग एवं ताडी की फुटकर बिक्री की दुकानों तथा थोक व बार अनुज्ञापनां) तथा मतगणना दिवस 12 अप्रैल 2022 को जनपद गाजीपुर की समस्त आबकारी दुकानों (देशी मदिरा विदेशी मदिरा, बीयर , माडलशाप, भांग एवं ताड़ी की फुटकर बिक्री की दुकानों तथा थोक व बार अनुज्ञापनों) से बिक्री पूर्णतया प्रतिबन्धित करने को आदेशित किया है। इस बन्दी हेतु लाइसेंसधारियों को कोई प्रतिकर देय नही होगा।

# बिजली विभाग का सघन चेकिंग अभियान जुर्माना सहित दो पर मुकदमा दर्ज

घोसी, मऊ। नगर के डाक बंगला रोड व कस्बा खास में विद्युत विभाग द्वारा मंगलवार की दोपहर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह सघन चेकिंग अभियान विद्युत वितरण खण्ड अधिशासी अभियंता आर पी सिंह व उपखण्ड अधिकारी राजेश प्रसाद के नेतृत्व में चलाया गया। सघन चेकिंग अभियान में 25 से अधिक उपभोक्ताओ के विद्युत कनेक्शन की जाँच की गई। जिसमें से कुछ उपभोक्ताओ के घरेलू कनेक्शन लेकर कमर्शियल में उपयोग किया जा रहा था। जाँच के दौरान उन कनेक्शन को कमर्शियल में परिवर्तित किया गया। चार उपभोक्ताओ का विद्युत भार बढ़ाया गया। तो वही दो लोगो के खिलाफ मीटर से छेड़छाड़ करने पर जुमार्ना सहित मुकदमा दर्ज करने का कराया गया। इसी क्रम में विद्युत बिल बकायादारो के तहत 5 लोगो का कनेक्शन काटा गया। साथ ही 50 हजार रुपये की

राजस्व वसूली की गई। और साथ ही बकायदारो को सख्त हिदायत दीगई कि अपने अपने बकायों को जल्द से जल्द जमा करदे नही तो चेकिंग चलकर बड़े बकायदारो के कनेक्शन काट दिये जायेंगे। इस अवसर पर आरपी सिंह अधिशासी अभियंता, राजेश प्रसाद उपखण्ड अधिकारी, अजीत श्रीवास्तव अवर अभियंता, अजय गुफ्ता अवर अभियंता, ओपी कुशवाहा अवर अभियंता, बृजेश सिंह, लालू मद्देशिया, रविन्द्र शर्मा, तेज बहादुर यादव, राजकुमार यादव, संजय यादव आदि लोग मौजूद रहे।

# बेंगलुरु की 100वीं जीत

## राजस्थान को चार विकेट से हराया, कार्तिक-शाहबाज के बीच 67 रनों की मैच विजयी साझेदारी

**मुंबई।** मैन ऑफ द मैच दिनेश कार्तिक (नाबाद 44) और उनकी शाहबाज अहमद (45) के साथ छठे विकेट के लिए 67 रन की बेहतरीन साझेदारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को मंगलवार को आईपीएल मुकाबले में पांच गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। राजस्थान की तीन मैचों में यह पहली हार है जबकि बेंगलुरु की इतने ही मैचों में यह दूसरी जीत है। आईपीएल के इतिहास में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की यह 100वीं जीत है। राजस्थान ने सलामी बल्लेबाज जोस बटलर के विस्फोटक अर्धशतक (नाबाद 70) की बदौलत 2022 आईपीएल के 13वें मैच में 20 ओवर में तीन विकेट पर 169 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया जबकि बेंगलुरु ने अपने पांच विकेट 87 रन पर गंवाने के बावजूद 19.1 ओवर में छह विकेट पर 173 रन बनाकर जीत अपने नाम की।

राजस्थान ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए थोड़ी धीमी, लेकिन अच्छी शुरुआत की। टीम ने पहले पावरप्ले में सिर्फ एक विकेट खोया। छह के स्कोर पर यशस्वी जायसवाल का विकेट गिरने के बाद बटलर और देवदत्त पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए 70 रन की बेहतरीन साझेदारी हुई, जिसने टीम को बाद में खुल कर खेलने की आजादी दी। 86 के स्कोर पर संजू के रूप में राजस्थान का तीसरा विकेट गिरा, हालांकि फिर बटलर और शिमरन हेटमायर ने क्रीज पर कुछ समय बिताने के बाद दोनों बल्लेबाजों ने आतिशी शॉट खेले। बटलर ने जहां नाबाद 70, वहीं हेटमायर ने नाबाद 42 रन बनाए। बटलर ने 19वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर छक्के मारे और फिर आखिरी ओवर में आकाशदीप पर लगातार दो छक्के जड़े। बटलर की इस पारी की खास बात यह रही कि उन्होंने पूरी पारी के दौरान बल्लेबाज़ी की और एक भी चौका नहीं लगाया। राजस्थान ने अंतिम दो ओवरों में 42 रन बटोरे। लेकिन कार्तिक और शाहबाज की बल्लेबाजी के सामने सब बेकार चला गया। बेंगलुरु की ओर से हर्षल पटेल ने किफायती गेंदबाजी की। उन्होंने अपने चार ओवर में 18 रन पर एक विकेट लिया। वानिंदु हसरंगा और डेविड विली ने भी एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बेंगलुरु ने 55 रन की अच्छी शुरुआत की। लेकिन इसके बाद उसने 87 रन तक जाते जाते उसने पांच विकेट गंवा दिए। फ़ाफ़ डुप्लेसी ने 29 और अनुज अनुज रावत ने 26 रन बनाए। विराट कोहली पांच रन बनाकर रन आउट हुए। पांच विकेट गिरने के बाद कार्तिक और शाहबाज ने मोर्चा संभाला। शाहबाज ने 26 गेंदों पर 45 रन में चार चौके और तीन छक्के लगाए जबकि कार्तिक ने 23 गेंदों पर 44 रन में सात चौके और एक छक्का लगाया। हर्षल पटेल ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर विजयी छक्का मारा। कार्तिक को उनकी मैच विजयी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

### आईपीएल 2022 अंक तालिका

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक | रन रेट |
|---|---|---|---|---|---|
| राजस्थान | 03 | 02 | 01 | 04 | 1.218 |
| कोलकाता | 03 | 02 | 01 | 04 | 0.843 |
| गुजरात | 02 | 02 | 00 | 04 | 0.495 |
| पंजाब | 03 | 02 | 01 | 04 | 0.238 |
| लखनऊ | 03 | 02 | 01 | 04 | 0.193 |
| बेंगलुरु | 03 | 02 | 01 | 04 | 0.159 |
| दिल्ली | 02 | 01 | 01 | 02 | 0.065 |
| मुंबई | 02 | 00 | 02 | 00 | -1.029 |
| चेन्नई | 03 | 00 | 03 | 00 | -1.251 |
| हैदराबाद | 02 | 00 | 02 | 00 | -1.825 |

### स्कोर बोर्ड

| राजस्थान रॉयल्स | रन | गेंद | 4/6 |
|---|---|---|---|
| बटलर नाबाद | 70 | 47 | 0/6 |
| यशस्वी बो. विली | 04 | 06 | 0/0 |
| पड़िक्कल बो. कोहली. बो. हर्षल | 37 | 29 | 2/2 |
| सैमसन कै. एवं बो. हसरंगा | 08 | 08 | 0/1 |
| हेटमायर नाबाद | 42 | 31 | 4/2 |

**अतिरिक्त: 8 कुल:** 20 ओवर में तीन विकेट पर 169 रन **विकेट पतन:** 1-6, 2-76, 3-86, **गेंदबाजी:** मोहम्मद सिराज 4-0-43-0, डेविड विली 4-0-29-1, आकाश दीप 4-0-44-0, वानिंदु हसरंगा 4-0-32-1, हर्षल पटेल 4-0-18-1,

| रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु | रन | गेंद | 4/6 |
|---|---|---|---|
| डु प्लेसिस कै. बोल्ट बो. चहल | 29 | 20 | 5/0 |
| अनुज रावत कै. सैमसन बो. सैनी | 26 | 25 | 4/0 |
| विराट कोहली रन आउट | 05 | 06 | 0/0 |
| डेविड विली बो. चहल | 00 | 02 | 0/0 |
| रदरफोर्ड कै. सैनी बो. बोल्ट | 05 | 10 | 0/0 |
| शाहबाज बो. बोल्ट | 45 | 26 | 4/3 |
| दिनेश कार्तिक नाबाद | 44 | 23 | 7/1 |
| हर्षल पटेल नाबाद | 09 | 04 | 0/1 |

**अतिरिक्त: 10, कुल:** 19.1 ओवर में छह विकेट पर 173 रन **विकेट पतन:** 1-55, 2-61, 3-62, 4-62, 5-87, 6-154 , **गेंदबाजी:** ट्रेंट बोल्ट 4-0-34-2, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-40-0, रविचंद्रन अश्विन 4-0-39-0, युजवेंद्र चहल 4-0-15-2, नवदीप सैनी 3-0-36-1, यशस्वी 0.1-0-6-0,

### आज का मुकाबला

शाम 7:30 बजे

कोलकाता नाईट राइडर्स — बनाम — मुंबई इंडियंस

### बटलर ने पूरा किया छक्कों का शतक

राजस्थान के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने आईपीएल में छक्कों का अपना शतक पूरा कर लिया है। सलामी बल्लेबाज बटलर ने केवल 67 पारियों में ही अपने आईपीएल में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए हैं। बटलर अब आईपीएल में 100 छक्के लगाने वाले 25वें बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने साथ ही इस मामले में वीरेंद्र सहवाग के 99 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने आईपीएल के 67 मैचों में अब तक 2103 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम दो शतक और 11 अर्धशतक दर्ज हैं। बटलर आईपीएल में अब तक 200 से ज्यादा चौके लगा चुके हैं। आईपीएल में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड अभी विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम हैं। गेल ने आईपीएल में 142 मैचों की 141 पारियों में सबसे ज्यादा 357 रन छक्के लगाए हैं।

# लक्ष्य और मालविका कोरिया ओपन के दूसरे दौर में

**लक्ष्य ने चोई जी हून को 14-21, 21-16, 21-18 से हराया**

**सुनचियोन।** भारतीय युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती खिलाड़ी मालविका बंसोद ने तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मैचों में जीत दर्ज करके मंगलवार को यहां कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्रमशः पुरुष और महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

सेन ने जहां स्थानीय खिलाड़ी चोई जी हून से मिली कड़ी चुनौती से पार पाकर 14-21, 21-16, 21-18 से जीत दर्ज की वहीं बंसोद ने चीन की हान युइ को 20-22, 22-20, 21-18 से हराया। पुरुषों के एकल स्पर्धा में हालांकि भारत के एचएस प्रणॉय को पहले ही दौर में हारकर बाहर होना पड़ा है। उन्हें मलयेशिया के चेएम जून वेई के हाथों 21-17, 21-7 से शिकस्त मिली। जर्मन ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने वाले और यहां छठी वरीयता प्राप्त सेन अगले दौर में इंडोनेशिया के शेसर हिरेन रुस्तवितो से भिड़ेंगे। जनवरी में सैयद मोदी सुपर 300 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली गैरवरीयता प्राप्त बंसोद का अगला मुकाबला थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा। हालांकि स्विस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले एचएस प्रणय को मलेशिया के चीम जून वेई से 41 मिनट में 17-21, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। युगल मुकाबलों में कृष्ण प्रसाद गरगा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की पुरुष जोड़ी इंडोनेशिया के प्रमुद्या कुसुमावर्धन और येरेमिया एरिच योचे याकूब रामबिटन से 14-21, 19-21 से हार गयी। बोक्का नवनीत और बी सुमीत रेड्डी को ओंग यू सिन और टीओ ई यी की छठी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से 14-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सेन ने चोई के खिलाफ पहले गेम में शुरू में अच्छा खेल दिखाया और एक समय स्कोर 14-14 से बराबरी पर था लेकिन मलेशियाई खिलाड़ी ने लगातार सात अंक बनाकर 1-0 से बढ़त हासिल कर ली।

### भारतीय खिलाड़ी मालविका ने लगातार नौ अंक बनाकर मैच अपने नाम किया

बंसोद ने हान के खिलाफ पहले गेम में अधिकतर समय बढ़त बनाये रखी थी लेकिन आखिर में वह पिछड़ गयी और इस गेम को गंवा बैठी। दूसरे गेम में फिर से उन्होंने शुरू में अच्छा खेल दिखाया और इंटरवल तक वह 11-4 से आगे थी, लेकिन हान ने वापसी करके गेम को रोमांचक बना दिया। बंसोद के पास तीन गेम प्वाइंट थे। हान की अच्छी वापसी के बावजूद भारतीय खिलाड़ी मैच को बराबरी पर लाने में सफल रही। तीसरे गेम में बंसोद अधिक सतर्क दिखी। एक समय स्कोर 7-7 से बराबर था लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने लगातार नौ अंक बनाये और मैच अपने नाम किया।

### हॉकी इंडिया की जूनियर महिला चैंपियनशिप का आगाज छह अप्रैल से

**ग्वालियर।** शीर्ष अकादमियों के लिए दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर महिला अकादमी राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2022 का छह अप्रैल से आगाज होगा। 16 अप्रैल तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 18 टीमें भाग लेंगी।टीमों को चार पूल में बांटा जाएगा। पूल ए और पूल बी में पांच-पांच टीमें होंगी, जबकि पूल सी और पूल डी में चार-चार टीमों को रखा जाएगा। गत चैंपियन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) अकादमी को भाई बहलो हॉकी अकादमी भगता, घुमनहेरा रिसर अकादमी, एसजीपीसी हॉकी अकादमी और स्मार्ट हॉकी अकादमी, रायपुर के साथ पूल ए में रखा गया है। पूल बी में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी, जय भारत हॉकी अकादमी, राउंड ग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी, मालवा हॉकी अकादमी हनुमानगढ़ और थिरुमलवलवन हॉकी अकादमी है।

# पुजारा के काउंटी चैंपियनशिप खेलने में होगी देर

**लंदन।** रूस और यूक्रेन के बीच तनाव से उत्पन्न वीजा संबंधित मुद्दों के चलते भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ससेक्स का पहला काउंटी चैंपियनशिप मुक़ाबला नहीं खेल पाएंगे। हाल ही में भारतीय टेस्ट टीम से ड्रॉप होने और बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंधों में पदावनत होने के बाद पुजारा ने ससेक्स के लिए उनके पहले छह काउंटी मुकाबले और बाद में रॉयल लंदन कप के सीमित ओवर मैच और क्लब के एक बयान के अनुसार कुछ अन्य चार-दिवसीय मुकाबले खेलने का फैसला किया था। उम्मीद जताई जा रही थी कि पुजारा गुरुवार को नॉटिंघमशायर के खिलाफ पहले मुकाबले तक पहुंचकर इस सीज़न की शुरुआत करते लेकिन वीज़ा मिलने में देरी के चलते अब वह अगले हफ्ते डर्बीशायर के विरुद्ध मैच ही खेल सकेंगे। ससेक्स के परफॉर्मेंस डायरेक्टर कीथ ग्रीनफील्ड ने कहा, मौजूदा हालात में विदेशी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। हमने पुजारा के साथ अनुबंध में कुछ बदलाव किए थे ताकि वह और काउंटी मैच और रॉयल लंदन 50-ओवर मुकाबलों के लिए लौट सकें और इससे उनके वीज़ा में भी कुछ बदलाव करने पड़े थे।

# सुमित थाईलैंड ओपन के सेमी में

**नई दिल्ली।** भारतीय मुक्केबाज सुमित सांगवान ने मंगलनवार को थाईलैंड के फुकेत में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2022 थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि गौरव चौहान को हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती दौर में बाई मिलने के बाद अपना पहला मैच खेलते हुए सुमित पूरे मैच में अच्छी लय में दिखे। उन्होने पुरुषों के 75 किग्रा क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के तैमूर नर्सिटोव पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। दूसरी ओर गौरव (91 किग्रा) ने क्वॉर्टर फाइनल में 2018 युवा ओलंपिक चैंपियन कजाकिस्तान के एबेक ओरलबे के खिलाफ 1-4 से हार के साथ अपना अभियान समाप्त किया। एशिया, यूरोप, ओशिनिया और अफ्रीका के 74 पुरुष और 56 महिलाओं सहित 130 शीर्ष मुक्केबाजों की मौजूदगी वाले इस टूर्नामेंट में सुमित चौथे भारतीय सेमीफाइनलिस्ट बन गए हैं। अन्य तीन भारतीयों में मोनिका (48 किग्रा), आशीष कुमार (81 किग्रा) और मनीषा (57 किग्रा) शामिल है, जो पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। छह भारतीय मुक्केबाज बुधवार को एक्शन में नजर आएंगे। भाग्यबती कचारी (75 किग्रा), अमित पंघाल (52 किग्रा) और रोहित मोर (57 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में चुनौती पेश करेंगे, जबकि गोविंद साहनी (48), वरिंदर सिंह (60 किग्रा) और आशीष कुमार (81 किग्रा) फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगे।

**कजाकिस्तान के तैमूर नर्सिटोव को 5-0 से हराया, गौरव चौहान बाहर**

### आईसीसी चेयरमैन के लिए गांगुली व शाह में मुकाबला

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) चेयरमैन पद के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मौजूदा अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के बीच मुकाबला हो सकता है।

आईसीसी के मौजूदा चेयरमैन ग्रेग बार्कले अपना कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं। बार्कले नवंबर 2020 में आईसीसी के अध्यक्ष बने थे। उन्होंने भारत के शशांक मनोहर की जगह ली थी, जिन्होंने जुलाई 2020 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली और सचिव जय शाह दोनों ही आईसीसी के अगले अध्यक्ष बनना चाहते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गांगुली और शाह आईसीसी के नए अध्यक्ष बनने की रेस में आगे हैं। इन दोनों में से अगर कोई भी आईसीसी के अगले अध्यक्ष बनते हैं तो वह भारत से पांचवें ऐसे अधिकारी होंगे, आईसीसी के शीर्ष पद पर काबिज होंगे।

# इसाक के गोल से जीता सोसिदाद

**ला लिगा में एस्पेनयोल को 1-0 से शिकस्त दी**

**मैड्रिड।** अलेक्सांद्र इसाक के अंतिम क्षणों मे पेनल्टी पर दागे गए गोल की बदौलत रीयाल सोसिदाद ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में एस्पेनयोल को 1-0 से शिकस्त दी। इसाक ने दूसरे हॉफ के इंजुरी टाइम के छठे मिनट में यह गोल किया जिससे सोसिडाड पिछले छह मैचों में अपनी चौथी जीत दर्ज करने में सफल रहा। इससे वह अगले सत्र में यूरोपीय टूर्नामेंटों में जगह सुरक्षित करने के करीब भी पहुंच गया है। सोसिडाड के अब 30 मैचों में 51 अंक हो गये हैं और वह छठे स्थान पर पहुंच गया है। वह पांचवें स्थान की टीम रीयाल बेटिस से दो अंक तथा सेविला, एटलेटिको मैड्रिड और बार्सिलोना से छह अंक पीछे है। इन सभी के समान 57 अंक हैं। रीयाल मैड्रिड 12 अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर है।

### एसी मिलान व बोलोग्ना ने खेला ड्रॉ

एसी मिलान के तूफानी अंदाज के बावजूद बोलोग्ना से गोलरहित ड्रॉ खेलना पड़ा जिससे वह इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए में शीर्ष पर तीन अंक की बढ़त बनाने से चूक गया। इस परिणाम का मतलब है कि एसी मिलान दूसरे नंबर की टीम नैपोली से केवल एक अंक आगे है। अभी सात दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं। मौजूदा चैंपियन इंटर मिलान की टीम एसी मिलान से चार अंक पीछे है लेकिन उसने एक मैच कम खेला है। मिलान ने गोल करने के 33 प्रयास किये लेकिन गोल करने में नाकाम रहा। पिछले तीन मैचों में अच्छे प्रयासों के बावजूद मिलान की टीम केवल दो गोल कर पायी है। एक अन्य मैच में हेलास वेरोना ने जेनोआ को 1-0 से हराया।

### मनिका बत्रा और अर्चना कामथ महिला युगल की विश्व रैंकिंग में टॉप फाइव में शामिल

**नई दिल्ली।** मनिका बत्रा और अर्चना गिरीश कामथ की भारतीय महिला युगल जोड़ी अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की नवीनतम विश्व रैंकिंग में दो पायदान चढ़कर शीर्ष पांच में शामिल हो गई है। इस भारतीय जोड़ी के 1501 अंक हैं और वह चौथे स्थान पर पहुंच गयी है। बत्रा और कामथ ने पिछले सप्ताह डब्ल्यूटीटी दोहा 2022 टूर्नामेंट में चीनी ताइपे की जोड़ी ली यू झुन और चेंग आई चिंग से सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक हासिल किया था। चीन की वांग मन्यु और सुन यिंगशा की जोड़ी 4289 अंकों के साथ महिला युगल रैंकिंग में शीर्ष पर है।

### तस्कीन अहमद और शोरिफुल इस्लाम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

**पोर्ट एलिजाबेथ।** बांग्लादेश क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आठ अप्रैल से शुरू हो रहे दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में तेज गेंदबाजों तस्कीन अहमद और शोरिफुल इस्लाम की सेवाओं से वंचित रहेगी।समझा जाता है कि तस्कीन दाहिने कंधे में दर्द की शिकायत के बाद स्वदेश लौटेंगे, जबकि शोरिफुल को बाएं पैर की एड़ी में चोट लगी है, जिससे उन्हें टेस्ट श्रृंखला से पहले प्रशिक्षण के दौरान भी परेशानी हुई थी। दोनों खिलाड़ी चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी रखने के लिए मंगलवार को बंगलादेश के लिए रवाना होंगे।बंगलादेश टीम के फिजियो बायजेदुल इस्लाम ने मंगलवार को खुलासा किया कि तस्कीन ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन चोट की शिकायत की थी और पेन किलर लेने के बाद गेंदबाजी की थी। उन्होंने कहा, तस्कीन ने पहले टेस्ट में दूसरे दिन के खेल के दौरान दाहिने कंधे में दर्द और चलने में मुश्किल होने की शिकायत की थी।

### लखनऊ की जीत में महत्वपूर्ण साबित हो रहा यह तेज गेंदबाज, भविष्य में कर सकता है बुमराह-शमी की बराबरी

सोमवार को लखनऊ सुपरजाइंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच एक दिलचस्प मुकाबला खेला गया। लखनऊ सुपरजाइंट्स ने इस मुकाबले को 12 रन से जीत लिया। लखनऊ की इस जीत में कप्तान केएल राहुल के साथ-साथ एक खिलाड़ी की खूब चर्चा हुई। वह खिलाड़ी है तेज गेंदबाज आवेश खान। इस मुकाबले में आवेश खान ने खरतनाक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 24 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। आवेश खान के इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें मैन ऑफ द मैच अवार्ड भी दिया गया। आवेश खान ने अपनी गेंदबाजी के दौरान हैदराबाद के बल्लेबाजों को खुलकर स्ट्रोट खेलने नहीं दिया और काफी किफायती गेंदबाजी की। आवेश खान ने 18 ओवर की पहली गेंद पर छक्का खाने के बावजूद भी उस ओवर में दो सफलताएं अर्जित की और किफायती गेंदबाजी की। लखनऊ की जीत में यह ओवर टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। 25 वर्षीय युवा गेंदबाज टीम इंडिया के लिए भी दो टी-20 मुकाबले खेल चुका है। दो मुकाबलों में से 2 विकेट हासिल हुए हैं। लेकिन इसे भविष्य का तेज गेंदबाज माना जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि आने वाले दिनों में आवेश खान टीम इंडिया के लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के विकल्प बन सकते हैं। आवेश खाने 2021 के आईपीएल में भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 16 मुकाबलों में 24 विकेट चटकाए थे। उस समय आवेश खान दिल्ली कैपिटल्स के सदस्य थे। लेकिन इस बार लखनऊ सुपरजाइंट्स ने आवेश को 10 करोड़ में खरीदा है। आवेश की बेस प्राइस 20 लाख थी। ऐसे में उन्हें 50 गुना ज्यादा कीमत हासिल हुई है। आईपीएल में आवेश ने अपना पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेला था। इस साल के आईपीएल में फिलहाल आवेश खान ने तीन मुकाबले खेले हैं और 8 विकेट चटकाए है। पर्पल कैप की रेस में वह दूसरे नंबर पर हैं। युवा तेज गेंदबाज आवेश खान को लगता है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसे टूनार्मेंट में गेंदबाजों को किसी तरह की राहत मिलने की संभावना नहीं है और दबाव से अच्छी तरह से पार पाना उनके लिये सफलता की कुंजी है। आवेश ने कहा कि आईपीएल में गेंदबाज होने के कारण आप पर प्रत्येक मैच में दबाव रहता है और आप उससे कैसे पार पाते हैं यह महत्वपूर्ण है। मैंने कभी नहीं सोचा कि मैं टीम का मुख्य गेंदबाज हूं। मैं हमेशा टीम के लिये विकेट लेने की कोशिश करता हूं।

## ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी, मेग लैनिंग और राशेल हेन्स भी टॉप सिक्स में शामिल

# आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची एलीसा हीली

**दुबई।** न्यूजीलैंड में रविवार को संपन्न 2022 आईसीसी महिला विश्व कप की सर्वाधिक रन स्कोरर रहीं ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गई हैं।

हीली ने फाइनल में 170 रन की यादगार पारी की बदौलत चार स्थानों की छलांग के साथ आईसीसी द्वारा जारी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर कब्जा किया है। हीली के साथ चार ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टॉप छह में बरकरार हैं, जिनमें बेथ मूनी, कप्तान मेग लैनिंग और राचेल हेन्स शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि हेन्स 497 रनों के साथ हीली के बाद 2022 महिला विश्व कप की दूसरी सर्वाधिक रन स्कोरर रही थीं। रैंकिंग में मूनी तीसरे, लैनिंग पांचवें और हेन्स छठे स्थान पर मौजूद हैं। इस बीच इंग्लैंड की स्टार ऑलराउंडर नताली साइवर को भी रैंकिंग में तीन स्थानों का फायदा हुआ है। साइवर 2022 विश्व कप फाइनल में 148 रनों की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के चलते उन्हें ऑलराउंडर रैंकिंग में भी फायदा हुआ है। वह ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी को पछाड़ कर नंबर एक ऑलराउंडर बन गई हैं। इस बीच इंग्लैंड की लेफ्ट आर्म स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बरकरार हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं शबनीम 14 विकेट चटका कर दूसरी सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाजी बनीं थीं। इंग्लैंड की अनुभवी स्विंग-गेंदबाज अन्या श्रुबसोल को गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ हैं। विश्व कप के सेमीफाइनल में 27 रन पर दो और फाइनल में 46 रन पर तीन विकेट के शानदार प्रदर्शन के बाद वह पांच स्थानों की छलांग से आठवें नंबर पर पहुंच गई हैं।

### भारतीय महिला कप्तान मिताली राज एक पायदान खिसकीं

भारतीय कप्तान मिताली राज बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से सातवें स्थान पर खिसक गई जबकि स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं। हाल में संपन्न महिला विश्व कप में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में नाकाम रही मिताली के 686 रेटिंग अंक हैं। वह विश्व कप में सात मैच में 26 की औसत से 182 रन की बना सकी थी। मंधाना ने विश्व कप में सात मैच में 46.71 की औसत से 327 रन बनाए जिससे उनके 669 अंक हो गए हैं। टूर्नामेंट में उनका सर्वोच्च स्कोर 123 रन रहा। भारतीय उप कप्तान हरमनप्रीत कौर भी एक स्थान के फायदे से 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरमनप्रीत विश्व कप में सात मैच में 318 रन के साथ भारत की दूसरी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहीं।

### आईसीसी ने घोषित की महिला वनडे वर्ल्ड कप टूर्नामेंट ऑफ द टीम

**दुबई।** चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की चार खिलाड़ियों को हाल में संपन्न हुए आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के प्रदर्शन के आधार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टीम में शामिल किया गया है, लेकिन लीग चरण से बाहर होने वाली मिताली राज की अगुवाई वाली भारतीय टीम की कोई भी खिलाड़ी इसमें जगह नहीं बना पाई। टीम में ऑस्ट्रेलिया की चार खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई एलिसा हीली भी शामिल हैं जिन्होंने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 170 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। **आईसीसी टूर्नामेंट ऑफ द टीम:** मेग लैनिंग (कप्तान), एलिसा हीली (विकेटकीपर), राशेल हेन्स, बेथ मूनी (सभी ऑस्ट्रेलिया), लौरा वोल्वार्ट, मैरिजान कैप, शबनीम इस्माइल (सभी दक्षिण अफ्रीका), सोफी एक्लेस्टोन, नेट शिवर (दोनों इंग्लैंड), हेली मैथ्यूज (वेस्टइंडीज), सलमा खातून (बांग्लादेश)। बारहवां खिलाड़ी: चार्ली डीन (इंग्लैंड)।

# पूर्व सांसद राधेमोहन सिंह ने गम्भीर आरोप लगाते हुए छोड़ा सपा का दामन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद राधेमोहन सिंह ने शास्त्रीनगर स्थित अपने आवास पर आज दिन बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि समाजवादी पार्टी

को जिले में माफिया एवं गुंडा राज द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसे गाजीपुर की पूरी जनता जान रही है। आप लोगों के माध्यम से मुझे गाजीपुर के सभी समाजवादियों को यह बनाता है कि प्रारंभ से लेकर 2022 तक पार्टी को मैने मां का दर्जा दिया और अब तक मेरा पूरा राजनैतिक जीवन समाजवादी पार्टी में व्यतीत हुआ और निष्कलंकित रहा है। लेकिन आज मैं समाजवादी पार्टी से त्यागपत्र दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि 2014-17 और 19 तक के चुनाव में मैने पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी रखी और इस बात को दावे के साथ कह सकता हूं कि पूरे जनपद में आपको कोई भी ऐसा नहीं मिलेगा, जो मेरी निष्ठा पर संदेह करें। मैने 2021 में जिला पंचायत का टिकट मांगा, वह भी इसलिए कि वह चुनाव एक ऐसे परिवार के विरुद्ध, जिससे गाजीपुर में किसी की ऐसी हैसियत नहीं है कि कोई लड़ सके। लेकिन यही अफजाल अंसारी ने सपना सिंह को जीताने के लिए ओमप्रकाश राजभर को भेजा एवं मुस्लिम गांवों में अपने शार्गिदों को भेजकर जिला पंचायत चुनाव में प्रचार कराया। मेरी ताकत और क्षमता यह भी थी कि स्व. तेजबहादुर सिंह को लेकर पूरा परिवार हास्पिटल में था, तब महज 31 वोटों से हारा नहीं, हराया गया हूं, जिसका न्याय न्यायालय करेगा। आगे उन्होंने कहा कि मेरे बड़े भाई जो एक समाजसेवी थे, जिनको उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए नामित किया गया, उनके निधन के उपरांत शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए पार्टी का कोई व्यक्ति नहीं आया। उनहोनर कहा कि 9 अप्रैल को एमएलसी का जो चुनाव हो रहा है और जिस जिले ने आपको सात विधायक दिए गए और साथ में अफजाल अंसारी है तो यह चुनाव उसी तरह का हो रहा है, जैसे जिला पंचायत का हुआ था। समाजवादी पार्टी के निष्ठानवान एवं गरीब कार्यकर्ता (प्रधान, बीडीसी) चंदा लगाकर व निःशुल्क वोट दे रहे हैं। वहीं अपका जिला नेतृत्व क्या कर रहा है, इसका पता 12 अप्रैल को चल जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि हमारी पत्नी को जिला पंचायत का टिकट गाजीपुर नेतृत्व ने क्यों नहीं दिया। अगर आप इस मामले में कोई कार्यवाही किए होते तो शायद मैं भी बिना पद के पार्टी में रहता, लेकिन आपको जिसके ऊपर कार्यवाही करनी थी, उन लोगों को सम्मानित करने का काम किया। राधे मोहन सिंह ने कहा कि इन समस्त बिंदुओं पर ध्यान देने से मुझे ऐसा लग रहा है कि शायद आपको तथा आपकी पार्टी को अब मेरी जरूरत नहीं है।

# देश के करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति का साधन बनी भाजपा

प्रखर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी के 42 में स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम सभा झाझूपुर में कोटेदार संघ के प्रदेश अध्यक्ष गिरीश तिवारी के आवास पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पार्टी का स्थापना

दिवस मनाया गया जिसमें किसान मोर्चा के जिला महामंत्री पवन चौबे ने भाजपा की स्थापना करने वाले नेताओं को सिलसिलेवार याद किया । इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार की योजनाओं और योगी सरकार, की उपलब्धियों के बारे में भी बताया भाजपा के 42 वें स्थापना दिवस पर खुद को तिल तिल जलाकर भाजपा को वटवृक्ष बनाने वाले सभी महापुरुषों को नमन ।भाजपा की यह 42 वर्षों की यात्रा राष्ट्र सेवा, राष्ट्र उत्थान व राष्ट्रीय पुनर्निर्माण कि यात्रा रही है । और 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सात दशकों से वंचित देश के करोड़ों गरीबों, किसानों, वंचितों और महिलाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति का साधन बनी है । वही गिरीश तिवारी ने कहा आज हमें गर्व की अनुभूति हो रही है, कि हम ऐसे दल के कार्यकर्ता हैं। जो राष्ट्र हित को ही सर्वोपरि मानता है, उन्होंने पार्टी के द्वारा दिए गए नारे सबका साथ ,सबका विकास और सबका विश्वास एवं सब के प्रयास को सराहते हुए। आम जनमानस तक जो पार्टी ने सेवा का नया आयाम स्थापित किया है ,इससे देश का हर एक नागरिक लाभान्वित हो रहा है। इस अवसर पर विवेक शुक्ला पवन चौबे गिरीश तिवारी पुजारी दरोगा संदीप मिश्रा रितेश चंदन सेठ सुरेंद्र कुमार सहित कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे ।

## भाजपा का मना 42वां स्थापना दिवस

प्रखर खानपुर गाजीपुर। क्षेत्र के जमीन संदल गाँव में भारतीय जनता पार्टी के सैदपुर पश्चिमी मण्डल द्वारा

पार्टी की 42वीं स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, कार्यक्रम की शुरूआत जिला कार्य समिति सदस्य महेंद्र सिंह ने पार्टी का ध्वजारोहण कर किया तत्पश्चात बन्देमातरम गान के बाद प्रभात फेरी निकाली गयी और कार्यक्रम का समापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभिभाषण के साथ हुआ। कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष श्याम कुंवर मौर्य महामंत्री अचल सिंह बलिराम प्रसाद माधवेंद्र सिंह शिवम् राधाविनोद तिवारी कृष्णमोहन पाण्डेय बाबूलाल यादव संतोष भारद्वाज कन्हैयालाल बिन्द आदि उपस्थित रहे।

## थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बेटे से बिछड़ी मां को मिलाया

प्रखर दानगंज वाराणसी। प्रभारी निरीक्षक चोलापुर राजीव कुमार सिंह के अथक प्रयास ने 24 घण्टे के अंदर बेटे को बिछड़ी बूढ़ी और बीमार मां से मिलवा दिया।दरअसल तेवर (बरैछ) निवासिनी राधिका देवी(80) अपने घर से मंगलवार की शाम निकली और रास्ता भटक गई थी। बीमार और बुजुर्ग इतनी कि वह अपना और अपने परिजनों का नाम पता नही बता सकता थी। माँ के गुमशुदा होने की जानकारी उनके बेटे ने चोलापुर पुलिस को दी। जानकारी मिलने के बाद चोलापुर पुलिस ने खोजबीन जारी कर दी। प्रभारी निरीक्षक चोलापुर देर रात से बुधवार दोपहर तक लगातार खोजबीन में लगे रहे।

# विकासखंड मोहम्मदपुर में सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में बुधवार को मनाया गया भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस

प्रखर गंभीरपुर/आजमगढ़। विकासखंड मोहम्मदपुर के मोहम्मदपुर में सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी का स्थापना बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक अध्यक्ष भाजपा नेता विजय कुमार विश्वकर्मा सर्वप्रथम ध्वजारोहण किए उसके उपरांत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी व अटल बिहारी बाजपेई जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश मधुकर व संचालन सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के प्रधानाध्यापक कार्तिक मिश्रा ने किया। अपने संबोधन में विजय कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी पार्टी के प्रथम अध्यक्ष पूर्व प्रधानमंत्री

स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई जी थे। स्थापना के बाद पार्टी सबका साथ सबका विकास के भाव से कार्य करते हुए निरंतर आगे बढ़ रही है इस समय हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी व भारत देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी जी द्वारा चलाई जा रही अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देश प्रदेश के हर आखिरी व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के पहुंच रहा है। इस मौके पर राजेश मोदनवाल, शिव लाल यादव, रवि मिश्रा, राजू चौहान, जितेंद्र मद्धेशिया, सहावल यादव, लालबाबू, प्रिंस यादव, राजेश, राम सिंह मौर्य, सुनील कुमार, शकुंतला चौहान, अवधेश चौहान, अरविंद यादव, समीर चौहान, अक्षय कुमार समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# देवकली पहाड़पुर के प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री सुदर्शन यादव हुए सेवानिवृत्त, शिवदासिचक पर विदाई समारोह का हुआ आयोजन

प्रखर गाजीपुर। देवकली ब्लॉक में आज दिनाँक 5 अप्रैल मंगलवार को न्यायपंचायत पहाड़पुर के प्राथमिक विद्यालय शिवदासिचक पर विदाई समारोह

का आयोजन किया गया।प्राथमिक विद्यालय शिवदासिचक से 31 मार्च 2022 को सेवानिवृत्त होने वाले प्रधानाध्यापक श्री सुदर्शन सिंह यादव जी का स्वागत किया गया । सुदर्शन जी ने बेसिक शिक्षा विभाग में 22 वर्षो तक अपनी सेवा दी । विभाग में प्रारम्भ के दिनों में वो चंदौली जिले में नियुक्त हुए थे बाद में उनको गाजीपुर जिले में अध्यापन का दायित्व सौपा गया । सुदर्शन जी बहुत ही सरल और धैर्यवान व्यक्ति थे अपने स्वभाव के कारण बच्चों और शिक्षकों के बीच उनकी अलग पहचान थी। कार्यक्रम का संचालन हेड शिक्षक संकुल देवकली श्री विपिन कुमार शुक्ल ने किया । कार्यक्रम का आयोजन पहाड़पुर हेड शिक्षक संकुल मणि कान्त चौबे के नेतृत्व में न्याय पंचायत पहाड़पुर के सभी शिक्षकों ने मिलकर किया । उक्त कार्यक्रम में पी एस एस देवकली के अध्यक्ष दीपक जायसवाल , यू पी एस एस देवकली के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह , तपसा देवकली के अध्यक्ष दीवाकर सिंह , देवकली ब्लॉक के सभी ए आर पी चंदन सिंह, संतोष सिंह यादव, पारस नाथ चौहान और रूपेंद्र दुबे , सूर्यभान यादव ,अशोक यादव पहाड़पुर न्याय पंचायत के सभी शिक्षक और शिक्षिकायें उपस्थित रहीं।कार्यक्रम के दौरान सभी शिक्षक भावुक हो गए । इस दौरान श्री सुदर्शन जी भी भावुक रहे एक तरफ उन्हें जहां एक लंबे समय तक विभाग में सकुशल सेवा देकर आत्मसंतोष की भावना थी तो वही दूसरी तरफ एक बड़े परिवार से औपचारिक तौर पर दूर होने का दुःख भी था ।कार्यक्रम के अंत मे श्री सुदर्शन सर को स्मृति चिन्ह देकर अभिवादन किया गया तथा समय समय पर उनके मार्गदर्शन और सहयोग का वादा लिया गया।

## घर पर खड़ी वैगनार गाड़ी व बाइक में आग

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा हाजीपुर दुमितवाँ के रहने वाली वंदना शर्मा पत्नी आनंद राय के घर पर गाड़ी खड़ी थी। रात को अचानक 1:30 बजे वैगनार गाड़ी में आग लग गई।तभी घर का दरवाजा खोल कर आनंद राय के पिता लालजी राय ने देखा गाड़ी में आग लग गई है। तुरंत घर में सभी सदस्यों को उठाया। किसी तरह एक घंटा कड़ी मेहनत करने के बाद आग बुझा पाये।तभी रात में गश्त पर निकले चोलापुर पुलिस द्वारा आग को देखकर गाड़ी को घुमा कर मौके पर पहुंच कर देखा तो गाड़ी में आग लगी हुई थी।उनके पहुचने पर आग को पानी से बुझाया गया।पीड़ित परिवार ने बताया कि अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ था सेकंड हैंड गाड़ी को खरीदें।गाड़ी को चार लाख रुपए में बनारस के ही किसी व्यक्ति से आनंद राय ने अपनी पत्नी वंदना शर्मा के नाम गाड़ी खरीदी थी।खड़ी गाड़ी में आग लगने से परिवार के लोग घबरा गए।आनंद राय ने बताया कि मेरे घर पर काफी समय से गाड़ी को रखते आ रहे हैं।

# भाजपा के पूर्व संगठन मंत्री संजय जोशी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

प्रखर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर संगठन मंत्री रहे संजय जोशी का जन्मदिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने वाराणसी में धूमधाम से मनाया । वाराणसी में उदय प्रताप कालेज के पूर्व महामंत्री

रहे अधिवक्ता प्रवीण रघुवंशी और उनके मित्रों ने धूमधाम से केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया ।बता दें कि कभी संजय जोशी भारतीय जनता पार्टी के ताकतवर नेता के रूप में उभर कर सामने आए थे। संघ की पृष्ठभूमि से आने वाले संजय जोशी 2014 के पहले संघ और भारतीय जनता पार्टी के बीच समन्वयक की भूमिका में रहे और भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने में बहुत बड़ी सफलता प्राप्त की। संजय जोशी का जन्म 6 अप्रैल 1962 को महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ था। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उन्होंने नागपुर की एक इंजीनियरिंग कॉलेज में लेक्चरर के तौर पर भी काम किया है। मोदी के उदय के साथ ही संजय जोशी और उनकी टकराहट खुल कर सामने आ गयी। उस दौर में संजय जोशी भाजपा संगठन के महामंत्री थे।गुजरात भाजपा के सदस्य होने के साथ-साथ भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के भी सदस्य करें। उन्होंने राष्ट्रीय महासचिव संगठन के रूप में अप्रैल 2001 से 2005 तक काम किया। भाजपा संगठन को मजबूत करने के लिए उन्होंने कई बड़े काम किए। संजय जोशी के अंदर राष्ट्रवाद की भावना भरी हुई थी। यही कारण था कि वह आरएसएस के पूर्णकालिक प्रचारक बन गए। उनके अंदर बेहतरीन संगठनात्मक कौशल था। यही कारण है 1988 में उन्हें गुजरात भाजपा में शामिल किया गया।

# समर फिल्म एंटरटेनमेंट से जुड़े 1 मिलियन लोग, मिला यूट्यूब से गोल्ड बटन गिफ्ट

प्रखर दानगंज वाराणसी। यूं तो देसी स्टार समर सिंह हमेशा एक से बढ़कर एक शानदार व जानदार गानों से करोड़ों दिलों की धड़कन बने हुए हैं, तो वहीं यूट्यूब के बादशाह भी बनकर सुर्खियां बटोरते रहते हैं. यूट्यूब पर समर सिंह की बादशाहत की भी चर्चा आम है, जिससे समय-समय पर यूट्यूब की तरफ से उन्हें शानदार प्रोत्साहन भी मिलता है. जी हां! हम बात कर रहे हैं करोड़ों दिलों के किंग समर सिंह की. उनकी कंपनी "समर फिल्म एंटरटेनमेंट" के यूट्यूब चैनल से अब तक 1 मिलियन लोग जुड़ गए हैं यानि "समर फिल्म एंटरटेनमेंट" यूट्यूब चैनल के दस लाख सब्सक्राइबर पूरे हो चुके हैं. जिससे समर सिंह के फैंस और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है. "समर फिल्म एंटरटेनमेंट" का परिवार एक मिलियन पूरे होने पर हम सभी देसी स्टार समर सिंह और उनकी पूरी टीम को बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं देते हैं। विदित हो कि जहां "समर फिल्म एंटरटेनमेंट" के यूट्यूब चैनल को एक लाख सब्सक्राइबर पूरे होने पर यूट्यूब के तरफ से यूट्यूब का सिल्वर बटन गिफ्ट मिला था तो

वहीं अब 10 लाख सब्सक्राइबर पूरे होने पर यूट्यूब का गोल्डन बटन यूट्यूब की तरफ से गिफ्ट दिया गया है. जिसे समर सिंह ने अपने सोशल अकाउंट पर शेयर करते हुए खुशी का इजहार किया है और अपने चाहने वालों और सभी शुभचिंतकों को तहेदिल से धन्यवाद भी दिया है।गौरतलब है कि एक्टर सिंगर समर सिंह ने भोजपुरी संगीत जगत में ऐसा इतिहास रचा है, जिसे वर्षों तक लोग याद रखेंगे. एल्बम म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखते ही समर सिंह ने ऐसा थ्रेसर चलाया कि सबको भोजपुरी की खाँटी मिट्टी से जुड़े गानों की ओर लौटने पर विवश होना पड़ा. जहां भोजपुरी एल्बम में लहंगा चोली के अलावा किसी भी अलबम सिंगर को कुछ सूझता ही नहीं था, वहीं देसी ब्वॉय के रूप में समर सिंह आगे आगे और अल्बम गीतों का ट्रेंड ही बदल दिया. ऐसे समय में समर सिंह देसी स्टार बन कर एल्बम मेकर्स को विवश कर दिया खेत-खलिहान भोजपुरी माटी से जुड़े एल्बम सॉन्ग बनाने के लिए. समर सिंह ने अपने कई देसी गानों में नया एक्सपेरिमेंट भी किया है, जिसे संगीतप्रेमियों ने भरपूर प्यार दिया है और सभी गाने हिट और वायरल हुए हैं. साथ ही उनके गानों पर रिकॉर्डतोड़ रील्स भी बने हैं. उनके हर गानों में नए-नए लुक काफी अट्रैक्टिव लगे हैं.

## सांसद कल देंगे छात्राओ स्मार्ट फोन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। आचार्य कृपाचार्य गुरु प्रसाद महिला महाविद्यालय दबेथुआ के बी ए तृतीय वर्ष की छात्राओं को 8 अप्रैल को दोपहर 2 बजे क्षेत्रीय भाजपा सांसद बी पी सरोज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दीपक सिंह छात्राओ को निःशुल्क स्मार्टफोन का वितरण करेंगे। उक्त सूचना प्राचार्य तीर्थमणि त्रिपाठी ने दी।

## खनन विभाग के गार्ड साहब की देते है लोकेशन

प्रखर मिजार्पुर। खनन विभाग में तैनात गार्ड देते है लोकेशन, कुछ अधिकारियों के चालको के चल रहे ओवरलोड वाहन। मिजार्पुर जनपद में इन दिनों खुलेआम ओवरलोड वाहन फरार्टा भर रहे हैं बिना अनुमति के ही शास्त्री ओवरब्रिज से ट्रेलर जैसे बड़े वाहन पास करवाए जा रहे हैं जिसमें सीधी तौर पर खनन विभाग की मिलीभगत सामने आ रही है खनन विभाग की चौकी पर तैनात कर्मचारियों के द्वारा देर रात अवैध वसूली की जाती है खनन विभाग में तैनात उच्चाधिकारियों के कुछ चालक भी अपनी खुद की ओवरलोड ट्रक चलवाते हैं साथ ही अधिकारियों के आने जाने की लोकेशन खनन विभाग में तैनात गार्ड देते हैं देर रात 10:30 बजे के बाद ओवरलोड वाहनों का खेल हो जाता है शुरू। जिसका एक निश्चित हिस्सा खनन चौकी के प्रभारी बाबू को भी मिलता है। खनन विभाग में तैनात चालक डॉक्टर पाल, गार्ड राकेश उपाध्याय, रविंद्र पाल और अशोक तिवारी की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है।

## तेज रफ्तार से पिकअप ने साइकिल सवार को मारी टक्कर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मरदह थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवा मोड़ के पास एनएच 29 पर मऊ की तरफ से तेज गति से आ रही पिकअप ने साइकिल सवार को मारी टक्कर पीड़ित घायल अवस्था में ग्रामीणों के सहयोग से मऊ स्थित एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिट्टू पांडे पुत्र बुल्ली पाण्डेय एनएच 29 पर महेंगवा की तरफ से साइकिल से आ रहा था कि पीछे से मऊ की तरफ से आ रही तेज रफ्तार से पिकअप ने धक्का मार दिया, जिससे बिट्टू पांडे बुरी तरह जख्मी हो गया। वही ग्रामीणों द्वारा पिकअप चालक को मय पिकअप पकड़ लिया गया और नजदीकी मरदह थाने को सूचना दिया गया। गाड़ी को कब्जे में लेकर मरदह पुलिस ने घायल को मऊ स्थित निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां घायल युवक की हालात खतरे से बाहर बताई जा रही है।

## संक्षिप्त खबरें

### विधायक के साथ कार्यकर्ताओं ने मनाया स्थापना दिवस

प्रखर कछवाँ रोड वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी राजातालाब मण्डल कार्यालय पर मिजार्मुराद में स्थापना दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के बाद डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण करने के उपरान्त मिजार्मुराद बाजार में शोभायात्रा निकाली गयी और स्व.बंशनरायन सिंह महिला महाविद्यालय में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्बोधन समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ता बन्धुओ के साथ सुना गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवापुरी विधानसभा के यशस्वी विधायक नीलरतन सिंह पटेल "नीलू" रहें। जिसकी अध्यक्षता राजातालाब मण्डल के मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बिन्द ने किया स्थापना दिवस के कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजीव गौतम ,जिला संयोजक मछुआरा प्रकोष्ठ बच्चनराम बिन्द, पूर्व नमामि गंगे जिला संयोजक सर्वेश्वर नारायण सिंह, मछुआरा प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक, मुकेश सिंह, सुनील बिन्द ग्रामप्रधान ठठरा,सतीश विश्वकर्मा, अशरफ खां, दिलीप बिन्द, सुनील वर्मा,श्याम भारतीय, चुन्नीलाल राजभर, डॉ भाईलाल राजभर, अच्छेलाल, बलिकरन बिन्द, श्रीप्रकाश उपाध्याय, शिवशंकर गुप्ता, रामलाल मौर्या, राकेश कुमार सेठ, जितेन्द्र राजभर, राजनाथ दुवे, शिवधनी पटेल आदि भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### कंदवा पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार, सूर्य किरण गया जेल

प्रखर चंदौली। जिले में पुलिस अधीक्षक चन्दौली अंकुर अग्रवाल के निदेर्शानुसार जनपद में वांछित/वारण्टी अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजीव मुखर्जी के कुशल नेतृत्व एवं क्षेत्राधिकारी सकलडीहा अनिरुद्ध सिंह के कुशल मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक थाना कंदवा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु.अ.स. 35/2022 धारा 307 भदावि बनाम अज्ञात वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी की गयी है ।गिरफ्तार अभियुक्त का नाम सूर्य किरण उर्फ शक्तिमान पुत्र धर्मराज उर्फ गुड्डू बिन्द निवासी अरंगी थाना कन्दवा जनपद चन्दौली उम्र करीब 22 वर्ष है । इसे मुखबीर की सूचना पर थाना कन्दवा के पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा निशान देही पर अभियुक्त के डेरा बहद ग्राम अरंगी से एक अदद तमंचा 12 बोर व एक अदद खोखा कारतूस 12 बोर बरामद किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार थाना स्थानीय पर उपरोक्त अभियुक्त के विरुद्ध मु.अ.सं. 39/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही। इस दौरान गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 हरिश्चन्द्र सरोज, उ0नि0 मनोज कुमार पाण्डेय, उ.नि. रामभवन यादव, हे.का. संतोष कुमार, हे.का. कृपाशंकर यादव, का. अनिल यादव सम्मलित रहे ।

### महिला महाविद्यालय में स्मार्ट फोन का वितरण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा स्थित महारानी गुलाब कुँवरि महिला महाविद्यालय में बीए व एमए थर्ड सेमेस्टर के 79 छात्राओ को मंगलवार तहसीलदार विकास पांडेय द्वारा शासन द्वारा मिले निशुल्क स्मार्ट फोन का वितरण किया गया। इस दौरान तहसीलदार ने कहाकि सरकार की मंशा है कि इसका सही सदुपयोग कर भविष्य को सवारे। इन्होंने स्मार्ट फोन प्रयोग और महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान प्राचार्या छाया पाठक , प्रवक्ता डॉ विजया मिश्रा, डॉ जिलाजीत जैसवारा, डॉ रखी अस्थाना व चरणजीत सिंह समेत अनेक शिक्षक रहे।

### भाजपा धरा से उठी देश और समाज की पार्टी- जयप्रकाश ठाकुर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। भाजपा के स्थापना दिवस पर पिंडरा विस क्षेत्र में विविध कार्यक्रम हुए। सिंधोरा मण्डल के खालिसपुर में महाराष्ट्र के प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश ठाकुर के नेतृत्व में झंडारोहण के साथ झंडा यात्रा निकाली जो खालिसपुर से मानी गांव गई। उसके बाद बाद कार्यकताओं ने पीएम मोदी के सम्बोधित को सुना। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश ठाकुर ने कहाकि भाजपा अब एक पार्टी नही अपितु पूरे देश व समाज के सभी वर्गों की पार्टी बन चुकी है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, संजीव सिंह, महेश सिंह, डॉ शिवा सिंह, संजय सिंह, जितेंद्र दुबे व सुरेश पांडेय रहे। पिंडरा स्थित हरियाली गार्डेन में मण्डल अध्यक्ष मनीष पाठक द्वारा झंडारोहण के साथ वन्देमातरम हुआ। उसके बाद से डीजे व झंडे के साथ दर्जनो कार्यकर्ता उत्साह में एक छोर से दूसरे छोर तक गए। बीच बाजार स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर परिसर में भाजपा नेता कृष्ण कुमार उर्फ रामु गुप्ता के नेतृत्व में 5 किलो का केक काटा गया। इस दौरान कार्यकर्ताओ ने एक दूसरे को केक खिलाया और भाजपा के समर्थन में खूब नारे लगाए। उसके बाद भ्रमण यात्रा अंतिम छोर स्थित एक लॉन में पहुची और पीएम मोदी का सम्बोधन सुना। इस दौरान अनिल चौबे,रामू, गुप्ता, अरुण सिंह बिन्नी , संतोष सिंह,अवधेश मिश्र, इलाका सिंह, अनिल मौर्य, अंशु चौबे, विवेक गुप्ता समेत दर्जनो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### आटो चालक रामकुमार पाल को आटो स्टेण्ड ठीकेदार ने पर्ची काटने को लेकर किया मारपीट चालक बुरी तरह घायल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सिगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कैंट स्टेशन कमलापति के पास आटो चालक रामकुमार पाल और नगर निगम के ठेकेदार से 20 रुपये की रसीद को लेकर कुछ कहासुनी हुई जिसपर ठेकेदार ने आटो चालक को बुरी तरह मारपीटकर घायल कर दिया घायल आटो चालक किसी तरह अपनी जान बचाते हुए आटो यूनियन के पास पहुंचा और अपने साथ हुए हादसों के बारे में आटो यूनियन के अध्यक्ष को बताया आटो चालक के साथ हुए दुर्व्यवहार की खबर मिलते ही संगठन के सभी पदाधिकारी मौके पर मौजूद हुए जिसके बाद घायल आटो चालक रामकुमार पाल को लेकर सिगरा थाने पहुंचकर अपने साथ हुए मारपीट को एक प्रार्थना पत्र दिया घटना के आधार पर प्रार्थना पत्र को लेकर सिगरा पुलिस द्वारा मेडिकल के लिये कबीरचौरा मण्डलीय चिकित्सालय भेजा गया और पुलिस ठीकेदार के खिलाफ कार्यवाही में जुट गयी है।

# स्थापना दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला शोभायात्रा, किया ध्वजारोहण

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। भारतीय जनता पार्टी का 42वां स्थापना दिवस भाजपा कार्यकताओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, इस अवसर

अहरौरा मंडल के कार्यकताओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को सुबह मंडल अध्यक्ष महेन्द्र अग्रहरि द्वारा सबसे पहले महापुरुषो के चित्र पर माल्यापर्ण किया गया, तत्पश्चात मंडल अध्यक्ष द्वारा मंडल कार्यालय पर पार्टी का ध्वजारोहण किया गया, इसके बाद सैकड़ों कार्यकर्ता ढोल तासे के साथ निर्धारित रूट पर शोभायात्रा निकाला गया जो पार्टी कार्यालय से निकल सत्यानगंज, चौक बाजार गंज, चौक दक्षिणी तकिया, टिकरा खरंजा होते हुये पुनः पार्टी कार्यालय पर आकर समाप्त हुआ, इसके बाद मंडल अध्यक्ष द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन किया, बन्दे मातरम गायन के बाद सैकडो की संख्या मे कार्यकताओं ने प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का वर्चुअली उद्बोधन सुना, कार्यक्रम के अंत में लगभग तीन सप्ताह चलने वाले माइक्रो डोनेशन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमे सैकडो कार्यकताओं ने नमः एप के माध्यम से हजारो रुपये का डोनेशन पार्टी फंड मे दिया गया, इस अवसर पर उपस्थित रहने वाले प्रमुख कार्यकताओं मे पारस नाथ अग्रहरि ओम प्रकाश केशरी जयकिशन जायसवाल संतोष पटेल उमेश केशरी कृष्णा तिवारी मनोज सोनकर रमेश पटेल संतोष कुमार सिंह पटेल आशीष अग्रहरि विनोद सोनकर विनोद पटेल दीलिप अग्रहरि श्वेता सिंह माखन सिंह जगत सिंह अमित शाह वेदप्रकाश भारती राघवेंद्र प्रताप सिंह प्रमोद मौर्या संतोष गुप्ता योगेश पटेल रामशरन पटेल सहित सैकड़ों की संख्या मे कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## मिजार्पुर के लालगंज में सरकारी हैंडपंप से पानी लेने को लेकर हुआ विवाद, पूर्व प्रधान के परिवार ने दो को किया घायल

प्रखर मिजार्पुर। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बरकक्ष गांव स्थित पंचायत भवन में लगे सरकारी हैंडपंप से पानी लेने लेकर हुए विवाद में गांव के पूर्व प्रधान एवं उनके परिवार के लोगों ने लाठी डंडे एवं धारदार हथियार से प्रहार कर गांव के दो लोगों को बुरी तरह से घायल कर दिया है। जिन्हें उपचार के भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार बरकक्ष गांव निवासी ओम प्रकाश गिरी पुत्र स्वर्गीय चंद्र मोहन गिरी उनके बड़े भाई दीपक गिरी बुधवार को सुबह तकरीबन 8 बजे हैंडपंप से पानी लेने गए थे। जहां पानी लेने से मना करने के साथ ही पूर्व प्रधान काशीनाथ के परिवार की महिलाएं और अन्य सदस्य मारपीट करने के साथ ही लाठी डंडा एवं अन्य धारदार हथियार लेकर उनके घर पर चढ़ आये। जब तक ओमप्रकाश के परिवार के लोग कुछ समझ पाते कि पूर्व प्रधान काशीनाथ उनके बेटे बबलू एवं उनके परिवार की महिलाओं ने जमकर उत्पात मचाना शुरू कर दिया लाठी डंडे धारदार हथियार से हमला बोलकर ओम प्रकाश गिरी व दीपक गिरी को घायल कर दिया। मौके पर जुटे लोगों द्वारा किसी प्रकार बीच बचाव कर घायलों को उपचार के लिए लालगंज स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया। मामले की सूचना लालगंज कोतवाली पुलिस को देते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। बताते चलें कै पूर्व ग्राम प्रधान काशीनाथ पटेल काफी दबंग किस्म के हैं, बीते वर्ष गांव निवासी एक पत्रकार एवं उनके के लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया गया था। इसी प्रकार पूर्व में अवैध रूप से गौशाला का संचालन भी किया जा रहा था जंगल की जमीन को कब्जा कर जहां कई गायों की मौत हो गई थी। पूर्व ग्राम प्रधान एवं उनके परिवार के बढ़ते आतंक से ग्रामीण दहशत में हैं। आश्चर्य की बात है कि तमाम शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई ना होने से ग्राम प्रधान कै हौसले बुलंद बने हुए हैं। ग्रामीणों ने दबी जुबान से पूर्व ग्राम प्रधान एवं मौजूदा ग्राम प्रधान संपूर्ण कार्यों की कि निष्पक्ष ढंग से जांच कराए जाने की मांग की है।

## गोरखनाथ मंदिर में हमले के बाद इंटेलिजेंस ब्यूरो ने जौनपुर में डाला डेरा

प्रखर जौनपुर। गोरखनाथ मंदिर में दो दिन पूर्व हथियार लेकर हमला करने के आरोपित मुर्तजा अब्बासी का जौनपुर कनेक्शन सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता इस जिले में विशेष तौर पर बढ़ गई है। मुर्तजा अब्बासी का जौनपुर जिले से जुड़े तार को खंगाल रही सुरक्षा एजेंसियों की एक टीम ने जिले में डेरा डाल दिया है। मुर्तजा के जौनपुर कनेक्शन मामले में पुलिस भी अब सक्रिय हो गई है। आतंकी कनेक्शन को लेकर एटीएस की ओर से मुर्तजा के करीबी लोगों के घर नगर के कटघरा मोहल्ले में पड़ताल की सूचना के बाद से ही सुरक्षा दस्ता सतर्क हो गया है। दरअसल गोरखपुर जिले में गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित गुरु गोरखनाथ परिसर में रविवार को हमला करने की नीयत से घुसे मुर्तजा अब्बासी का जौनपुर जिले में कनेक्शन सामने आया है। इस घटना में पकड़े गए मोहम्मद मुर्तजा अब्बासी को लेकर जौनपुर

**हमले के आरोपित मुर्तजा अब्बासी का जौनपुर कनेक्शन, एटीएस के रडार पर संदिग्ध**

जिला अब इंटेलिजेंस ब्यूरो और एटीएस के निशाने पर आ गया है। टीम के सूत्रों के अनुसार मुर्तजा अब्बासी के कई करीबी रिश्तेदार और संबंधी जौनपुर जिले में रहते हैं। माना जा रहा है कि पूछताछ के दौरान मुर्तजा से मिले सूत्रों की पड़ताल करते हुए ही एटीएस की टीम ने जौनपुर जिले में दस्तक दी है। इस बाबत पुलिस सूत्रों का कहना है कि एटीएस की एक टीम जौनपुर पहुंचकर नगर के कटघरा मोहल्ला सहित तारापुर कालोनी आदि इलाकों में मुर्तजा के संबंध को खंगाल रही है। हालांकि, अभी तक न तो टीम और न ही मुर्तजा के संपर्क वालों का ही पता चल सका है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक नगर डा संजय कुमार ने बताया कि इस संबंध में अभी तक मुझे कोई जानकारी नहीं है। न ही पुलिस से इस संबंध में कुछ विवरण ही मांगा गया है। एटीएस आई है या नहीं, इसके बारे में भी कुछ नहीं बता सकता। वहीं जिले में एटीएस की मौजूदगी को लेकर एक दिन पूर्व से ही सुगबुगाहट बनी हुई थी।

## संगठनों ने मधुमेह के बढ़ते मरीजों को लेकर जताई चिंता

प्रखर वाराणसी। मधुमेह पर कार्य करने वाली सभी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को भारत मे बढ़ रहे मधुमेह की संख्या ने चिन्तित कर रखा है,,इसका मौलिक कारण आज की बदलती जीवन शैली या यू कहे आधुनिक जीवनशैली।आखिर मौलिक रूप से बदलाव हुआ क्या है? तो अनेक शोध से सिद्ध हुआ कि डिब्बाबंद भोज्य पदार्थ के साथ-साथ बिना भूख या जरूरत के बार बार खाने की आदत। श्रम का ना करना, मशीनीकरण वाली जीवनशैली का आदि होना। इस से भारतीय लोगो को बचाने के लिए डायबिटीज अवेयरनेस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉक्टर जे पी मिश्रा द्वारा इट्स ऑल अबाउट कार्बोहाइड्रेट काउंटिंग पुस्तक को लिखा गया। इसका विमोचन 30/3/22 को नई दिल्ली स्थिति एक होटल में किया गया जिसमें श्री लक्ष्मी नारायण भाला (स्वास्थ्य सचेतक और समाज सेवी ) के संग देश के

जाने माने मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ स्वाति , डॉ सुमित अरोरा, डॉक्टर स्मिता रामचंद्रन, डॉ संजय राजपाल , डॉक्टर मुक्ता , डॉक्टर आरडी दबास और डॉक्टर अमित जैनने गणमान्य अतिथियों के उपस्थित में किया। विशेषज्ञ अतिथियों ने एक सुर में कहा कि भारतीय लोगों को ध्यान में रख कर पूर्ण रूप से भारतीय भोजन के उपयोग के प्रति सचेत करने में यह पुस्तक योगदान देगा। "its all about carbohydrate courting" पुस्तक को लिखने में डॉ जे पी मिश्रा को माय लाइफ डायबिटीज केयर टीम और डायबिटीज अवेयरनेस फाउंडेशन के टीम का पूर्ण योगदान रहा। उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ जे पी मिश्रा ने अपनी पुस्तक को अपने गुरु श्री देव प्रभाकर शास्त्री (दादा जी) को समर्पित किया है। सभी का विश्वास है कि यह पुस्तक अपना योगदान मधुमेह नियंत्रण के साथ-साथ मधुमेह से बचाने में भी देगा।

## भाजपा के नेतृत्व में देश के सर्वांगीण विकास के लिए नमामि गंगे ने उतारी मां गंगा की आरती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 18 करोड़ सदस्यों वाले विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर नमामि गंगे ने नवनिर्मित खिड़किया घाट पर राष्ट्रध्वज, भाजपा के प्रथम अध्यक्ष स्व. अटल बिहारी वाजपेयी और पीएम मोदी की तस्वीर लेकर मां गंगा की आरती उतारी । भाजपा और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश और काशी के सर्वांगीण विकास के लिए मां गंगा से आशीर्वाद मांगा ।

भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे हैं विकास को बयां कर रहे खिड़किया घाट पर सफाई कर माता की तरह हितकारिणी नदियों के संरक्षण का संदेश दिया गया । पीएम मोदी द्वारा किए गए आवाह्न जिसमें प्रमुख रूप से आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छता, नदियों के संरक्षण से जुड़ने की ओर कदम बढ़ाने के लिए लोगों से अपील की गई । नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में अनेकों परियोजनाएं देश की जनता को लाभान्वित कर रही हैं । काशी के गले में भी करोड़ों की मोतियों का हार विकास के रूप में सज रहा है । यह दृढ़ संकल्प के मोती भाजपा के मूल सिद्धांत एकात्म मानववाद, राष्ट्रवाद (हिंदुत्व ), लोकतंत्र (आंतरिक), राष्ट्रीय अखंडता, मूल्याधारित अर्थनीति के तहत निरंतर सजें इसके लिए हमने मां गंगा से प्रार्थना की है । आयोजन में प्रमुख रूप से काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला, यशस्व केसरी, प्रभु गुप्ता, दिनेश मौर्या, अजय साहनी, दीप केसरी, अमित गुप्ता, अरुण साहनी, रविंद्र सैनी आदि सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल रहे ।

## शुभी हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न

प्रखर नरायनपुर मिजार्पुर। थाना क्षेत्र अदलहाट के टेढुआ मे दैत्रा वीर मंदिर से पूर्व शुभी हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभवाराणसी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ वरुण पाठक के द्वारा संपन्न हुआ सर्वप्रथम गणेश पूजन करते हुए सुंदरकांड कथा पाठ के साथ किया गया ।हॉस्पिटल के उद्घाटन के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ वरुण पाठक ने हॉस्पिटल के संचालक डॉ ओम प्रकाश द्विवेदी (पंकज) को ढेरों बधाइयां देते हुए कहा कि क्षेत्र के नागरिकों को चिकित्सा के क्षेत्र में गरीब मध्यम वर्ग के परिवारों को शुभी हॉस्पिटल से बेहतर एवं सस्ती स्वास्थ सुविधा मुहैया होगी मरीज हमारे लिए भगवान है मरीज की सेवा सबसे बड़ी सेवा होती है इसलिए हम उसको एक सेवक के रूप में ध्यान में रखते हुए इलाज करेंगे और क्षेत्रीय जनता को लाभ देंगे उक्त अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित नागरिक, डॉक्टर, हॉस्पिटल के स्टाफ आदि उपस्थित रहे ।

## अखिल भारत हिन्दू महासभा अधिवेशन आयोजित

प्रखर पूर्वान्चल सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर शहर में अखिल भारत हिन्दू महासभा, सहारनपुर जनपद का जिला अधिवेशन आयोजित किया गया।अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुन्ना कुमार शर्मा उपस्थित थे उनके साथ अधिवेशन में उत्तर प्रदेश हिन्दू महासभा के प्रदेशाध्यक्ष श्री संजीव राणा ,वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष दुष्यन्त राणा ,प्रदेश संगठन मंत्री श्री सुरेंद्र बुगाती , बाल्मिकी समाज के राष्ट्रीय महामंत्री श्री भारत भूषण सहित सैकड़ों हिन्दू महासभा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुन्ना कुमार शर्मा ने श्री विनीत शर्मा को सहारनपुर जिला हिन्दू महासभा का जिलाध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। अधिवेशन को संबोधित करते हुए श्री मुन्ना कुमार शर्मा ने कहा कि अखिल भारत हिन्दू महासभा भारत को अखंड हिन्दू राष्ट्र बनाने और हिंदी, हिन्दू व हिंदुस्थान का विकास करने के लिए कृतसंकल्प है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देश में एक समान नागरिक कानून, मजबूत जनसंख्या नियंत्रण कानून और राष्ट्रीय स्तर पर गौहत्या बंदी का कानून शीघ्र बनाये।उन्होंने घोषणा किया कि जिस तरह से हमने अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि को अतिक्रमण मुक्त किया है उसी तरह से मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ मंदिर को भी अतिक्रमण मुक्त करेगी उन्होंने उत्तरप्रदेश सरकार से देवबंद का नाम बदलकर देववृन्द करने और दारुल उलूम देवबंद को तत्काल बंद करने की मांग की।

## आशीष जायसवाल बने व्यापार मंडल विधानसभा अध्यक्ष

**व्यापारी दिखें नाराज जुलाई मे होगा वैलेट पेपर से चुनाव : प्रांतीय महामंत्री कन्हैया लाल**

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज न्यूज। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल पुनःगठन के लिए पूर्व अध्यक्ष आशीष जायसवाल के नेतृत्व में नगर पंचायत बृजमनगंज एम जी रोड मण्डी समिति के कटरे मे ब्यापारियों का बैठक पुनःगठन के लिए किया गया ।बैठक में काफी संख्या में ब्यापारी इकट्ठा हुए।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्यामबिहारी गुट के प्रान्तीय संयुक्त महामंत्री कन्हैयालाल अग्रवाल , शिव कुमार जयप्रकाश, भरोदिया, शैलेश जी,दिवाकर पटेल,राकेश गुप्ता, दयाराम गुप्ता, अश्विनी पटेल रहे।सभी पदाधिकारियों एवं मीडिया बंधु का आशीष जायसवाल ने माल्यार्पण कर सम्मानित किया।बैठक में जिले से आये पदाधिकारियों को ब्यापारियों के अक्रोश का सामना करना पडा।ब्यापारियों ने वर्तमान ब्यापार मंडल का बहिष्कार करते हुए बैलेट पेपर के माध्यम से चुनाव कराने की बात की। काफी देर तक चली बहस के बाद श्यामबिहारी गुट प्रांतीय महामंत्री

कन्हैया लाल ने निर्णय लिया और कहा कि वर्तमान मे चुने गए ब्यापार मंडल अध्यक्ष ने पत्र के माध्यम से अपनी गलती स्वीकार करते हुए मांफी मांगा हैं तथा ब्यापार मंडल का गठन तीन माह बाद जुलाई में कराने का निर्णय लिया जाता हैं तथा फरेंदा विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी आशीष जायसवाल को दी जाती हैं कि संगठन का विस्तार करते हुए सदस्य बनाकर सकुशल जुलाई माह में वैलेट पेपर के माध्यम से चुनाव संपन्न करायें।आशीष जायसवाल को व्यापार मण्डल फरेंदा विधान सभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया तथा उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल उर्फ राजू बनने पर लोगों ने बधाइयां दी। सुवाष गुप्ता, विनोद जायसवाल, रामकुमार कसौधन , रुपनारायन जायसवाल को संरक्षक बनाया गया । प्रान्तीय महामंत्री कन्हैयालाल अग्रवाल ने सभी पदाधिकारियों अधिकारी को बधाई देते हुए निर्देशित किया कि 30 जून के पहले सदस्यता सम्पूर्ण कराना सुनिश्चित करें । इस अवसर पर मीडिया प्रभारी जगदम्बा जायसवाल, गौरव जायसवाल, मधुर श्याम, मनोज त्रिपाठी, वेदपुरी राकेश गुप्ता , गणेश जयसवाल संजय वर्मा , राजेश कसौधन , नीरज जायसवाल,श्याम प्रकाश जायसवाल , मनोज कबाड़े ,संतोष,अर्जुन, संगम जायसवाल , राजेंद्र जायसवाल, मुलायम जायसवाल,संगम , धीरज जायसवाल सहित काफी लोग मौजूद रहे ।

## बलिया प्रशासन के खिलाफ जौनपुर के पत्रकारों ने भरी हुंकार

प्रखर जौनपुर (संवाददाता- मोहम्मद अरशद)। बलिया के जिला प्रशासन द्वारा पत्रकारों को फर्जी मुकदमे में फंसा कर जेल भेजे जाने से जौनपुर के पत्रकारों में आशा आक्रोश बढ़ गया। अपने पत्रकार साथी की रिहाई और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर बुधवार को पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल डीएम मनीष कुमार वर्मा से कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष में मिला। इस दौरान उन्हें मुख्यमंत्री के नाम संबोधित मांग पत्र देते हुए घटना की उच्चस्तरीय जांच कराते हुए बेकसूर पत्रकार साथी की तुरंत रिहाई की मांग की। सनद रहे कि बलिया जिले के पत्रकार अजीत ओझा, दिग्विजय सिंह, मनोज गुप्ता ने यूपी बोर्ड परीक्षा का प्रश्न पत्र आउट करने वाले शिक्षा माफियाओं और प्रशासन के अधिकारियों के बीच चल रही सांठगांठ का बड़ा खुलासा करते हुए अपने सूत्रों से खबर एकत्रित कर उसका भंडाफोड़ कर दिया। आखिरकार अपनी खुद की किरकिरी देख जिला प्रशासन ने शिक्षा माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही न करके उल्टे पत्रकारों को जेल भेज दिया। यह पत्रकारिता के स्वतंत्रता का हनन है तथा पत्रकारों को डराने धमकाने का प्रयास किया गया है। हम पत्रकार साथी इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम लोगों ने मांग किया है अति शीघ्र पत्रकारों के ऊपर लादे गये फर्जी मुकदमे को वापस लिया जाए एवं बिना शर्त जेल से रिहा किया जाए। यह भी मांग उठाई कि पत्रकारों को फर्जी मुकदमे में फंसाने वाले अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर पत्रकार सुशील कुमार स्वामी, राजकुमार सिंह, विजय

उपाध्याय, अजय पांडे फूलचंद यादव, मोहम्मद अब्बास, शशीकांत मौर्य, संजय चौरसिया, विद्याधर विद्यार्थी ,राजेश श्रीवास्तव, लोलारके दुबे, संजय शुक्ला, कपिल देव मौर्य, संतोष राय, नीरज सिंह, भोला विश्वकर्मा, मोहम्मद असलमखान, लक्ष्मी यादव, शशि राज सिन्हा , वीरेंद्र गुप्ता, तामीर हसन शीबू, इन्द्रजीत सिंह मौर्य, मोहम्मद अरशद, मनीष श्रीवास्तव, अविनाष कश्यप, राकेश कांत पांडेय, अजय पांडेय, प्रकाश तिवारी ,चंद्र प्रकाश तिवारी, राम सिंगार शुक्ला गदेला गुरु, पंकज कुमार प्रजापति अन्य मौजूद रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### नशा मुक्त सगोष्ठी कार्यक्रम को लेकर आर. जे तृषा से मिली वस्त्र दान फाऊडेशन की टीम

प्रखर वाराणसी। 75 वें स्वतंत्रता दिवस व आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर नशामुक्त भारत अभियान के तहत वस्त्र दान फाऊडेशन कि टीम द्वारा कई सगोष्ठी कार्यक्रम व हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा` जिसके तहत आज वस्त्र दान फाऊडेशन कि टीम मिर्चि आफिस में आर.जे तृषा जी से मुलाकात कि उन्होने अपनी तरफ से हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया व नशा मुक्त सगोष्ठी कार्यक्रम में आने का स्वकृति प्रदान किया हैं, संस्था के संस्थापक सुधांशु सिंह का कहना है कि हमारे देश में आजकल लोगों में नशे की आदत काफी बड़ी मात्रा में देखी जा रही है। यहां तक की युवा वर्ग भी नशे की चपेट में कुछ इस प्रकार से आ रहा है कि उन्हें नशे के अलावा कुछ दिखाई ही नहीं देता है। इसलिए संस्था चाह्ती है कि नशा मुक्त दिवस के पहले कई ऐसे सगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया जाये जिससे सामाज में अच्छा संदेश जाये और लोग नशा से मुक्त हो।

### तारगहना में स्कूल चलो अभियान के तहत निकली रैली

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। बेसिक प्राथमिक विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान के तहत शिक्षा से वंचित बच्चों को स्कूलों में नामांकन कराने के लिए कई गांवों में जागरूकता रैली निकाली गई। मंगलवार को शाहगंज ब्लॉक के तारगहना में कंपोजिट विद्यालय में ग्राम प्रधान मंगलप्रसाद बिंद ने झंडी दिखाकर रैली का स्कूल से शुभारंभ किया। रैली में स्कूल के सभी बच्चों ने एक साथ हाथों में अभियान से संबंधित नारों से लिखी तख्तियों को लिए चल रहे थे। रैली का उद्देश्य छह से 14 वर्ष तक के बच्चों को बेसिक स्कूलों में प्रवेश दिलाने लिए जागरूक करना था। रैली में प्रधानाध्यापक राजबहादुर, रमेश बिंद अनुदेशक, अनिरुद्ध गौतम,सिमोद यादव आदि रहे।

### मोदी सरकार की सपनों को साकार करना हैं- भुवनेश्वर

**बीजेपी के 42 वां स्थापना दिवस पर बीजेपी नगर उपाध्यक्ष ने पार्टी का फहराया झंडा**

प्रखर शाहगंज (जौनपुर) । भारतीय जनता पार्टी आज अपना 42वां स्थापना दिवस देशभर में पूरे उत्साह के साथ मना रही है। इस अवसर पर हर राज्य व जिले में पार्टी मुख्यालय पर कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा के झंडे फहराए जा रहे हैं। तो वहीं बीजेपी के 42 वां स्थापना दिवस के अवसर पर शाहगंज नगर के शाहपंजा मोहल्ला निवासी भाजपा नगर उपाध्यक्ष भुवनेश्वर मोदनवाल ने अपनें आवास पर बीजेपी पार्टी का झंडा फहराया और बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनील मोदनवाल ने सभी भाजपा कार्यकताओं को पार्टी के स्थापना दिवस के

अवसर पर मिठाईयाँ बांटी। बीजेपी नगर उपाध्यक्ष भुवनेश्वर मोदनवाल ने कार्यक्रम में मौके पर उपस्थित बीजेपी नेता व कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी जी के नेतृत्व ने पिछले 8 वर्षों में शासन की एक नई परिभाषा दी है जैसे गुड गवर्नेंस इज आल्सो गुड पॉलिटिक्स,विकास का काम हुआ और ये सफलता हमारे बीजेपी कार्यकर्ता के कारण हुए हैं। हम सभी बीजेपी कार्यकर्ता एक जुट होकर मोदी सरकार की सपनों को साकार करना हैं ।

### राशन को लेकर कोटेदार ने की प्रधान पुत्र की पिटाई

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के बेहड़ा गांव में ग्राम प्रधान पुत्र ने कोटेदार पर गाली गलौज व मारपीट करने का आरोप लगाया हैं। गांव में मीडे मील के राशान को लेकर एक सप्ताह एक विवाद चल रहा हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। मंगलवार की रात बेहड़ा ग्राम प्रधान के पुत्र दुर्गेश कनौजिया ने केरकात कोतवाली में कोटेदार के खिलाफ तहरीर देकर आरोप लगाया कि एमडीएम के राशन को जूनियर हाई स्कूल विद्यालय परिसर से ट्रैक्टर पर लदवा कर घर ले जा रहे थे। कोटेदार अपने पुत्रों के साथ आ गये और गाली गलौज कर मारने पीटने लगे। वहाँ उपस्थित लोगों ने बीच बचाव किया। कोटेदार के पुत्र दुर्गेश ने बताया कि तीन महीने का एमडीएम का राशन कोटेदार द्वारा नही दिया गया था। जिससे गांव के 9 स्कूलों का खाना बंद हो गया था।केराकत एसडीएम को लिखित में शिकायत देने के बाद मौके पर जांच करने के बाद केराकत बीइओ ,राजेश यादव और सप्लाई इन्स्पेक्टर पदमाकर तिवारी केराकत ने गांव में आकर कोटेदार से 40 कुंटल राशन दिलवाया था। जिसको विद्यालय से घर पर सुरक्षित करने के लिए ले जा रहे थे तभी कोटेदार अपने दो पुत्रो के साथ मौके पर पहुंच गए और माँ बहन की गाली देते हुए मारने लगे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं